ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य में कांग्रेस की गारंटी नहीं आई काम : बी.वाई विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 05 जून, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |✻| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-156

मोदी के नेतृत्व वाले राजग को लगातार तीसरी बार बहुमत

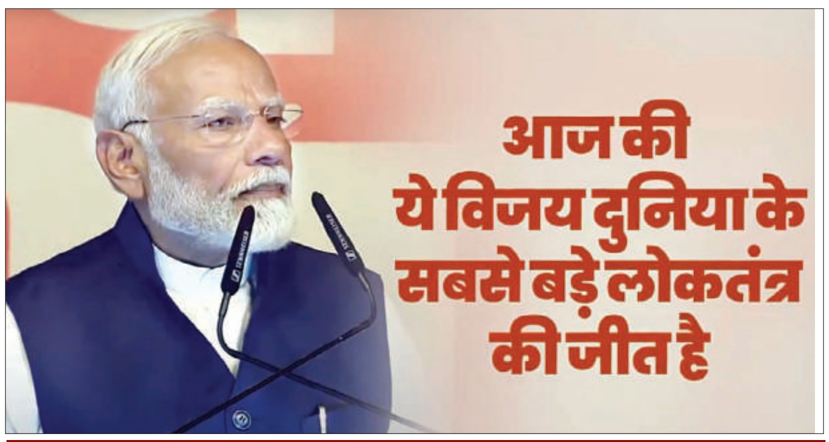

राजग 292 से अधिक सीटों पर और विपक्षी गठबंधन 230 से अधिक सीट पर दर्ज कर रहा जीत

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है लेकिन कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के इंडी समूह की कड़ी चुनौती और अप्रत्याशित प्रदर्शन के चलते भाजपा अकेले दम पर बहुमत हासिल करने में विफल रही है।

लोकसभा चुनाव की मंगलवार को हुई मतगणना में समाचार लिखे जाने तक राजग को 290 से अधिक सीटें मिलती दिख रही हैं जबकि इंडी समूह 230 से अधिक सीट पर जीत दर्ज कर रहा है। मतगणना के परिणामों और रूझानों में खबर लिखे जाने तक भाजपा 240 सीटों के साथ सबसे बड़ी और कांग्रेस 99 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। वर्ष 2014 के चुनाव के बाद देश में एक बार फिर गठबंधन सरकार की राजनीति वापस लौट रही है जिसमें राजग के घटक दलों तेलुगु देशम पार्टी, जनता दल यू और शिव सेना की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश , राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे अपने पुराने गढों में तगड़ा झटका लगा है जबकि पार्टी ओड़ीशा में ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए लोकसभा की अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज करने के साथ साथ राज्य विधानसभा में भी जीत के साथ पहली बार अपनी सरकार बनाने की स्थिति में पहुंच गयी है। पार्टी ने केरल में पहली बार एक सीट के साथ अपना खाता खोला है और नवगठित तेलंगाना में वह सत्तारूढ कांग्रेस को कांटे की टक्कर देते हुए बराबर की सीट जीतती नजर आ रही है।

इंडी समूह ने उत्तर प्रदेश में भाजपा को अप्रत्याशित झटका देते हुए उसे दूसरे स्थान पर धकेल दिया है। राज्य में समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। पिछले चुनाव में राज्य की 80 में से 62 सीट जीतने वाली भाजपा इस बार 33 सीट पर सिमटती नजर आयी। कांग्रेस को राज्य में अपनी परंपरागत सीटों रायबरेली और अमेठी सहित छह सीट पर सफलता मिल रही है। राज्य में सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारने वाली बहुजन समाज पार्टी का खाता खुलता नहीं दिख रहा।

लोकसभा चुनाव में राजग गठबंधन ने इस बार मोदी के करिश्मे के अलावा राम मंदिर, धारा 370 , बुनियादी ढांचा विकास और उच्च आर्थिक वृद्धि दर के साथ साथ विपक्षी दलों की तुष्टिकरण की राजनीति के मुद्दों पर चुनाव लड़ा जबकि इंडी समूह ने संविधान को बचाने, महंगाई, बेरोजगारी और जातिगत जनगणना को मुख्य मुद्दा बनाकर प्रचार किया था। भाजपा ने इन चुनाव में अब की बार 400 पार का नारा देने के साथ ओड़िशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और तेलंगाना जैसे नये राज्यों में पैर पसारने की जी तोड़ कोशिश की। ▶9पर

1962 के बाद पहली बार किसी सरकार की तीसरी बार वापसी, जनता-जनार्दन का आभार : पीएम मोदी

भ्रष्टाचारियों के खिलाफ उनकी सरकार द्वारा चलाई जा रही मुहिम अब और तेज होगी

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को मिली जीत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत बताते हुए कहा है कि ये विजय, भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है, ये विकसित भारत के प्रण की जीत है, ये सबका साथ-सबका विकास, इस मंत्र की जीत है, ये 140 करोड़ भारतीयों की जीत है। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ उनकी सरकार चलाई जा रही मुहिम अब और तेज होगी। किसी भी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनके लिए यह भावुक पल है। उनकी माताजी के देहांत के बाद यह उनका पहला चुनाव था। लेकिन, देश की करोडों माताओं ने उन्हें मां की कमी नहीं खलने दी। विरोधी दल मिलकर भी उतनी सीटें नहीं जीत पाए, जितनी सीटें भाजपा अकेले जीती है। तीसरे कार्यकाल में देश नए फैसलों का एक अध्याय लिखेगा और यह मोदी की गारंटी है।

भाजपा के केंद्रीय कार्यालय विस्तार में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज बड़ा मंगल है और इस पावन दिन लगातार ▶9पर

तेलंगाना में भाजपा और कांग्रेस ने 8-8 सीटों पर लहराया जीत का परचम

ओवैसी ने हैदराबाद सीट पांचवीं बार बरकरार रखी, बीआरएस का सूपड़ा साफ

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कांग्रेस और उसके कट्टर प्रतिद्वंद्वी भाजपा ने तेलंगाना में कांटे की लड़ाई में आठ-आठ सीटें जीतकर बराबरी पर रहीं। जबकि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा की तेजतर्रार नेता माधवी लता के खिलाफ हैदराबाद सीट बरकरार रखी। वहीं केसीआर के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का लोकसभा चुनावों में सूपड़ा साफ हो गया।

तेलंगाना लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मतों की गिनती मंगलवार सुबह 8 बजे शुरू हुई। राज्य में बीआरएस, भाजपा और राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाले भारत ब्लॉक के बीच त्रिकोणीय चुनावी लड़ाई थी। तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस और भाजपा ने आठ-आठ सीटें जीतीं, जबकि असदुद्दीन ओवैसी ने अपने हैदराबाद के गढ़ से भाजपा की माधवी लता को भारी अंतर से हराकर शानदार जीत हासिल की।

भाजपा प्रत्याशियों में जीत का सेहरा अपने सर बांधने वालों में आदिलाबाद से गोदाम नागेश, निजामाबाद से धर्मपुरी अरविंद, करीमनगर से बंडी संजय कुमार, मलकाजगिरी से ईटेला राजेंद्र, महबूबनगर से डीके अरुणा, चेवेल्ला से कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, मेदक से एम रघुनंदन राव और सिकंदराबाद से जी. किशन रेड्डी शामिल हैं।

वहीं कांग्रेस प्रत्याशियों में नलगोंडा से के रघुवीर रेड्डी, खम्मम से आर. रघुराम रेड्डी, वारंगल से के. काव्या, महबूबाबाद से बलराम नायक, नगरकुरनूल से मल्लू रवि, भोंगीर से चामला किरण कुमार, जहीराबाद से सुरेश शेतकर और पेद्दापल्ली से गद्दाम वामशिकृष्णा ने लोकसभा चुनाव में जीत का परचम लहराया है। जबकि हैदराबाद सीट से एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी से लगातार पांचवीं बार जीत दर्ज की है। भाजपा के उम्मीदवार और केन्द्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सिंकदराबाद सीट 49944 के अंतर से जीत ली है, जबकि भाजपा के ही अरविंद धर्मपुरी कांग्रेस पार्टी के जीवन रेड्डी को एक लाख नौ हजार 241 वोटों से हराया। कांग्रेस के वामसी कृष्ण गड्डम ने पेद्दापल्ली सीट पर भाजपा के श्रीनिवास गोमसे को 131364 वोटों से हराया।

उत्तराखंड में पांचों सीटों पर भाजपा की बड़े अन्तर से जीत

देहरादून, 04 जून (एजेंसियां)।

अठारहवीं लोकसभा (लोस) के लिए मंगलवार को हो रही मतगणना में उत्तराखंड की सभी पांचों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल कर ली है। सभी स्थानों पर मतों की गणना पूरी हो चुकी है। अभी आधिकारिक रूप से घोषणा की प्रतीक्षा है। बढ़ी बढ़त के बाद, भाजपा नेता और कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं।

अपराह्न चार बजे तक नैनीताल, उधमसिन्ह नगर क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट रिकार्ड तीन लाख, 26 हजार, 816 मतों ने अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के प्रकाश जोशी को शिकस्त दी है। वहीं टिहरी लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की माला राज लक्ष्मी शाह ने चौथी बार 02,58,252 मतों से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के जोतसिंह गुणसोला से लीड ली है।

हरिद्वार में भाजपा के त्रिवेंद्र सिंह रावत अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के वीरेंद्र सिंह से 01,38,265 मतों से और पौड़ी गढ़वाल में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल बलोनी अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के गणेश गोदियाल से 01,52,944 ज्यादा मत प्राप्त कर चुके हैं।

जबकि अल्मोड़ा में भाजपा के अजय टम्टा ने कांग्रेस के प्रदीप टम्टा से 2,24,655 ज्यादा मत प्राप्त किए हैं। समाचार लिखे जाने तक निर्वाचन आयोग की ओर से किसी की जीत की घोषणा नहीं की है।

दूसरी ओर, देहरादून स्थित भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पार्टी अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, मंत्री गणेश जोशी सहित अन्य नेता पहुंच गए हैं। नेता और कार्यकर्ता ढोल नगाड़ों पर थिरक रहे है। एक दूसरे को मिठाई खिलाई जा रही है। साथ ही, रंग और गुलाल उड़ाए जा रहे हैं।

आंध्र प्रदेश में चन्द्रबाबू नायडू भारी बहुमत से सत्ता में कर रहे वापसी

- तेदेपा 135 , जनसेना पार्टी 32 और भाजपा ने 8 सीट जीतीं
- वाईएसआर कांग्रेस पार्टी 11 सीटों पर विजयी रही

अमरावती, 04 जून (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनावों में एन चन्द्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगू देशम पार्टी (तेदपा) का गठबंधन बड़ा उलट-फेर करते हुए राज्य में सत्ता में वापसी करता दिख रहा है।

राज्य में 175 सदस्यी विधानसभा के चुनाव में तेदपा ने 135 सीटों पर जीत हासिल की है जबकि तेदपा के सहयोगी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 8 सीटें जीतीं। वहीं जनसेना पार्टी 21 सीटें जीती और वाईएसअ-ारसीपी 11 पर विजयी रही।

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में वाईएसआर कांग्रेस को 151 सीटों पर जीत हासिल हुई थी, जबकि श्री नायडू की तेदपा 23 सीटों पर सिमट गयी थी।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्री नायडू को फोन कर उनके पार्टी के प्रदर्शन पर बधाई दी। राज्य में भाजपा और पवन कल्याण की जनसेना पार्टी ने तेदपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा है।

पवन कल्याण की सनसनीखेज टिप्पणी, बोले- अब मैं दिखाऊंगा

आंध्र प्रदेश में टीडीपी, जन-सेना और बीजेपी गठबंधन ने रिकॉर्ड जीत हासिल की है। आंध्र प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में अब तक किसी भी पार्टी को जीत हासिल नहीं की थी, उससे बड़ी जीत हासिल की है। राज्य में सरकार बनाने की तैयारी कर रही है। जनसेना प्रमुख पवन कल्याण ने आंध्र प्रदेश चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रिया दी है। मंगलगिरि में जनसेना के मुख्य पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि एपी में अंधकार के दिन खत्म हो गए हैं और यह राज्य के इतिहास में एक ऐतिहासिक दिन है। परिवर्तन प्रदेश की 5 करोड़ जनता की चाहत है और यह आज संभव हो सका है।

पवन ने स्पष्ट किया कि जगन मेरे निजी दुश्मन नहीं हैं और पार्टी नेताओं के खिलाफ कोई जवाबी कदम नहीं उठाया जाएगा।पवन ने कहा कि यह समय पार्टी की उपलब्धि का नहीं, बल्कि आंध्र प्रदेश के विकास पर ध्यान देने का है।

उन्होंने एक बार फिर साफ कर दिया कि जनता से किये गये सारे वादे पूरे किये जायेंगे। उन्होंने भावुक टिप्पणी करते हुए कहा कि 21 सीटें जीतने तक उन्हें नहीं पता था कि वह लोगों के बीच हैं। अब से सभी को जिम्मेदारी से काम करना होगा। हमने सभी सीटों पर जीत हासिल की है और हम उसी तरह काम करेंगे जैसे कि हम 175 सीटों पर जीते है। उन्होंने बेरोजगारों, युवाओं, कर्मचारियों और किसानों के साथ खड़े रहने का वादा किया। इस जीत ने उन्हें बहुत जिम्मेदारी दी है। उन्होंने दिलचस्प टिप्पणी करते हुए कहा कि अब वे दिखाएंगे कि राज्य में शासन व्यवस्था और शांति-सुरक्षा कैसी होनी चाहिए।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,360/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,022/-
(प्रति किलोग्राम)

मनीष सिसोदिया को सुप्रीम झटका जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया।पीठ ने जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि वह इस मामले के गुण-दोष पर कुछ नहीं कह रही है। याचिकाकर्ता (सिसोदिया) जमानत के लिए नए सिरे से आवेदन करने के लिए स्वतंत्र हैं। शीर्ष अदालत ने कहा, हम गुण-दोष पर कुछ नहीं कहेंगे। हम आपकी प्रार्थनाओं को पुनर्जीवित करने के लिए स्वतंत्रता के साथ निपटारा करेंगे। हम गुण-दोष पर कुछ नहीं कह रहे हैं। शीर्ष अदालत ने ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का यह बयान दर्ज किया कि आरोप अंतिम पत्र तीन जुलाई तक दाखिल कर दिया जाएगा।दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया को 26 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने विशेष अदालत की ओर से जमानत याचिका खारिज होने के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जहां 21 मई को उनकी अपील खारिज कर दी थी।

ओड़ीशा विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत की ओर

भुवनेश्वर, 04 जून (एजेंसियां)।

ओड़ीशा में 147 विधानसभा सीटों पर मंगलवार को चल रही मतगणना के रुझानों में भारतीय जतना पार्टी (भाजपा) 74 सीटों आगे चल रही है। रुझानों को देखते हुए लगा रहा है भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में अपने बलबूते पर सरकार बनाने जा रही है। 13:00 बजे तक के रुझानों में भाजपा 74 सीटों पर बढ़त के साथ सबसे आगे पर बनी हुई है।

सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त पायलट सुरक्षित

नासिक, 04 जून (एजेंसियां)।

भारतीय वायुसेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान मंगलवार को क्रैश हो गया। हादसा महाराष्ट्र के नासिक में हुआ है। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डी आर कराले ने बताया कि सुखोई एसयू-30 एमकेआई विमान के पायलट और सह-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है।

अधिकारी ने बताया कि विमान विंग कमांडर बोकिल और उनके दूसरे कमांडर बिस्वास उड़ा रहे थे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। उन्हें एचएएल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने आगे बताया कि दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है। विमान के हिस्से 500 मीटर के दायरे में फैले हुए हैं। भारतीय वायुसेना, एचएएल सुरक्षा और एचएएल तकनीकी इकाई की टीमों ने घटनास्थल का दौरा किया।

रूसी सुखोई एसयु-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना में सबसे ताकतवर एयरक्राफ्ट माना जाता है। भारतीय वायुसेना के पास 272 सक्रिय सुखोई एसयु-30 एमकेआई हैं, इस एयरक्राफ्ट में दो इंजन हैं और दो चालको के बैठने की जगह है। इनमें से कुछ एयरक्राफ्ट को सुपरसोनिक मिसाइल ब्रह्मोस को लॉन्च करने के लिए भी अपग्रेड किया गया है। सुखोई विमान 3,000 किलोमीटर तक हमला कर सकता है। जबकि इसकी क्रूज रेंज 3,200 किलोमीटर तक है और कॉम्बेट रेडियस 1,500 किलोमीटर है। वजन में भारी होने के बावजूद यह लड़ाकू विमान अपनी तेज़ गति के लिये जाना जाता है। यह विमान आकाश में 2,100 किलोमीटर प्रति घंटा की तेज रफ्तार से फर्राटा भर सकता है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 22^0

शेयर मार्केट

बीएसई : 72,079.05
-4389.73 -5.74% ↓

एनएसई :21,884.50
-1,379.40 (-5.93%) ↓

जैसे जैसे आपकी उम्र हो आप खुद को व्यस्त रखें: लक्ष्मी बाफना

संस्था में जुड़े नये सदस्यों के स्वागत कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो विजय शब्द का आह्वान करता है, जो जीत के साथ सर्व समाज को जोड़ने वाला अद्भुत संगठन है। वर्तमान में जीतो 9 जोन में 70 राष्ट्रीय, 29 अंतर्राष्ट्रीय चैप्टर, 16156 सदस्यों के साथ समाज कल्याण, व्यवसाय विकास व प्रशासनिक तैयारी के कई प्रकार के प्रोजेक्ट संचालित कर रहा है। समाज के जरूरतमंद लोगों को पढ़ाई से लेकर नौकरी और शादी तक के लिए सहयोग तथा सबका उत्थान स्थायी तौर पर हो, यही जीतो का लक्ष्य है। यहाँ व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का उद्देश्य ध्यान में रखते हुए उसकी छुपी हुई प्रतिभा को उजागर होने का सशक्त मंच मिलता है। अपनी शक्तियों को पहचान पर संस्था के सहयोग से आगे बढ़ाते हुए खुद समाज में अपना योगदान कुछ करने की भावना भी पुष्ट होती है। जैसे आपकी उम्र हो आप खुद को व्यस्त रखें पर जोर देते हुए जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ की उपाध्यक्ष एवं मुख्य प्रक्षिक्षक लक्ष्मी बाफना ने तनीसंद्रा में स्थित रंगोली गार्डन में ऑनबोर्डिंग थीम कोमेंस्टेंट प्रोग्राम में जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट सेंटर फॉर एक्सिलेंस के तहत संस्था में जुड़े नये सदस्यों के स्वागत कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। उन्होंने सदस्यों को जीतो के विभिन्न आयामों एवं अन्य सदस्यता हेतु मिलने वाले लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि इस मंच से सभी जैन महिलाएं एक दूसरे को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट हो सकें। उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों को लागू करने के लिए एक मंच विकसित करने के लिए वे प्रतिबद्ध हो। महिलाओं को सशक्त एवं जागृति की ओर अग्रसर करना है। लक्ष्मी ने एपेक्स द्वारा दिए गए 14 विषयों पर विस्तार से चर्चा की जिसमें बी टु बी, स्किल्ल डेवलपमेंट, वित्तीय साक्षरता, सदस्यता ड्राइव, मेट्रिमोनी, माइनॉरिटी, आर्थिक सुदृढ़ता के साथ महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने चैप्टर, युवा विंग महत्व व महिला विंग को सशक्त बनाने पर जोर दिया। नए सदस्यों ने कई प्रश्नों के माध्यम से समाधान पाया। मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षक का परिचय संयोजिका मीना बडेरा ने दिया। चेरपर्सन बिन्दु रायसोनी ने स्वागत एवं आगामी आयोजनों की घोषणा की।

इनका रहा सहयोग

प्रारम्भ नवकार मंत्र से हुआ। सह-संयोजिका संगीता नागोरी ने विषय प्रस्तुति दी। प्रायोजक शाह ग्रुप के राजेश-नंदा, प्रवीण-कविता, रमिल-पायल एवं मुख्य प्रशिक्षक लक्ष्मी बाफना का जीतो परिवार की ओर से सम्मान किया गया। कार्यसमिति रक्षा छाजेड, सारिका जैन, मधुबाला बरलोटा, संगीता मुथा, इंद्रा जैन, संतोष आच्छा, पवन ओस्तवाल, श्वेता जैन ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। नवोदित सदस्य प्रेरणा जैन, रेखा मूनोत, रसीला मरलेचा, हैदराबाद से आयी पूनम सिंघवी, इंजीनियर निधि नागोरी, प्रियंका, मेकअप आर्टिस्ट नेहा बाबेल ने टीम से जुड़ने का उत्साह दिखाया। सभी सदस्यों ने रंगोली गार्डन में गाँव की संस्कृति, पुरातन परंपरा का अवलोकन, मैजिक शो, घोड़ागाड़ी सवारी, ऑडिटोरियम , स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

विजयनगर के छठी आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर का लोकार्पण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर का भव्य शुभारंभ किया गया।

अत्याधुनिक मशीनों से सुशोभित लेबोरेट्री का जैन संस्कार विधि से शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी मलययशा जी, साध्वी आस्थाप्रभा जी के मंगल पाठ से हुआ। संस्कारक राकेश दूधोड़िया, विकास बाँठिया, अभिषेक, धीरज भादानी ने विविध मंत्रोचार से कार्यक्रम को निष्पादित करवाया। अभातेयुप अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता, मुख्य अतिथि अभूतपूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, अभातेयुप प्रबंध मंडल, उद्घाटन कर्ता शायद, हीरालाल मालू, एटीडीसी के राष्ट्रीय प्रभारी सौरभ मुणोत, अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा, अभातेयुप परिवार, तेरापंथी महासभा सदस्य प्रकाश लोढ़ा, तेरापंथी सभा विजयनगर अध्यक्ष मंगल कोचर एवं टीम, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया एवं टीम, मुख्य प्रायोजक परिवार व अन्य सभी प्रायोजक आदि की

उपस्थिति रही। परिषद अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने कहा कि तेयुप विजयनगर द्वारा यह छठी डायग्नोस्टिक सेंटर संपूर्ण जनमानस के लिए एक सौगात बन रहा है। अब विजयनगर परिषद् संपूर्ण देश में सबसे ज्यादा एटीडीसी संचालन करने वाली परिषद् बन गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने कहा कि रियायती दरों पर परीक्षण करने से जरूरतमंदों को जो सहायता होती है वही सच्ची मानव सेवा है। विमल कटारिया ने कहा कि परिषद् द्वारा छः छः एटीडीसी का संचालन विजयनगर की विशिष्टता को दर्शाता है। विजयनगर के कार्यकर्ता श्रम और निष्ठा से न केवल आध्यात्मिक कार्य करते हैं, बल्कि सामाजिक कार्यों में भी पूरी रुचि दिखाते हैं। अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने उपस्थित सभी तेयुप के साथियों से कहा कि विजयनगर को एक हॉस्पिटल के निर्माण की ओर अग्रसर होना चाहिए। अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा ने तेयुप विजयनगर के हर एक मेम्बर का इस कार्य में लगे श्रम और लगन की सराहना की।

एटीडीसी राष्ट्रीय प्रभारी सौरभ मुणोत ने विजयनगर परिषद् को शुभकामनाएँ संप्रेषित की। तेयुप विजयनगर के निवर्तमान अध्यक्ष श्रेयांस गोलछा, पूर्व अध्यक्ष दिनेश मरोठी, महावीर टेबा, अमित दक, बेंगलूरु की अन्य परिषद से पधारे पदाधिकारीयो ने बधाई संप्रेषित की।

लोकसभा चुनाव 2024

भाजपा ने चित्रदुर्ग सीट पर कब्जा बरकरार रखा

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा उम्मीदवार और पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल ने चित्रदुर्ग लोकसभा सीट पर कांग्रेस के बी एन चंद्रप्पा को 48,121 मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल की। गोविंद करजोल को 6.84 लाख से अधिक वोट मिले, जबकि चंद्रप्पा को 6.36 लाख वोट मिले। इस सीट से 18 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। चंद्रप्पा की यह लगातार दूसरी हार है। इस सीट से उनकी

आखिरी जीत 2014 के लोकसभा चुनावों में हुई थी। इस निर्वाचन क्षेत्र में चित्रदुर्ग, चल्लकेरे, होलालकेरे, हिरियूर, मोलकलमूर, होसदुर्ग विधानसभा क्षेत्र, तुमकुरु जिले के सिरा और पावगड़ा शामिल हैं।

दिव्य गीता सत्संग प्रवचन का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पुष्पांजलि व अग्रवाल समाज के तत्वावधान में सर्व राजस्थानी के सहयोग से सोमवार को शाम 4 बजे से बड़ा घंटाघर के सामने टाउन हॉल के सभागार में दिव्य गीता सत्संग प्रवचन का आयोजन महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद के सानिध्य में किया गया।

दीप प्रज्वलन से धर्मसभा का शुभारंभ हुआ। स्वामी ज्ञाननंद व चिंतामणि मातृपूरी आश्रम के माँ अमृता चैतन्यमयी देवी व गौमधु-सूदन का समाज की ओर से बहुमान किया गया। स्वामी ने गीता का महत्व बताया कि

श्रीमद्भागवत गीता में जीवन का हर पहलू और हर अवस्था का पूरा सार छिपा है। इन वचनों में जीवन के हर अनुभव के बारे में विस्तार से बताया है। व्यक्ति के जन्म लेने से लेकर मृत्यु तक और उसके बाद के चक्र तक गीता में वर्णित है। गीता के पांच वचन आपके जीवन के हर मोड़ पर काम आएंगे। गीता में वासना, गुस्सा और लालच यह तीनों चीजे नरक की ओर ले जाने वाली बताया है। अगर आपको सुखी रहना है तो आपको इन चीजों से दूर रहना चाहिए। इस मौके पर अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप मित्तल, पुष्पांजलि व अग्रवाल समाज, मैसूरु के अध्यक्ष श्रीकृष्ण मित्तल, पुष्पांजलि के सचिव हरी सिंह लाम्बा, सुनील मोदी, धनराज अग्रवाल, जीतो मैसूरु चैप्टर के मुख्य सचिव गौतम सालेचा, पर्यावरण जाग्रति वैदिके बनूर के अध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित, घाँची समाज के अध्यक्ष देवाराम घाँची, गणेश राम देवासी सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

दो दिवसीय कन्याकुमारी यात्रा संपन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वासुपूज्य स्वामी ईटा जैन सेवा मंडल के सदस्यों द्वारा दो दिवसीय कन्याकुमारी यात्रा का कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। सेवा मंडल के अध्यक्ष सुरेश फोलामुथा के नेतृत्व में इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सेवा मंडल के उपाध्यक्ष जगदीश तिलावत, मंत्री राजू भंसाली, कोषाध्यक्ष सुशील बागमार, सहमंत्री सुरेश बाफना ने बहुत ही शानदार ढंग से व्यवस्था संभाली। कुलदीप छाजेड़, अरविंद गांधी, शैलेश तातेड, विजय बडेरा, आकाश गादियां एवं सभी सेवा मंडल के सदस्यों एवं समस्त यात्रियों का पूर्णत: सहयोग रहा।

लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर खुशी जताई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
लोकतंत्र के महापर्व में सम्पन हुए लोकसभा चुनाव में बेंगलूरु मध्य से भाजपा प्रत्याशी पी.सी.मोहन के चौथी बार एवं राजस्थान के पाली जिले से पी.पी.चौधरी के तीसरी बार सांसद बनने पर बेलन्दूर क्षेत्र के प्रवासी मारवाड़ी भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। इस मौके पर भूपेश कश्यप, सुखाराम, बाबूलाल, प्रकाशसिंह, नणीगराम, भुण्डाराम, थानाराम, राजू पटेल, चेनाराम गुर्जर, अरुण शर्मा, प्रकाश भायल, कल्याणराम, जितेंद्र प्रजापत, सोहनलाल सहित मारवाड़ी भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर खुशी का इजहार किया।

लोकसभा चुनाव 2024 : बलात्कार के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना हासन से हारे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बलात्कार और सिलसिलेवार यौन शोषण के आरोपी हासन के मौजूदा सांसद प्रज्वल रेवन्ना कांग्रेस के श्रेयस पटेल से हार गए हैं। पटेल के खिलाफ प्रज्वल 40,000 वोटों से हार गए, जिससे कांग्रेस को 25 साल बाद हासन लोकसभा सीट जीतने में मदद मिली है।

पटेल पिछले साल विधानसभा चुनाव में होलेनरसीपुर से प्रज्वल के पिता एच डी रेवन्ना से हार गए थे। 26 अप्रैल को मतदान से कुछ दिन पहले हासन में प्रज्वल से जुड़े सेक्स वीडियो खूब प्रसारित किए

गए। हो सकता है कि इसने प्रज्वल की हार में योगदान दिया हो। साथ ही, कहा जाता है कि भाजपा नेताओं के एक वर्ग ने प्रज्वल के खिलाफ काम किया, जिससे पटेल को जीत हासिल करने में मदद मिली। यह हासन में दो दिग्गज नेताओं के पोते-पोतियों के बीच मुकाबला था। प्रज्वल पूर्व प्रधानमंत्री और जेडी(एस) सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। पटेल के दादा जी पुट्टस्वामी गौड़ा ने एक बार देवेगौड़ा को हराकर हासन से सांसद बने थे। नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए जेडी(एस) के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी, जो प्रज्वल के चाचा हैं, ने हैरानी जताई। उन्होंने कहा हमें इस नतीजे की उम्मीद नहीं थी। हम खुश नहीं हैं। भाजपा और जेडी(एस) के गठबंधन के तुरंत बाद, भगवा पार्टी के कुछ नेता नाखुश थे, खासकर हासन के पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा, जिन्होंने प्रज्वल की उम्मीदवारी का विरोध किया था। 2019 में, देवेगौड़ा ने हासन को प्रज्वल के लिए छोड़ दिया। अपने पहले चुनाव में, प्रज्वल ने 1.41 लाख वोटों से जीत हासिल की। जेडी(एस) के नेताओं को भरोसा था कि उनके खिलाफ आरोपों के बावजूद प्रज्वल जीतेंगे।

मांड्या में कुमारस्वामी ने ढाई लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने मांड्या लोकसभा क्षेत्र में ढाई लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल कर यह साबित कर दिया है कि मांड्या जेडीएस का गढ़ है, जिसे लेकर लोगों में गहरी दिलचस्पी है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार वेंकटरमण गौड़ा (स्टार चंद्रू) हार गए थे, जेडीएस ने मांड्या जिले के 7 विधानसभा क्षेत्रों में से केवल एक में जीत हासिल की थी। छह निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल कर कांग्रेस ने मांड्या जिले पर अपना दबदबा बनाया। सिर्फ एक साल में जनादेश बदल गया और उन्होंने कांग्रेस के बजाय जद(एस) को तरजीह दी। जबरदस्त टक्कर वाले इस विधानसभा क्षेत्र में जनता ने कांग्रेस का दामन नहीं थामा। उन्होंने फिर इसका श्रेय जेडीएस को दिया। कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी को 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और जेडीएस गठबंधन ने मैदान में उतारा था। इस निर्वाचन क्षेत्र में एक गैर-पार्टी उम्मीदवार सुमलता ने जीत हासिल की थी। इस चुनाव में भाजपा-जेडीएस गठबंधन को फायदा मिला है। इससे साबित हो गया है कि एनडीए गठबंधन को उम्मीद से ज्यादा समर्थन मिला है। जेडीएस के पूर्व मंत्रियों, विधायकों, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का संगठित संघर्ष रंग लाया और जेडीएस ने मांड्या सीट पर जीत हासिल की है।

दपरे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने महाप्रबंधक को संरक्षक के रूप में किया पदस्थापित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
चालुक्य रेलवे संस्थान में आयोजित एक महत्वपूर्ण समारोह में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स दक्षिण-पश्चिम रेलवे ने अपने नए संरक्षक महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव को संरक्षक, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स दपरे, नमिता श्रीवास्तव, अध्यक्ष दपरे महिला एवं बाल विकास संगठन मुख्यालय को उप संरक्षक और बीएसएंडजी दपरे तथा के.एस. जैन एजीएम दपरे को उप संरक्षक बीएसएंडजी दपरे के रूप में स्काउट एवं गाइड बिरादरी में पदस्थापित किया। शुजा महमूद राज्य मुख्य आयुक्त बीएसएंडजी एवं सीप-ीओ, ए दपरे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। युवा विकास एवं सामुदायिक सेवा के प्रति क्षेत्र की प्रतिबद्धता में यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। समारोह का मुख्य आकर्षण नए महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव द्वारा शपथ ग्रहण था। उन्होंने आंदोलन के मूल्यों और सिद्धांतों को बनाए रखने का संकल्प लिया तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे के भीतर इसकी गतिविधियों को समर्थन और बढ़ावा देने का वादा किया। रैली का मुख्य उद्देश्य दक्षिण पश्चिम रेलवे के तीनों डिवीजनों के 55 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स को राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र वितरित करना था। ये प्रमाण पत्र स्काउटिंग और गाइडिंग गतिविधियों में सर्वोच्च स्तर की दक्षता का प्रमाण हैं। अरविंद श्रीवास्तव ने योग्य स्काउट्स और गाइड्स को पुरस्कार प्रदान किए।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी ने रेलवे विकास कार्यों का किया निरीक्षण

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव ने हाल ही में मैसूरु रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों के लिए मौजूदा सुविधाओं का निरीक्षण किया और मैसूरु रेलवे स्टेशन पर विकास परियोजना के संबंध में मंडल अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने प्लेटफॉर्म, ट्रैक, इमारतों और अन्य संरचनाओं की स्थिति, सुरक्षा मानकों, स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षा क्षेत्रों, शौचालयों और आसपास के क्षेत्रों की सफाई, यात्री सुविधाओं को सुनिश्चित करने सहित विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया। बाद में, उन्होंने मैसूरु, मेटागली ब्लॉक स्टेशन और बेलगुला स्टेशन में नए माल टर्मिनल का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मैसूरु स्टेशन और यार्ड का सर्वेक्षण किया और ट्रैक मेंटेनर्स और अन्य फ्रंटलाइन कर्मचारियों के साथ बातचीत की।

भाजपा 17 सीटों पर हुई विजयी, जेडीएस 2 पर

कांग्रेस 9 सीटों के साथ दोहरे अंक के दावे से चूक गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा ने 17 लोकसभा सीटें जीतने में कामयाबी हासिल की है, जबकि उसकी सहयोगी जेडी(एस) दो निर्वाचन क्षेत्रों में विजयी हुई है। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी कर्नाटक की 28 सीटों में से 9 सीटें जीतकर दोहरे अंक तक पहुंचने में विफल रही है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के दामाद भाजपा उम्मीदवार डॉ. सी एन मंजूनाथ ने बेंगलूरु ग्रामीण सीट पर उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के भाई कांग्रेस उम्मीदवार डी के सुरेश को भारी अंतर से हराया है।

डॉ. मंजूनाथ, बेंगलूरु के एक प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञ हैं, जो सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हुए और भाजपा द्वारा तीन बार के सांसद डी के सुरेश के खिलाफ बेंगलूरु ग्रामीण सीट से लड़ने के लिए टिकट की पेशकश के बाद चुनावी मैदान में कूद पड़े। डॉ. मंजूनाथ के साले और जेडीएस के एच.डी. कुमारस्वामी, जो देवेगौड़ा के बेटे भी हैं, ने कांग्रेस के उम्मीदवार चंद्रशेखर को मांड्या निर्वाचन क्षेत्र से 2.5 लाख से ज्यादा वोटों से हराया है, जिन्हें स्टार चंद्रू के नाम से जाना जाता है। परिवार के एक और सदस्य प्रज्वल रेवन्ना, जो अब सेक्स वीडियो घोटाले में फंसे देवेगौड़ा के पोते हैं, कांग्रेस के उम्मीदवार श्रेयस पटेल से हार गए हैं। कर्नाटक में पिछले साल विधानसभा चुनाव हारने वाले भाजपा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी ने भी अपनी कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी अंजलि निंबालकर पर 1.5 लाख से ज्यादा वोटों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है।

इसी तरह, उडुपी-चिक्कमगलूरु सीट से अपनी उम्मीदवारी के खिलाफ वापस जाओ के नारे झेलने वाली शोभा करंदलाजे बेंगलूरु उत्तर निर्वाचन क्षेत्र में चली गईं और कांग्रेस उम्मीदवार प्रोफेसर राजीव गौड़ा को हराया। इस बीच, भाजपा के बागी केएस ईश्वरप्पा, जिनके बेटे केई कंथेश को पार्टी का टिकट नहीं मिला था, ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर शिवमोग्गा से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और शिवमोग्गा में कुछ हजार वोट पाकर बुरी तरह हार गए। कांग्रेस ने कल्याण-कर्नाटक क्षेत्र में काफी बढ़त हासिल की है, जहां गारंटी पार्टी के पक्ष में काम करती दिखी।

लोकसभा चुनाव : राज्य में जीते हुए उम्मीदवारों की सूची

बागलकोट–भाजपा– गद्दीगौदार	– 6,67,441	बीदर –भाजपा– भगवंत खूबा	– 5,65,766	दावणगेरे – कांग्रेस – प्रभा मल्लिकार्जुन	– 573788
कांग्रेस संयुक्ता पाटिल	– 6,00,741	कांग्रेस–सागर ईश्वर खंड्रे	– 6,65,162	भाजपा–गायत्री सिद्धेश्वर	– 552702
जीत का अंतर	– 66,700	जीत का अंतर	– 1,29,369	जीत का अंतर	– 21086
बेंगलूरु सेंट्रल–बीजेपी– पीसी मोहन	– 6,14,800	बीजापुर–बीजेपी–रमेश	– 651634	धारवाड़ – भाजपा – प्रह्लाद जोशी	– 713649
कांग्रेस–मंसूर अली खान	– 608366	कांग्रेस– राजू अलागुरू	– 5,78,555	कांग्रेस– विनोद आसुति	– 617616
जीत का अंतर	– 35,000	जीत का अंतर	– 73,129	जीत का अंतर	– 96033
बेंगलूरु उत्तर –भाजपा– शोभा करंदलाजे	– 9,15,553	चामराजनगर – कांग्रेस – सुनील बोस	– 5,75,234	कलबुर्गी–कांग्रेस– रामकृष्ण डोड्डामणि	– 652321
कांग्रेस – प्रो. राजुगौड़ा	– 2,61,465	भाजपा–बलराज. एस	– 444465	बीजेपी– डॉ. उमेश.जे. जाधव	– 625116
जीत का अंतर	– 2,59,341	जीत का अंतर	– 130770	जीत का अंतर	– 27205
बेंगलूरु ग्रामीण–बीजेपी– डॉ. सी.एन.मंजूनाथ	– 10,75,553	चिक्कबल्लापुर–भाजपा–डॉ.के.सुधाकर	– 819588	हासन – कांग्रेस –श्रेयस एन पटेल	– 6,70,274
कांग्रेस– डीके सुरेश	– 807459	कांग्रेस– एमएस रक्षा रामन्या	– 657489	जेडीएस–प्रज्वल रेवन्ना	– 626536
जीत का अंतर	– 2,68,049	जीत का अंतर	– 162099	जीत का अंतर	– 43738
बेंगलूरु साउथ –बीजेपी– तेजस्वी सूर्या	– 7,23,310	चिक्कोडी –कांग्रेस–प्रियंका सतीश जारकीहोली	– 627877	हावेरी–भाजपा–बसवराज बोमई	– 705538
कांग्रेस– सौम्या रेड्डी	– 4,56,661	भाजपा–अन्ना साहेब जोले	– 531823	कांग्रेस– आनंद स्वामीगादिदेवरा मठ	– 662025
जीत का अंतर	– 2,65,649	जीत का अंतर	– 96,054	जीत का अंतर	– 43,513
बेलगावी–भाजपा–जगदीश शेट्टर	– 63,53,72	चित्रदुर्ग–भाजपा–गोविंद करजोल	– 684890	कोलार–जेडीएस– के. मल्लेश बाबू	– 691481
कांग्रेस– मृणाल हेब्बालकर	– 491657	कांग्रेस– बीएन चंद्रप्पा	– 636769	कांग्रेस– केवी गौतम	– 620093
जीत का अंतर	– 1,43,715	जीत का अंतर	– 48121	जीत का अंतर	– 71388
बेल्लारी–बीजेपी– बी. श्रीरामुलु	– 6,20,127	दक्षिण कन्नड़–भाजपा– कैप्टन बृजेश चौटा	– 764132	कोप्पल – कांग्रेस– के. राजशेखर यत्नाल	– 6,33,480
कांग्रेस–बी तुकाराम	– 7,18,727	कांग्रेस– पदराज पुजारी	– 614924	भाजपा–डॉ बसवराज	–590030
जीत का अंतर	– 98600	जीत का अंतर	– 149202	जीत का अंतर	– 43450
मांड्या – जेडीएस – एचडी कुमारस्वामी	– 851881	रायचूर–कांग्रेस– जी.कुमार नाइक	–642212	उत्तरकन्नड़–भाजपा–विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी	–777887
कांग्रेस– वेंकटरमन गौड़ा	– 567261	बीजेपी– राजा अमरेश नाइक	– 563065	कांग्रेस– डॉ. अंजलि निंबालकर	–443296
जीत का अंतर	– 284620	जीत का अंतर	– 79147	जीत का अंतर	–334591
मैसूरु–कोडागु–भाजपा– यदुवीर वाडियार	– 795503	शिवमोग्गा–बीजेपी– वीवाई राघवेंद्र	–778721	तुमकुरु–भाजपा–वी.सोमन्ना	– 720946
कांग्रेस– एम. लक्ष्मण	– 656241	कांग्रेस–गीता शिवराजकुमार	–535006	कांग्रेस–एसपी मुद्दनुमेगौड़ा	– 545352
जीत का अंतर	– 139262	जीत का अंतर	–243715	जीत का अंतर	– 175594
उडुपी चिक्कमगलूरु–भाजपा–कोटा श्रीनिवास पुजारी	– 716569	कांग्रेस–जयप्रकाश हेगड़े	–463498	जीत का अंतर	– 253079

विजयेंद्र ने राज्य में भाजपा को ज्यादा सीटें दिलाने में सफल होते हुए कुर्सी मजबूत कर ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस की गारंटी के बावजूद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र राज्य में भाजपा को ज्यादा सीटें दिलाने में सफल रहे हैं और कुर्सी मजबूत कर ली है। विधानसभा चुनाव में भारी हार झेलने वाली भाजपा ने छह महीने बाद पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे बी.वाई विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष का पद दे दिया था। एक हारी हुई पार्टी का नेतृत्व करने की चुनौती पर विजयेंद्र ने शुरुआत में सभी नेताओं को विश्वास में लिया और लोकसभा चुनाव में नेतृत्व करने की जिम्मेदारी ली। एक ओर जहां विजयेंद्र को पार्टी के भीतर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, वहीं कांग्रेस पांच गारंटी को लागू करके लोगों का समर्थन हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही थी। ऐसे में चुनौतीपूर्ण लोकसभा चुनाव में इतनी सीटें जीतना आसान बात नहीं है। पिछली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर में 25 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार केंद्रीय अभिजात्य वर्ग ने कम से कम 18 सीटें जीतने का लक्ष्य दिया था। उन्होंने वीरशैव लिंगायत समुदाय को लुभाने में अपने पिता येदियुरप्पा के मार्गदर्शन में पार्टी का नेतृत्व किया, जो भाजपा की रीढ़ थी। पार्टी से दूर चल रहे जगदीश शेट्टर निचले स्तर के नेता को पार्टी में लाने में सफल रहे। नतीजों से साफ है कि वीरशैव लिंगायत समुदाय को एक मजबूत नेता की जरूरत थी और यह उन्हें विजयेंद्र के रूप में मिला। कांग्रेस के मजबूत नेतृत्व के बावजूद भाजपा को 16 सीटें मिलीं जो सामान्य नहीं है। कहा जा रहा है कि एक तरफ मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और दूसरी तरफ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के मजबूत नेतृत्व के बावजूद भाजपा की जीत विजयेंद्र के नेतृत्व की पहचान है। भले ही लक्ष्य 20 से अधिक सीटें जीतने का रखा गया था, लेकिन पार्टी के सदस्य मानते हैं कि भाजपा ने इतनी सीटें जीती हैं, इसके पीछे येदियुरप्पा और विजयेंद्र की कोशिशें हैं।

छह वर्षीय बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न के लिए 20 साल की कैद

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कलबुर्गी में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय (पॉक्सो विशेष) ने जिले के ताज सुल्तानपुर निवासी मौलासब को छह वर्षीय बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न के लिए 20 साल के कारावास की सजा सुनाई। लोक अभियोजक शांतावीर तुप्पड़ द्वारा दिए गए विवरण के अनुसार, दोषी नाबालिग को चॉकलेट का लालच देकर अपने घर ले गया, जहां उसने 25 अगस्त, 2023 को उसका यौन उत्पीड़न किया। बच्ची के माता-पिता की शिकायत के बाद, एक प्राथमिकी दर्ज की गई और पुलिस के सर्किल इंस्पेक्टर (अलंद) महादेव पंचमुखी ने आरोप पत्र दायर किया। उन्होंने शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि की। न्यायाधीश यमनप्पा बामनगी ने दोनों पक्षों की सुनवाई की और गवाहों की जांच की और आरोपी को आरोप पत्र में उल्लिखित अपराधों का दोषी पाया। उन्होंने अपराधी को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 की धारा 6 के तहत 20 साल की जेल की सजा सुनाई और 20,000 का जुर्माना लगाया। इसके अलावा भारतीय दंड संहिता की धारा 363 (अपहरण के लिए सजा) के तहत पांच साल की कैद और 5,000 का जुर्माना लगाया। सजाएँ एक साथ चलेंगी।

तेलुगू अभिनेत्री हेमा गिरफ्तार, मौके पर मौजूद होने से किया इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकप्रिय तेलुगू अभिनेत्री हेमा को हाल ही में बेंगलूरु के बाहरी इलाके में हुई रेव पार्टी के सिलसिले में सोमवार को गिरफ्तार किया गया, जिसका पुलिस ने भंडाफोड़ किया था। जांचकर्ताओं ने फार्महाउस से ड्रग्स और नशीले पदार्थ जब्त किए थे। अभिनेत्री को मामले के सिलसिले में पूछताछ के लिए बेंगलूरु सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) की एंटी-नारकोटिक्स विंग ने बुलाया था, लेकिन पुलिस द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बाद भी वह दो बार पेश नहीं हुई। सोमवार को उन्हें तीसरा नोटिस जारी किया गया और पूछताछ के बाद उन्हें आगे की जांच के लिए गिरफ्तार कर लिया गया। छापेमारी के बाद हेमा ने एक वीडियो बनाया था, जिसमें कहा गया था कि वह रेव पार्टी में मौजूद नहीं थी और वह हैदराबाद के एक फार्म में आराम कर रही थी। हालांकि, पुलिस ने कहा कि वह वास्तव में फार्महाउस में मौजूद थी। अभिनेत्री ने सोमवार को मीडिया पर जमकर हमला बोला और मेडिकल जांच के बाद उन्हें ले जाया गया। उन्होंने मीडिया पर गलत खबरें देने का आरोप लगाया। उन्होंने गुस्से में कहा आपकी सारी खबरें गलत हैं। मुझे अभी यहां लाया गया है। उन्होंने मेरे बाल, नाखून, मूत्र और रक्त के नमूने एकत्र किए हैं। यह पता नहीं है कि रिपोर्ट सकारात्मक होगी या नकारात्मक। मेरे खिलाफ जो कुछ भी दिखाया जा रहा है, वह गलत है। यही काम आप करते हैं। पुलिस ने 20 मई को सनसेट टू सनराइज विक्ट्री नामक रेव पार्टी में ड्रग सेवन के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाले व्यक्तियों को नोटिस जारी किया था। पार्टी में तकनीकी विशेषज्ञ, तेलुगु अभिनेता और अन्य लोगों सहित लगभग 100 लोग मौजूद थे और पार्टी में एमडीएमए, कोकीन, गांजा, चरस और अन्य नशीले पदार्थों का कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया था। पुलिस द्वारा पार्टी का भंडाफोड़ करने के बाद वहां मौजूद लोगों से एकत्र किए गए 98 रक्त नमूनों में से 86 में ड्रग्स की मौजूदगी की पुष्टि हुई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि 50 से अधिक पुरुषों और करीब 30 महिलाओं में ड्रग सेवन की पुष्टि हुई है। पुलिस ड्रग्स की आपूर्ति के साथ-साथ सेक्स रैकेट के संचालन की संभावना की भी जांच कर रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी पुलिस स्टेशन से सीसीबी के एंटी-नारकोटिक्स विंग को मामला सौंपे जाने से पहले इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा, मामले के संबंध में ड्यूटी में लापरवाही बरतने के लिए तीन पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

राज्य में कांग्रेस की गारंटी नहीं आई काम : बी.वाई विजयेंद्र

पार्टी कार्यालय में मनाया जश्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक बी.वाई.विजयेन्द्र ने मंगलवार को कहा कि भाजपा और एनडीए गठबंधन की जीत से सभी को खुशी है कि आजादी के बाद गैर कांग्रेसी पार्टी भाजपा लगातार तीसरी बार स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आयी है। शहर में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा-जद(एस) पार्टी ने कर्नाटक राज्य में भी संयुक्त रूप से चुनाव लड़ा था, भाजपा ने 17 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की और जद(एस) ने 2 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की। उन्होंने विश्लेषण किया कि कर्नाटक में 20 से ज्यादा सीटों पर जीत का भ्रम पाले बैठी कांग्रेस पार्टी को झटका लगा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों का अपनी गारंटी के दम पर राज्य में 20 से अधिक सीटें जीतने का सपना आज चकनाचूर हो गया है। उन्होंने कहा कि वह दोनों दलों के नेताओं, विशेषकर दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को बधाई देते हैं, जो इस अभूतपूर्व जीत के लिए जिम्मेदार थे। उन्होंने राज्य के मतदाताओं को धन्यवाद दिया। गारंटी को लेकर काफी चर्चा हुई। पिछले विधानसभा चुनाव में हम हार गये। इन सबके अलावा, हमारे राज्य के जागरूक मतदाताओं ने देश के भविष्य को आकार देने वाले चुनाव में नरेंद्र मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने के लिए पूरा समर्थन दिया है। इसलिए उन्होंने कहा कि वह हमारे राज्य के मतदाताओं के आभारी रहेंगे। इसी बीच लोकसभा चुनाव परिणाम के मद्देनजर प्रदेश भाजपा कार्यालय जगन्नाथ भवन में जश्न मनाया गया। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक दुसरे को मिठाई खिलाई और पटाखे फोड़ कर जश्न मनाया।

मंडी की जनता ने परिवारवाद की राजनीति को नकारा: कंगना रनौत

मंडी, 04 जून (एजेंसियां)। राजनीति में अपनी किस्मत अजमाने के लिए हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से चुनावी रण में उतरी कंगना रनौत ने पहले प्रयास में ही जीत हासिल कर ली है। बॉलीवुड के साथ-साथ वह राजनीति में भी क्वीन बनकर उभरीं। उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह को मात दी।

कंगना ने 74 हजार 755 वोटों के अंतर से चुनाव जीता। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया।

उन्होंने ने कहा, मेरा राजनीति में कोई खास मुकाम नहीं था। मैंने यह चुनाव मोदी के नाम पर लड़ा। मंडी में पत्रकारों से बात करते हुए कंगना ने कहा कि मंडी संसदीय क्षेत्र की जनता ने परिवारवाद की राजनीति को नकारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा, यह मेरी जिंदगी का बेहद खास दिन है, क्योंकि मैंने पहला चुनाव जीता है, यह चुनाव अनिश्चितताओं से भरा रहा।

कंगना ने कहा कि अब हम सब मिलकर एक नई शुरुआत करेंगे। हर विधानसभा क्षेत्र की अलग-अलग समस्याएं हैं, जिसके अनुसार शुरुआत की जाएगी।

कांग्रेस की सांसद और सरकार ने कई कामों को रुकवाया है। उनके बारे में विधायकों से बात करके रणनीति बनाई जाएगी। कंगना ने कहा कि अब वह कहीं जाने वाली नहीं हैं। वह मंडी के लोगों से मिलती रहेंगी। मीडिया से बात करने के अलावा, कंगना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए जनता को धन्यवाद दिया। कंगना ने लिखा, समस्त मंडीवासियों को इस जनाधार, इस प्यार और विश्वास के लिए दिल से आभार। ये जीत आप सभी की है। यह जीत है प्रधानमंत्री मोदी जी और भाजपा पर विश्वास की। यह जीत है सनातन की, यह जीत है मंडी के सम्मान की।

बॉलीवुड की क्वीन और भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत ने मंगलवार को मंडी संसदीय क्षेत्र में पूर्व राजपरिवार के वंशज तथा कांग्रेस विधायक विक्रमादित्य सिंह के खिलाफ 74 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। कंगना रनौत को 5,37,022 मत मिले जबकि दूसरे स्थान पर रहे सिंह को 4,62,267 मद मिले हैं। राज्य के सबसे कठिन और लगभग दो-तिहाई क्षेत्र को कवर करने वाले इस विशाल निर्वाचन क्षेत्र में विरासत और स्टारडम के बीच टकराव देखने को मिला।

इस सीट का प्रतिनिधित्व पहले प्रतिभा सिंह करती थीं, जो विक्रमादित्य की मां हैं। वह मंडी से तीन बार सांसद रह चुकी हैं। इस परिवार का तत्कालीन क्योंथल राज्य के शाही परिवार से संबंध हैं।

उन्होंने फिर से मैदान में उतरने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने विक्रमादित्य के नाम का प्रस्ताव रखा था क्योंकि उनका मानना था कि वह युवा, ऊर्जावान और अच्छे वक्ता हैं, जिनका युवाओं पर प्रभाव है और वह कंगना के लिए एक अच्छी चुनौती पेश करेंगे।

मंडी में एक रैली को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं की आकांक्षाओं और महिला सशक्तीकरण के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा, कांग्रेस अभी 21वीं सदी में नहीं पहुंची है। लोग प्रगति कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस विपरीत दिशा में बढ़ रही है।

यह 20वीं सदी की ओर वापस जा रही है। कांग्रेस का शाही परिवार बेटियों के सख्त खिलाफ है। पूरी कांग्रेस घोर महिला विरोधी है। लेकिन हिमाचल में मेरे परिवार के लिए, मेरी बात ध्यान से सुनो और अपनी बेटियों को अच्छी शिक्षा दो।

सभी पांच सीटें जीतने से हमारा मनोबल बढ़ा : चिराग पासवान

पटना, 04 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे घोषित किए जा रहे हैं। अब तक सामने आए रुझानों में एक बार फिर देश में एनडीए की सरकार बनने जा रही है। एनडीए ने बहुमत (272) का आंकड़ा पार कर लिया है। जबकि इंडिया गठबंधन भी 230 से ज्यादा सीटों पर आगे है।

इस बीच चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को रुझानों में बंपर फायदा हुआ है। इस चुनाव में चिराग पासवान ने जमुई लोकसभा सीट छोड़कर हाजीपुर से चुनाव लड़ा है। वह इस सीट पर जीत के करीब हैं। चिराग पासवान ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि बिहार की जनता ने पूरी तरह से विश्वास किया है। मेरे लिए डबल खुशी की बात है। सौ प्रतिशत स्ट्राइक रेट हम फिर से बनाने जा रहे हैं। हमारी पार्टी के पांच में से पांच सीटें जीतना हमारे मनोबल को बढ़ाता है। इसका श्रेय हमारे गठबंधन में शामिल हर एक पार्टी के कार्यकर्ता को जाता है। जीत का श्रेय गठबंधन के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। इससे पहले चिराग पासवान ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, फिर एक बार - मोदी सरकार। पीएम नरेंद्र मोदी के समर्थन में मैं और मेरी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) मजबूती के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एनडीए पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। देश को पुनः तीसरी बार एक मजबूत और सशक्त सरकार मिलने जा रही है।

हमीरपुर से लगातार 5वीं बार अनुराग ठाकुर जीते कांग्रेस के सतपाल रायजादा को दी शिकस्त

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को जीत मिली है। वह यहां से लगातार पांचवीं बार जीते हैं। अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस उम्मीदवार सतपाल रायजादा को डेढ़ लाख से ज्यादा वोटों से शिकस्त दी है। अनुराग ठाकुर ने सोशल मीडिया पर अपनी जीत की जानकारी देते हुए जनता का आभार जताया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भावुक, हर्षित, गर्वित, मेरे ऊपर लगातार पांचवीं बार विश्वास जताने, मुझे इतना स्नेह, आशीर्वाद और समर्थन देने व ऐतिहासिक विजय के लिए मेरे हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की देवतुल्य जनता का मैं हृदय की गहराइयों से आभार प्रकट करता हूं। मुझे गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जो मुझ पर विश्वास जताया, मेरे संसदीय क्षेत्र की जनता ने उस विश्वास की डोर को और मजबूत किया है।

उन्होंने आगे लिखा, 'यह जीत मेरे हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की जनता व सभी पार्टी कार्यकर्ताओं की जीत है। इस बार आशाओं, आकांक्षाओं व अपने कर्तव्य को और ज़िम्मेदारी से पूरा करने का वचन व क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के अपने संकल्प को और प्रगाढ़ करूंगा। मुझे गर्व है कि नरेंद्र मोदी को फिर प्रधानमंत्री बनाने के लिए पूरे देश के साथ देवभूमि हिमाचल व मेरा हमीरपुर संसदीय क्षेत्र अपनी संपूर्ण भागीदारी निभा रहा है। अगर हिमाचल प्रदेश की दूसरी लोकसभा सीट मंडी की बात करें तो यहां से भाजपा प्रत्याशी और प्रसिद्ध अभिनेत्री कंगना रनौत भी आगे चल रही हैं। शिमला और कांगड़ा सीटों पर भी भाजपा उम्मीदवार ने बढ़त कायम की हुई है। हिमाचल प्रदेश की सभी चार लोकसभा सीटों पर सातवें और आखिरी चरण में 1 जून को मतदान हुआ था।

पीएम मोदी और नीतीश की जोड़ी के सामने नहीं चल सकी तेजस्वी की सियासी चाल

पटना, 04 जून (एजेंसियां)। बिहार की 40 लोकसभा सीटों को लेकर अब स्थिति साफ हो गई है। अब तक जो स्थिति सामने आई है, उसमें महागठबंधन पिछड़ता नजर आ रहा है, जबकि भाजपा से कम सीटों पर लड़ने के बावजूद जदयू अधिक सीट जीतने जा रही है।

वैसे, महागठबंधन को भी पिछले चुनाव से अधिक सीटें मिलती दिख रही हैं। हालांकि गठबंधन की बात करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी के सामने राजद के लालू यादव और तेजस्वी यादव की सियासी चाल नहीं चल सकी। एनडीए में शामिल जदयू पहली बार भाजपा से कम सीटों पर चुनाव लड़ी थी। भाजपा ने इस चुनाव में 17 सीटों पर जबकि जदयू 16 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। चुनाव आयोग की वेबसाइट के मुताबिक, भाजपा जहां चार सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है जबकि 8 सीटों पर आगे है, वहीं दूसरी तरफ जदयू के तीन प्रत्याशी विजयी हुए हैं और नौ सीटों पर बढ़त बनाए हुए है।

एनडीए में शामिल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा एक सीट पर जीत दर्ज कर चुकी है तथा लोजपा (रामविलास) एक सीट जीत चुकी है और चार सीटों पर बढ़त बनाए हुए है।

महागठबंधन नौ सीटों पर आगे है या इसके प्रत्याशी जीत दर्ज कर चुके हैं। जिसमें राजद चार, कांग्रेस तीन और वामपंथी दलों के दो प्रत्याशी हैं।

ऐसी स्थिति में स्पष्ट है कि बढ़त को भी अगर परिणाम माने तो एनडीए 30 और महागठबंधन के नौ और निर्दलीय एक सीट पर जीत सकते हैं। परिणाम को देखें तो स्पष्ट है कि सोशल इंजीनियरिंग में माहिर रहे जदयू के अध्यक्ष नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जोड़ी राजद के अध्यक्ष लालू यादव और तेजस्वी पर भारी पड़े। तेजस्वी यादव ने इस चुनाव में भले ही 251 आमसभा कर सबसे ज्यादा सभा करने का रिकॉर्ड बनाया हो, लेकिन मतदाताओं को वो रिझा नहीं पाए।

मतदाताओं ने एनडीए के प्रत्याशियों पर अधिक विश्वास जताया। तेजस्वी इस चुनाव में अपना जादू नहीं चला सके। उल्लेखनीय है कि पिछले चुनाव में 2019 के चुनाव में भाजपा और जदयू 17-17 सीटों पर अपने अपने प्रत्याशी उतारे थे। भाजपा अपने कोटे की सभी 17 सीटें जीती थीं और जदयू ने 16 तथा चिराग पासवान की पार्टी ने अपने कोटे की सभी छह सीटें जीती थीं। एनडीए ने 40 में से 39 सीटों पर परचम लहराया था। महागठबंधन में सिर्फ एक सीट कांग्रेस के खाते में गई थी। उस चुनाव में राजद का खाता तक नहीं खुला था।

लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर अमित शाह, जेपी नड्डा और राजनाथ सिंह ने की बैठक

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर तस्वीर लगभग साफ होती जा रही है। चुनाव आयोग की तरफ से अभी अंतिम और औपचारिक रिजल्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस बीच भाजपा के आला नेताओं ने एक उच्चस्तरीय बैठक कर चुनाव नतीजों की समीक्षा और भविष्य की रणनीति को लेकर भी चर्चा की है।

चुनाव नतीजों को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। नड्डा के आवास पर हुई इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। बताया जा रहा है कि इन तीनों नेताओं ने लोकसभा चुनाव के नतीजों पर विस्तृत चर्चा की। जिन सीटों पर अभी मतगणना के कई राउंड बचे हैं, उन सीटों को लेकर भी चर्चा की गई। जेपी नड्डा, अमित शाह और राजनाथ सिंह ने इस उच्चस्तरीय बैठक में भविष्य की रणनीति, सरकार गठन और सहयोगी दलों को साथ बनाए रखने पर भी चर्चा की है। राजनाथ सिंह के नड्डा के आवास से रवाना हो जाने के बाद अमित शाह और जेपी नड्डा के बीच अलग से भी थोड़ी देर बातचीत हुई।

इस बीच भाजपा मुख्यालय में भी जश्न का दौर शुरू हो गया है। जैसे-जैसे मतगणना अपने अंतिम दौर में पहुंचती जा रही है, वैसे-वैसे भाजपा कार्यकर्ताओं का पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में पहुंचना भी शुरू हो गया है। पार्टी मुख्यालय पहुंचे कार्यकर्ता हनुमान चालीसा का जाप करते नजर आए। हनुमान चालीसा के जाप के साथ ही पार्टी कार्यकर्ता लगातार पूरे जोश के साथ जय श्रीराम के नारे लगाते भी दिखाई दिए। पार्टी मुख्यालय में एकत्र हुए नेता लगातार मोदी-मोदी के भी नारे लगा रहे हैं। भाजपा का यह मानना है कि चुनाव में एनडीए गठबंधन को बहुमत मिलना तय है और देश में एक बार फिर से एनडीए गठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे नरेंद्र मोदी, विकसित भारत के रोडमैप पर होगा काम : मनोज तिवारी

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बाद काउंटिंग अभी जारी है। शुरुआती रुझानों में एनडीए ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली सीट से भाजपा प्रत्याशी मनोज तिवारी ने बड़ी लीड बनाई हुई है।

अपनी जीत का बड़ा दावा करते हुए मनोज तिवारी ने कहा कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली की जनता ने हमें फिर से आशीर्वाद दिया है। काउंटिंग में हम लोग पौने दो लाख वोटों से आगे चल रहे हैं।

दिल्ली की जनता ने दिल खोलकर भाजपा को सातों सीटें दी हैं। सातों सीट भाजपा की झोली में देने के लिए मैं दिल्ली की जनता का आभार जताता हूं। इसके साथ देश की जनता का आभार, जिन्होंने एनडीए को बहुमत दिया है। उन्होंने आगे कहा कि देश में तीसरी बार पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार का गठन होगा। दिल्ली की जनता ने दिल खोलकर भाजपा को सात सीटें दी हैं। अभी काउंटिंग जारी है।

भले ही हम चार सौ पार के नारे के करीब नहीं पहुंच पाए, लेकिन जनादेश एनडीए के पक्ष में आया है। अभी शाम तक कुछ सीटों में इजाफा देखने को मिल सकता है। उन्होंने आगे कहा कि हम लोग 2029 में चौथी बार पीएम मोदी की अगुवाई में 400 सीटें जीतने के लक्ष्य के साथ काम करेंगे। हम लोग एनडीए के रूप में लड़े हैं और देश की जनता ने एनडीए को आशीर्वाद दिया है। सत्ता लोलुपता के कारण इंडिया गठबंधन के अंदर खलबली मची हुई है। नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं और हमारी सरकार अगले पांच सालों तक विकसित भारत के रोडमैप पर काम करेगी।

दो दशक बाद दोबारा चुनाव जीतने वाले लोकसभा अध्यक्ष बने बिरला

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा लोकसभा सीट से जीत हासिल करने के साथ ही लोकसभा के वर्तमान अध्यक्ष ओम बिरला ने एक मिथक को तोड़ दिया है। कोटा की जीत के साथ ही ओम बिरला लगभग दो दशक बाद दोबारा चुनाव जीतने वाले लोकसभा अध्यक्ष बन गए हैं।

वर्ष 1999 के बाद कोई भी लोकसभा अध्यक्ष दोबारा चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचने में सफल नहीं रहा है। लेकिन, बिरला ने जीत की हैट्रिक बनाते हुए यह मिथक तोड़ दिया है।

वर्ष 1999 में देश में अटल बिहारी वाजपेयी की एनडीए सरकार बनने के बाद टीडीपी सांसद जीएमसी बालयोगी लोकसभा अध्यक्ष बने थे। लेकिन, 3 मार्च, 2002 को हेलिकॉप्टर हादसे में उनका निधन हो गया।

जीएमसी बालयोगी के निधन के बाद अटल वाजपेयी की सरकार में शिवसेना सांसद मनोहर जोशी को स्पीकर चुना गया। लेकिन, इसके बाद 2004 में हुए लोकसभा के चुनाव में मनोहर जोशी हार गए।

वर्ष 2004 में यूपीए गठबंधन की मनमोहन सरकार में सीपीएम सांसद सोमनाथ चटर्जी लोकसभा अध्यक्ष बने। लेकिन, 2009 में उन्हें फिर से लोकसभा चुनाव लड़ने का मौका ही नहीं मिला। 2009 में फिर से यूपीए सरकार बनने के बाद मीरा कुमार लोकसभा की स्पीकर बनीं। लेकिन, 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2014 में हुए लोकसभा चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी देश के पीएम बने और भाजपा सांसद सुमित्रा महाजन लोकसभा की स्पीकर बनीं। लेकिन, 2019 के चुनाव में भाजपा ने उन्हें टिकट ही नहीं दिया।

फैजाबाद ही नहीं राममंदिर के इर्द गिर्द की सभी सीटें हारी भाजपा

सेंट्रल यूपी की 24 सीटों में 15 में हार

लखनऊ, 04 जून (एजेंसियां)। भाजपा ने राममंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा और निर्माण को जिस तरह से जनता से बीच उठाया, उसका फायदा उसे नहीं मिला। राममंदिर के इर्द-गिर्द की सभी लोकसभा सीटें भाजपा हार गई। अयोध्या मंडल में उसका रिपोर्ट कार्ड जीरो रहा। इतना ही नहीं वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा ने मध्य यूपी की 24 में से 22 सीटें जीती थीं। लेकिन, इस बार उसे इस क्षेत्र में 13 सीटों का नुकसान हुआ। वहीं, कांग्रेस को 3 और सपा को 11 सीटों का फायदा हुआ। अयोध्या मंडल की फैजाबाद सीट भी भाजपा नहीं बचा सकी। सपा

ने अयोध्या में दलित प्रत्याशी व पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद को उतारा, जिन्होंने भाजपा के लल्लू सिंह को 50 हजार से ज्यादा मतों से पराजित किया। इस मंडल की सबसे चर्चित सीट अमेठी में भाजपा प्रत्याशी व कद्दावर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी कांग्रेस के केएल शर्मा के सामने कहीं भी नहीं टिक सकीं। बाराबंकी में कांग्रेस के तनुज पुनिया ने दो लाख से ज्यादा मतों से भाजपा प्रत्याशी राजरानी रावत को हराकर साबित कर दिया कि मंदिर से उपजी किसी तरह की लहर यहां तक नहीं पहुंच सकी। अयोध्या मंडल के अम्बेडकरनगर क्षेत्र में पिछली बार बसपा के टिकट पर सांसद चुने गए रितेश पांडे पर भाजपा ने इस बार दांव लगाया था। उसका यह दांव भी फ्लॉप साबित हुआ। सपा के लालजी वर्मा ने उन पर बढ़त ली।

नरेश उत्तम पटेल ने सबको चौंका दिया

फतेहपुर में केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को पछाड़कर सपा प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल ने सबको चौंका दिया, क्योंकि सपा ने उन्हें नामांकन के आखिरी दो दिनों में अपना प्रत्याशी बनाने का फैसला किया था। कौशांबी में राजनीतिक अनुभव से विहीन सपा के पुष्पेंद्र सरोज ने भाजपा के दो बार के सांसद विनोद सोनकर को हराकर बता दिया कि आम मतदाताओं में इंडिया गठबंधन के मुद्दे किस सीमा तक प्रभावी रहे। फर्रुखाबाद सीट भी सपा ने मामूली अंतर से जीतकर अपनी रणनीति का लोहा मनवा दिया, क्योंकि यहां सपा ने शाक्य बिरादरी के नवल किशोर को उतारा था। कन्नौज में अखिलेश यादव की जबरदस्त जीत ने दिखा दिया कि धार्मिक ध्रुवीकरण के बजाय जातीय ध्रुवीकरण क्षेत्र में ज्यादा प्रभावी रहा। अखिलेश के वहां कराए पुराने कामों ने भी उनकी काफी मदद की। इटावा सुरक्षित सीट भी इस बार सपा ने भाजपा से छीन ली।

अमेठी लोकसभा सीट

भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी की करारी हार किशोरी लाल 1 लाख 66 हजार 22 मतों से जीते

अमेठी, 04 जून (एजेंसियां)। यूपी की हाईप्रोफाइल लोकसभा सीट अमेठी के परिणाम हैरान करने वाले रहे। इस सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा ने भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी को 1 लाख 66 हजार 22 मतों से हरा दिया। 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को हराने वाली स्मृति ईरानी को इस बार 3 लाख 40 हजार 693 मत मिले जबकि किशोरी लाल शर्मा को 4 लाख 86 हजार 166 मत मिले। 2024 के चुनाव में राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने की हर ओर से आवाज उठी।

हर कोई यह मानकर चल रहा था कि राहुल गांधी ही चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेसियों ने धरना तक दिया था। नामांकन के अंतिम दिन एकाएक गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा को चुनावी मैदान में उतार दिया गया। पार्टी

प्रत्याशी के समर्थन में राहुल गांधी ने अखिलेश यादव के साथ पहुंचकर सभा कर माहौल बनाया। हर एक मुद्दे पर बेबाकी से बात की।

नतीजा यह रहा कि अमेठीवासियों के दिलोदिमाग पर गांधी परिवार का जादू एक बार फिर छा गया। भले ही उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा रहे हो लेकिन यहां की पूरी चुनाव की बागडोर प्रियंका गांधी वाड्रा ने संभाल रखी थी। नामांकन के समय पहुंचकर उन्होंने इस बात का संकेत दिया था। गांव-गांव नुक्कड़ सभा व रोड शो करके उन्होंने अमेठीवासियों से दिल का रिश्ता जोड़ा। पिता राजीव गांधी के साथ अमेठी आने की याद दिलाई। उस वक्त को याद किया। पिता व दादी की शहादत का जिक्र करने के साथ विकास योजनाओं की गिनती गिनाई। नतीजा यह रहा कि अमेठी उनके भरोसे की कायल हो गई। राहुल गांधी वर्ष 2004, 2009 व 2014 में लगातार तीन बार यहां से चुनाव जीते। हालांकि वर्ष 2019 के चुनाव में राहुल गांधी को स्मृति ईरानी ने 55 हजार वोटों के अंतर से हराया था।

पीएम मोदी 1,52,513 वोट के मार्जिन से जीते

काशी विश्वनाथ को 251 किलो लड्डू का भोग लगा

वाराणसी, 04 जून (एजेंसियां)। वाराणसी लोकसभा सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी बार जीत पर जनता और कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। भाजपा कार्यालय से लेकर विभिन्न स्थानों पर भाजपाजन ढोल-नगाड़ों के साथ झूम रहे हैं। इसी क्रम में वाराणसी के महापौर अशोक तिवारी खुशी जाहिर करते नजर आएं।

लोक सभा चुनाव के बाद वाराणसी संसदीय सीट पर नरेंद्र मोदी के तीसरी ऐतिहासिक जीत पर भाजपा नेता रविशंकर सिंह ने अपने आवास पर आए लोगों को मिष्ठान खिलाकर हर्ष व्यक्त किया। वहीं, रवि शंकर सिंह ने कहा कि आजादी के बाद नरेंद्र मोदी दूसरे ऐसे व्यक्ति हैं जो तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। उनके प्रधानमंत्री बनने पर भाजपा जनों में एक खुशी का माहौल देखने को मिला। दूसरी तरफ, शहर के प्रमुख स्थानों पर जुलूस भी निकाले गए। मोदी के तीसरी बार चुनाव जीतने की खुशी में दक्षिणी विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने बाबा श्री काशी विश्वनाथ को 251 किलो लड्डू का भोग लगाकर प्रसाद वितरण कराया गया। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत पर सोनारपुरा स्थित मां गायत्री आंध्रा आश्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी खुशी मनाई। डीजे की धुन पर लोग नाचते दिखे। इस दौरान मुख्य रूप से अभिषेक जायसवाल, निक्की सिन्हा, मोहित पांडेय, शिवम जायसवाल, सुनील सिंह, आकाश अरोड़ा समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। वाराणसी लोकसभा सीट से पीएम मोदी 152513 वोट के मार्जिन से जीते। यहां पीएम मोदी ने तीसरी बार भारी आंकड़े के साथ जीत दर्ज की। इसके साथ ही यहां लगातार तीन बार विजयी होकर पीएम मोदी ने नया कीर्तिमान बनाया है।

गोरखपुर और बस्ती मंडल की 9 सीटों में इस बार भाजपा को दो सीटों का हुआ नुकसान

रवि किशन ने 103526 लाख मतों से जीत हासिल की

गोरखपुर, 04 जून (एजेंसियां)। गोरखपुर और बस्ती मंडल की 9 सीटों में इस बार भाजपा को दो सीटों का नुकसान हुआ है। गोरखपुर मंडल की महाराजगं, कुशीनगर, देवरिया, गोरखपुर, बांसगांव सीटें भाजपा जीत गई हैं। जबकि बस्ती मंडल में संत कबीर नगर और बस्ती में भाजपा को करारी शिकस्त मिली है। वहीं, सलेमपुर में कांटे की लड़ाई चल रही है। गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रवि किशन ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की है। इंडी गठबंधन प्रत्याशी काजल निषाद को शिकस्त की। रवि किशन 585834 मत पाए, जबकि काजल निषाद को 482308 लाख मत प्राप्त हुए। इस तरह रवि किशन ने 103526 लाख मतों से जीत हासिल की। 2019 में रवि किशन ने तीन लाख चार हजार मतों से जीत हासिल की थी। बांसगांव लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कमलेश पासवान ने जीत दर्ज की है। इंडी गठबंधन प्रत्याशी सदल प्रसाद को दी शिकस्त। कमलेश को 428364 मत मिले, जबकि सदल को 423824 लाख मत प्राप्त हुए। इस तरह कमलेश ने 4540 मतों से जीत हासिल की है।

महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी ने जीत दर्ज की है। इंडी गठबंधन प्रत्याशी वीरेंद्र चौधरी को दी शिकस्त। पंकज चौधरी को 591319 मत मिले, जबकि वीरेंद्र चौधरी को 555859 लाख मत प्राप्त हुए। इस तरह पंकज चौधरी ने 35451 मतों से जीत हासिल की है। संत कबीर नगर लोकसभा क्षेत्र में इंडी गठबंधन प्रत्याशी लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद ने भाजपा प्रत्याशी प्रवीण निषाद को हराया। पप्पू निषाद को जहां 254310 लाख मत मिले, वहीं प्रवीण निषाद को 184256 लाख मत मिले। ऐसे में पप्पू निषाद ने 70,054 हजार मतों से जीत हासिल कर ली। देवरिया लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी शशांक मणि ने जीत दर्ज की है। इंडी गठबंधन प्रत्याशी अखिलेश प्रताप सिंह को शिकस्त दी। शशांक मणि 504541 मत पाए, जबकि अखिलेश सिंह को 469696 लाख मत प्राप्त हुए। इस तरह शशांक मणि ने 50, 4541 मतों से जीत हासिल की है। डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी जगदंबिका पाल ने जीत दर्ज की है। इंडी गठबंधन प्रत्याशी भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी को शिकस्त दी। जगदंबिका पाल को 463303 लाख मत मिले, जबकि कुशल को 42728 लाख मत प्राप्त हुए। इस तरह जगदंबिका पाल ने 42728 हजार मतों से जीत हासिल की है।

तीसरी बार हरीश द्विवेदी मैदान में थे

कुशीनगर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विजय दुबे ने जीत दर्ज की है। इंडी गठबंधन प्रत्याशी अजय प्रताप सिंह उर्फ पिंटू सैंथवार को शिकस्त दी। विजय दुबे को 152359 लाख मत मिले, जबकि पिंटू को 132115 लाख मत प्राप्त हुए। इस तरह विजय दुबे ने 20244 हजार मतों से जीत हासिल की है। बस्ती लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के हरीश द्विवेदी को इंडी गठबंधन के राम प्रसाद चौधरी ने शिकस्त दी है। तीसरी बार हरीश द्विवेदी मैदान में थे।

चार लोग गश खाकर गिरे और हो गई मौत, गर्मी लगने की आशंका

कानपुर , 04 जून (एजेंसियां)। जानलेवा गर्मी से शहर में अलग-अलग थानाक्षेत्रों में चार लोगों की मौत हो गई। गर्मी लगने से मौत की आशंका जताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की असल वजह स्पष्ट होगी। हरबंशमोहाल के सुतरखाना निवासी राघवेंद्र मिश्रा (50) ज्योतिष थे। परिवार में पत्नी नीलम और दो बच्चे एकाग्र और अमेया हैं। परिजनों ने बताया कि सोमवार शाम वह घर के पास ही गश खाकर गिर गए। अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इसी तरह, दर्शनपुरवा निवासी सुखदेव सिंह (58) नजीराबाद के सुंदरनगर स्थित कार गैराज में काम करते थे। परिजनों ने बताया कि सोमवार शाम गश खाकर गिर पड़े। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उधर, बांदा के बिसंडा बेल्सा निवासी विक्रम (27) हरियाणा में नौकरी करता था।मंगलवार को वह अपने छोटे भाई अमर के साथ गोरखधाम एक्सप्रेस से घर लौट रहा था। रास्ते में विक्रम की तबीयत बिगड़ गई और सेंट्रल स्टेशन पर जीआरपी ने उसे उतारा तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

आज जीतने वाले को बधाई देने का दिन: स्मृति ईरानी

अमेठी, 04 जून (एजेंसियां)। अमेठी में लोकसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी ने मीडिया को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज जीतने वाले को बधाई देने का दिन है। उन्होंने कहा कि यह अमेठी से जुड़े मेरे जीवन के 10 साल बेहद खास रहे हैं। हमने गांव-गांव में जाकर जनता की सेवा की है। उन्होंने कहा कि आज इस मंच पर भाजपा की वो पीढ़ी है जिसने संघर्ष किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया और कहा कि उन्होंने बहुत काम किया। स्मृति ईरानी ने कहा कि वह आगे भी इसी तरह गांव-गांव जाकर अमेठी के लोगों की सेवा करती रहेंगी। उन्होंने अपनी हार पर कहा कि इसका विश्लेषण संगठन करेगा।

एनडीए गठबंधन की जीत

अनुप्रिया पटेल की तीसरी बार जीत पर नपाध्यक्ष ने जताया हर्ष

जनता का जताया आभार

मिर्जापुर, 04 जून (एजेंसियां)। अनुप्रिया पटेल को मिर्जापुर लोकसभा सीट से तीसरी बार सांसद चुने जाने पर नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने बधाई दी। अनुप्रिया पटेल को कुल 470866 मत मिला और उन्होंने अपने नजदीकी प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को 37580 मतों से हराकर जीत दर्ज की है। नपाध्यक्ष ने इस जीत पर कहा कि देश में फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है। एनडीए गठबंधन को देश की जनता का तीसरी बार बहुमत मिला है। भाजपा देश की सबसे

बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसके साथ ही मिर्जापुर की एनडीए प्रत्याशी अनुप्रिया पटेल को भी जनता का आशीर्वाद मिला है। उन्होंने तीसरी बार जीत दर्ज कर एक नया इतिहास कायम किया है। उनके सांसद बनने से मिर्जापुर के विकास को और गति मिलेगी और उनके द्वारा जनता से किए गए वादों को निश्चित रूप से पूरा करेंगी। नगर के सभी वर्ग के लोगों ने खुलकर अनुप्रिया पटेल को वोट किया है। भाजपा के तमाम कार्यकर्ताओ, पदाधिकारियों एवं मेरे द्वारा घर घर संपर्क कर एनडीए प्रत्याशी को वोट करने की अपील की थी। मिर्जापुर का जनादेश फिर से अनुप्रिया पटेल को मिला है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विकास नारे के साथ देश में फिर से विकास गंगा की बहेगी।

करण भूषण शरण सिंह ने 1 लाख 48 हजार 843 मतों से जीत दर्ज की

कैसरजंग, 04 जून (एजेंसियां)। कैसरगंज व गोंडा लोकसभा सीट से इस बार दो बड़े सियासी घरानों के नई पीढ़ियों की परीक्षा थी। कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र से हैट्रिक लगाने वाले मंडल के कद्दावर नेता बृजभूषण शरण सिंह की जगह अब कैसरगंज की विरासत उनके बेटे करण भूषण सिंह के जिम्मे होगी। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री बेनी प्रसाद वर्मा की तीसरी पीढ़ी को पहले चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। करण भूषण शरण सिंह ने कैसरगंज लोकसभा सीट पर एक लाख 48 हजार 843 मतों से जीत दर्ज की। करण भूषण को 5 लाख 71 हजार 263 मत मिले। जबकि इस सीट पर सपा प्रत्याशी भगत राम को 4 लाख 22 हजार 420 मत मिले।

कैसरगंज लोकसभा सीट पर पिछले 28 सालों से दो ही राजनीतिक घरानों का दबदबा कायम रहा है। वर्ष 1996 से 2004 तक लगातार चार बार बेनी प्रसाद वर्मा यहां से सांसद रहे। उसके बाद वर्ष 2009 से 2024 तक बृजभूषण शरण सिंह यहां से सांसद रहे। लेकिन वर्ष 2024 में इन दोनों घराने से पहली बार अपने अगली पीढ़ी को चुनाव मैदान में उतारकर राजनीतिक विरासत आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया। बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह पहली बार सियासी पारी शुरू करते हुए कैसरगंज लोकसभा सीट से चुनाव लड़े और वह विजयी भी हुए। लेकिन बेनी प्रसाद वर्मा के बेटे व पूर्व मंत्री राकेश वर्मा की बेटी श्रेया वर्मा गोंडा लोकसभा सीट से अपने जीवन का पहला चुनाव हार गईं। उन्हें भाजपा के कीर्तिवर्धन सिंह ने शिकस्त दी। इस प्रकार बृजभूषण अपनी अगली पीढ़ी को राजनीतिक विरासत सौंपने में सफल हो गए।

विविध
बुधवार, 05 जून, 2024
बेंगलूरू
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

दुपट्टे के साथ पहनें डबल पल्लू की साड़ी...

फैशन में आए दिन कुछ न कुछ बदलाव आते रहते हैं, लेकिन साड़ी पहनने का फैशन कभी भी पुराना नहीं होता बल्कि उसके साथ किए गए बदलाव से आप अपने लुक को और भी अधिक स्टाइलिश और ड्रेसिंग बना सकती हैं। आप अगर अपनी साड़ी को दुपट्टे के साथ डबल पल्लू के साथ पहनती हैं तो इससे आपका लुक काफी आकर्षक बनता है। इसे घर पर पहनने के लिए आपको अपनी साड़ी से मिलते झुलते रंग के दुपट्टे की जरूरत नहीं है। आप पेयरप करने का नया तरीका भी अपना सकती हैं। यह आपकी साड़ी को दिलचस्प और नया लुक देगा। आप अपने दुपट्टे को अलग-अलग तरीके से ड्रेप कर सकती हैं। इसे आप गर्दन पर स्कार्फ के तौर पर भी पहन सकती हैं या फिर आप गर्दन पर ड्रेप करके इस दुपट्टे को दोनों कंधों से पीछे की तरफ कर सकती हैं। दुपट्टे को आप कमर के एक तरफ से टक इन कर लहंगे की तरह भी पहन सकती हैं। इस साड़ी को कॉम्प्लीमेंट करता हुआ ही दुपट्टा चुनें। अगर आपकी साड़ी प्लेन हो और दुपट्टा हल्का सा हैवी तो आप भीड़ में सबसे अलग दिखती हैं। इस दुपट्टा साड़ी को एक बार पहन कर अपने लुक को सबसे अलग बनाएं।

गर्मी में प्लेन साड़ी...

अगर आप डेली रूटीन में साड़ी ही वियर करती हैं तो गर्मियों में हल्के-छोटे प्रिंट्स या प्लेन साड़ी का चुनाव करें। क्योंकि मौसम में काफी बदलाव आ रहा है। ऐसे में छोटे प्रिंटस और प्लेन साड़ी काफी स्टाइलिश लगती हैं जो आपको एलीगेंट-स्टनिंग लुक देती है। कुछ लोगों को कॉटन फैब्रिक साड़ियां खूब पसंद आती है। यह काफी आरामदायक होती हैं। गर्मियों के हिसाब से यह बेस्ट रहती हैं लेकिन अगर आप पार्टी फंक्शन या शादी पर जाती हैं तो खुद को थोड़ा हटके और इम्प्रैसिव लुक देने की जरूरत होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि आप भड़कीली-चमकीली कपड़ों को चयन करें जो आपको पहनने में भी कंफर्टेबल न हो। प्लेन साड़ी को भी आप स्टाइलिश तरीके से वियर करके पार्टी लुक दे सकते हैं। बहुत सारे लोग ऐसे हैं जो साड़ी के लिए डार्क कलर्स का चयन करते हैं लेकिन लाइट कलर भी बहुत अच्छे लगते हैं। हल्के रंग को लेकर ज्यादातर लोगों की सोच यह है कि ये रंग काफी बोरिंग हैं। गर्मियों के मौसम में हल्के फ्लोरल कलर ज्यादा खूबसूरत लगते हैं ऐसे कपड़ों में गर्मी का एहसास कम होता है।

"गुजरे हुए वक्त की बात करें तो बीता हुआ पल कभी दुबारा लौटकर नहीं आता पर फैशन का दौर समय के अनुसार बदलता रहता है। आज के समय में एकबार फिर ट्रेंड में है बेलबॉटम जो कभी पुरानी अभिनेत्रियों के बीच देखा जाता था। 70 के दशक के समय का यह फैशन अब बाजार में काफी बड़े रूप में देखने को मिल रहा है। जीँस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राय किए होंगे। लेकिन अब उनसे आपका दिल भर गया हो तो बैलबॉटम को ट्राई करें। बेलबॉटम अब आपको जींस के फैब्रिक में भी मिलेंगे, जिससे आपको रिफ्रेश फील होगा।"

फिर लौट आए बेलबॉटम...

70वीं सदी के गाने आपको याद ही होगें जिनमें हीरोइन लंबा सा बेलबॉटम पहनती थी। दोबारा से बेलबॉटम फैशन इन हैं। सेलिब्रिटी से लेकर कॉलेज गोइंग गर्ल्स और महिलाएं भी इसे पहनना पसंद कर रही हैं। फैशन डिजाइनर्स के अनुसार पुराना फैशन ही लेटेस्ट फैशन बनकर आता है, बस उसके पैटर्न , डिजाइन, कलर्स में ही अंतर हो जाता है। वैसे इस साल ये लेटेस्ट ट्रेंड के रूप में उभर रहा है। बैलबॉटम की खास बात यह है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। स्लिम बॉडी पर ये काफी अच्छा दिखता है, लेकिन हैवी वेट वाले लोगों पर भी ये काफी सूट होगा। इसलिए हर फिगर की महिलाएं इसे बिना संकोच ट्राय कर सकती हैं। बेलबॉटम को पहनने से शरीर का लुक काफी अच्छा दिखने लगता है। इसे अगर छोटे कद वाले लोग पहनते हैं तो उनकी लंबाई काफी अच्छी दिखती है।

फ्लो वाइट शर्ट के साथ

बेलबॉटम जींस का प्रयोग करते समय इसके साथ मैच करते हुए टॉप या शर्ट को पहनें या फिर इसके साथ और अच्छा लुक पाने के लिए आप फ्लो वाइट शर्ट को पहनकर आप एकदम परफेक्ट लुक पा सकती हैं। इसको पहनकर आप अपने दोस्तों के साथ फ्राइडे लुक या फिर शनिवार की ऑफिस पार्टी का मजा ले सकती हैं।

फुटवेयर में चंकी हील्स

बेलबॉटम जींस टाइट न होकर नीचे की ओर फैली हुई होती है। इसलिए इसके साथ हाई हील्स काफी अच्छा लुक देती हैं। इसके अलावा बेलबॉटम जींस के साथ पहनने के लिये आप अलग-अलग स्टाइल की हील्स के फुटवेयर ले सकती हैं।

कैजुअल बेलबॉटम पैंट्स

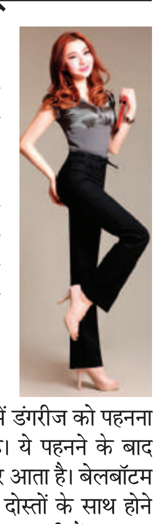

बेलबॉटम जींस की ऐसी डिजाइन जो काफी समय से चली आ रही है जिसे पहन कर लोग कंफर्टेबल फील तो करते ही हैं, साथ ही इसका लुक भी काफी अच्छा नजर आता है। इसके लिये आपको बाजार में एक से एक डिजाइन के कैजुअल बेलबॉटम पैंट्स आसानी से मिल सकते हैं। जिन्हें पहनकर आप ऑफिस या किसी मीटिंग में आराम से जा सकती हैं।

बेल-बॉटम डंगरीज

जींस में मिलने वाले डिजाइनों में डंगरीज को पहनना बहुत ज्यादा पसंद किया जाता है। ये पहनने के बाद आपके लुक में और अच्छा निखार आता है। बेलबॉटम डंगरीज को पहनकर आप अपने दोस्तों के साथ होने वाली पार्टी के दौरान अच्छा लुक पा सकती हैं।

क्रॉप टॉप से परफेक्ट लुक

शॉपिंग पर जाने का प्लान हो तो आप अपनी बेलबॉटम जींस को पहन सकती हैं। यदि आप अपनी बॉडी को परफेक्ट लुक देना चाहती हैं तो बेलबॉटम पैंट्स के साथ क्रॉप टॉप काफी अच्छा लुक प्रदान करेगा। इसके अलावा आप मल्टी कलर के बेलबॉटम का चयन कर इसमें प्लेन टॉप को मैच कर पहन सकती हैं।

स्पोर्टी लुक के लिए

व्हाइट स्नीकर्स और टेनिस शूज आजकल फैशन में हैं। अगर आप पिकनिक पर जाने के लिए या फिर स्पोर्ट लुक की तैयारी कर रही हैं तो इन्हें बेलबॉटम जींस पर एक बार ट्राई जरूर करें।

क्यों पहनें बेलबॉटम

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे। लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

सॉफ्ट और हलके: जींस का वजन होता है। लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े के होते हैं आपको उन्हें पहनने में अच्छा लगेगा। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हेवी नहीं होते हैं।

हाईट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाईट वाले की लंबाई भी अचछी लगती है क्योंकि टांगे लंबी जान पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप बेलबॉटम पहनें तो शायद कुछ मजा आएं।

फीगर अच्छा लगता है: बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर अच्छी तरह समझ में आता है और बदन सुंदर लगता है।

पतला दिखना लगना: बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

इस मौसम में कूल ड्रेसेज...

आज के समय की युवा पीढ़ी फंक्शन और पार्टी के दौरान लेटेस्ट कपड़ों को पहनना ज्यादा पसंद करती है, क्योंकि इससे लुक तो सुंदर दिखता ही है साथ ही वो लोगों के बीच अलग और खास भी दिखाई देते हैं। इसी के चलते हर कोई अपने आप को कुछ खास और अलग अंदाज में दिखाना ही पसंद करता है और अपने कपड़ों का चयन आज की मॉर्डन स्टाइल को देखते हुए करता है। इन दिनों बाजार में गर्मी के मौसम के अनुसार ड्रेस छाए हुए हैं। सुंदर व आकर्षक लुक में मिल रहे लॉन्ग टॉप्स, शॉर्ट मिडी और लाइक्रा ड्रेस को काफी पसंद किया जा रहा है। इसके साथ ही सिल्वर और गोल्डन कलर से बनी ड्रेसेज को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। तो आज आपको बताते हैं कुछ ऐसी ही लेटेस्ट ड्रेसेज के बारे में।

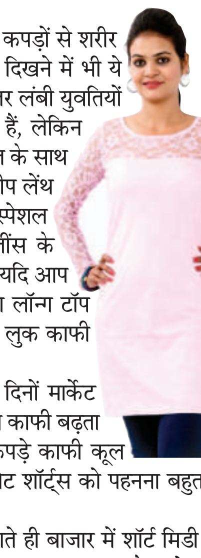

लॉन्ग टॉप: इस प्रकार के कपड़ों से शरीर की खूबसूरती तो बढ़ती ही है, दिखने में भी ये बहुत सुंदर लगते हैं। ये ज्यादातर लंबी युवतियों पर ज्यादा ही खूबसूरत लगते हैं, लेकिन इसे सभी युवतियां खास अंदाज के साथ पहन सकती हैं। ये हमेशा ही डीप लेंथ का होता है। आप इसे किसी स्पेशल प्रोग्राम में लेगिंग्स या फिर जींस के साथ मैच कर पहन सकती हैं। यदि आप मलमल कॉटन से बनाया गया लॉन्ग टॉप पहनती हैं तो ये रात में इसका लुक काफी अच्छा दिखता है।

मक्खी नेट शॉर्ट्स: इन दिनों मार्केट में मक्खी नेट शॉर्ट्स का चलन काफी बढ़ता दिख रहा है। इस प्रकार के कपड़े काफी कूल और डिफरेंट दिखाई देते हैं। नेट शॉर्ट्स को पहनना बहुत ही अरामदायक है।

शॉर्ट मिडी: गर्मियों के आते ही बाजार में शॉर्ट मिडी का फैशन काफी तेजी के साथ बढ़ता नजर आता है। इसे आप लेगिंग्स या फिर वन पीस ड्रेस के साथ भी पहन सकती हैं। अगर आप इसे जींस, लेगिंग्स या जेगिंग्स के साथ पहनती हैं तो ये आपको ज्यादा आरामदायक लगेगा।

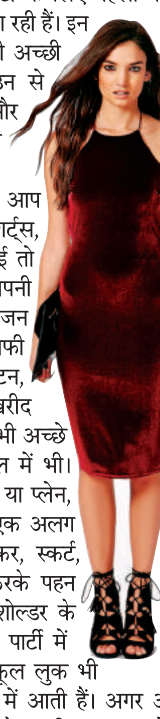

वेल्वेट ड्रेस: आजकल हर पार्टी के लिए पहली पसंद लाइक्रा और वेलवेट ड्रेसेस बनती जा रही हैं। इन पर फ्रिल पैटर्न में डिजाइन बहुत ही अच्छी लगती है। बाजार में इवनिंग गाउन से लेकर वन पीस ड्रेसेस, स्कर्ट्स और ज्यादातर ड्रेसेस फ्रिल पैटर्न में भी उपलब्ध हैं।

डिफरेंट स्टाइल टॉप्स: अगर आप समर सीजन में लांग कुर्ते, टी-शर्ट्स, सैंडो, टूनिक्स पहन कर बोर हो गई तो इस बार डिफरैंट स्टाइल टॉप्स को अपनी वॉर्डरोब में शामिल करें। समर सीजन ऑफ शोल्डर टॉप में युवतियां काफी अट्रैक्टिव लगती हैं। इसे आप कॉटन, शिफॉन, क्रेप, जार्जट फैब्रिक में खरीद सकते हैं। वैसे तो यह टॉप प्लेन में भी अच्छे लगते हैं और फ्लेयरी फ्रील स्टाइल में भी। कलर लाइट हो या डार्क, प्रिंटेड हो या प्लेन, ऑफ शोल्डर टॉप की अपनी ही एक अलग ग्रैस होती है। इन्हें आप शॉर्ट निकर, स्कर्ट, डेनिम किसी के साथ भी मैच करके पहन सकते हैं लेकिन इन दिनों ऑफ शोल्डर के साथ फ्लेयर्ड पेंट ट्रैंड में हैं। समर पार्टी में आपको स्टाइलिश के साथ-साथ कूल लुक भी चाहिए तो ऐसी ड्रैस बेस्ट ऑप्शन में आती हैं। अगर आप किसी बीच के आस-पास किसी वैकेशन ट्रिप पर जा रहे हैं तो तो ऑफ शोल्डर क्रॉप टॉप के साथ हाई वेस्ट फ्लेयर्ड पेंट आपको एक दम परफैक्ट बीच स्टाइल लुक देती हैं। इसके साथ आप बालों को लूज भी छोड़ सकते हैं और रफ-टफ लुक में हाई बन भी कर सकते हैं।

आपको बीमार बना रहा है प्लास्टिक

पहले के जमाने में लोग पीतल या तांबे के बर्तनों में पानी पिया करते थे। उनका मानना था कि इससे बीमारियां उनसे कोसों दूर भाग जाती हैं। लेकिन आज उन तांबे और पीतल के बर्तनों की जगह प्लास्टिक ने ले ली है। खाने के बर्तनों से लेकर पीने के पानी की बोतल तक सभी जगह प्लास्टिक ही प्लास्टिक दिखता है। प्लास्टिक हमारे जीवन में इस कदर घर कर चुका है, जो दिनों-दिन हमें बीमार कर रहा है।

मोटापे को देता है बुलावा

इसका कारण है प्लास्टिक की बनी पानी की बोतलों में प्रयोग होने वाला एक रसायन जोकि हमारे दैनिक जीवन में इस्तेमाल किए जाने वाली बोतल, धातु युक्त भोजन के डिब्बे और थर्मल रसीद पेपर जैसे उत्पादों में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला रसायन है। शोध में पाया गया कि प्लास्टिक की बोतल के पानी के प्रयोग से बच्चों के शरीर में फैट सैल्स काफी जल्दी बढ़ जाता हैं, जिससे लंबे समय तक वे मोटापे का शिकार रहते हैं।

इन बीमारियों को देता है जन्म

खास बात ये है कि यह अस्थमा, टैंशन, डिप्रैशन, डायबिटीज और लड़कियों के जल्दी किशोर होने जैसे कारणों के लिए भी इस रसायन को जिम्मेदार ठहराया गया है, जिनका उपयोग प्लास्टिक में होता है। इसलिए अगर आप अपने शरीर को स्वस्थ्य रखना चाहते हैं, तो प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचें। आप गर्म खाने और पीने की चीजों को रखने के लिए स्टील के बर्तन और ग्लास का उपयोग करें। आप जितनी जल्दी प्लास्टिक को खुद से दूर करेंगे, उतनी ही जल्दी आप बीमारियों को अलविदा कहेंगे।

गर्भवती महिलाओं के लिए खतरा

अगर आप अभी भी प्लास्टिक की बोतलों में पानी पीते हैं, तो सावधान हो जाइए। क्योंकि प्लास्टिक के इस्तेमाल को लेकर अब एक नया खतरा सामने आया है। प्लास्टिक को लेकर हुए एक अध्ययन में पाया गया है कि जो गर्भवती महिलाएं बोतल के पानी का इस्तेमाल करती हैं या हमेशा बोतल के पानी का सेवन करती हैं, उनके बच्चों में मोटापे का खतरा बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है।

युवाओं पर भी छाया हृदय रोगों का साया

एक अध्ययन चौंकाने के लिए काफी है। अध्ययन दर्शाता है कि युवाओं में उच्च रक्तचाप, मोटापा और दिल संबंधी बीमारियों की दर तेजी से बढ़ रही है। खासतौर से महानगरों में रहने वाले युवा इसके चपेट में तेजी से आ रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार महानगरों में रहने वाले युवाओं की गतिहीन जीवनशैली, वसायुक्त भोजन और शराब का बढ़ता सेवन इसके लिए उत्तरदायी है जिसकी वजह से युवाओं में मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह के मामले बढ़ रहे हैं। शोध दर्शाते हैं कि ऐसे मामलों में महानगरीय युवाओं की हालत चिंताजनक है। तेज रफ्तार जिंदगी में आगे बढ़ने की होड़, खान-पान में फास्ट फूड की बहुतायत, धूम्रपान की लत और शराब सेवन की वजह से युवाओं में दिल संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं।

स्ट्रेस से बढ़ा 10 से 15 फीसदी खतरा

काम के दौरान पैदा होने वाला तनाव और थकन तथा बदलती जीवनशैली कोरोनरी हार्ट डिजीज (सीएचडी) का एक बड़ा कारण है। प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ किसी भी कार्य की डेडलाइन्स और दबाव के साथ पैदा होने वाली समस्याएं ही युवाओं को इसके शुरुआती स्तर की ओर धकेल रही हैं। नौकरी के साथ ही इन चीजों की शुरुआत तेजी से होने लगती है, जो चिंता का गहन विषय है। छोटे-छोटे कार्यो में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। वर्क कल्चर तेजी से बदला है। इसकी वजह से हृदय रोग संबंधी शिकायतों का खतरा 10-15 फीसदी बढ़ गया है।

आज बच्चों को बचपन से ही गतिहीन जीवनशैली का सामना करना पड़ रहा है। व्यायाम के लिए समय नहीं है, जिससे आनुवांशिक विकार बढ़ रहे हैं। साथ में तेजी से बदलता खानपान, वसा की कमी आदि कारणों के चलते ही युवाओं में दिल की बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं। हमारा आहार, श्रमहीन जीवन व स्ट्रेस जैसी चीजें हार्ट अटैक के रूप में सामने आती हैं। लम्बे समय तक तनाव में रहने या तनावपूर्ण कार्यस्थितियों में काम करने के कारण एड्रिनल और कोर्टिसोल जैसे हार्मोन्स का स्तर बढ़ जाता है और इससे ब्लडप्रेशर बढ़ने, हृदय की रक्त नलियों में रक्त के थक्के बनने और दिल के दौरे पड़ने के खतरे बढ़ जाते हैं।

दिल की सलामती के लिए

- कम-से-कम रोज 45 मिनट तक ब्रिस्क वॉक करें यानी तेज चलें। डाइट पर कंट्रोल रखें।
- खाने में ऐसा तेल इस्तेमाल करें जो जमे नहीं। इसके नसों में जमने से खून के प्रवाह में रुकावट आती है। ऑलिव ऑयल व सफोला में कम कोलेस्ट्रॉल होता है।
- सिगरेट पीने वालों में हार्ट अटैक के चांस ज्यादा होते हैं। नियमित योग करना और ध्यान लगाना चाहिए। इससे नसें रिलैक्स हो जाती हैं और हृदय को कम नुकसान पहुंचता है। जिनके परिवार में हृदय रोग का इतिहास रहा हो उन्हें अपना पूरा चेकअप कराते रहना चाहिए।
- हृदय रोगियों के लिए लाफिंग थेरेपी भी कारगर साबित होती है क्योंकि हंसने से अन्य अंगों के साथ हृदय की भी कसरत होती है।

ध्यान दें: डायबिटीज के मरीजों में एंजाइना का कोई लक्षण प्रकट नहीं होता। शरीर की ओर से कोई वार्निंग नहीं मिलती। उनकी नसें डायबिटीज के कारण सुन्न हो जाती हैं। ऐसे लोगों को हमेशा अपना चेकअप कराना चाहिए।

किसको खतरा अधिक

ऐसे युवाओं में जिनके माता-पिता को दिल की समस्या रही हो उनमें यह समस्या छोटी आयु में ही उभरने की संभावना रह सकती है। यानी यदि 30 साल की उम्र के बाद मेडिकल तौर पर इसकी आशंका जताई गई है तो ऐसे युवाओं को 20 साल की उम्र में भी यह समस्या हो सकती है।

ब्लड प्रेशर

130/85 से ज्यादा होना ठीक नहीं। खून में गाढ़ापन आने के कारण हृदय की धमनियों में थक्के जमने से हार्ट की समस्या बढ़ती है। बिगड़ी हुई जीवनशैली के कारण लोग तनावग्रस्त हो जाते हैं और तनाव से तुरंत निजात पाने के लिए स्मोकिंग और एल्कोहल का सहारा लेते हैं। धीरे-धीरे ब्लड प्रेशर गड़बड़ाने के बाद हृदय संबंधी बीमारियां जन्म ले लेती हैं और पता नहीं चलता।

लाइफ स्टाइल से बढ़ा, हाई रिस्क फैक्टर

- दिल संबंधी बीमारियों के मामले में भारत नंबर एक पर है, जिसकी 10 फीसदी आबादी दिल के रोगों से ग्रस्त है जबकि यूरोप और अमेरिका दूसरे स्थान (7 फीसदी ग्रस्त) पर हैं और चीन में यह दर 4 फीसदी है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 2015 तक भारत में हृदय संबंधी बीमारियां सबसे बड़ी बीमारी के रूप में सामने आने वाली है।
- भारत में 5 करोड़ लोग दिल संबंधी बीमारियों से ग्रस्त हैं और इस वर्ष के अंत तक यह आंकड़ा दोगुना हो सकता है।
- युवा कामकाजी लोगों में यह शिकायत सबसे अधिक पाई जा रही है यानी 10 में से एक में और जिनकी औसत आयु है 30 वर्ष।
- देश में युवाओं में हार्ट अटैक की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जो वैश्विक दर के मुकाबले 10 फीसदी ज्यादा है। ऐसे मामलों की शुरुआत अब 20 साल के युवाओं में भी होने के आसार हैं।
- भारत में होने वाली 10 मौतों में से 1 हार्ट अटैक की वजह से हो रही है।
- पिछले एक दशक में खासतौर से युवा कामकाजी लोगों में सीएडी की दर 17.5 से 35 फीसदी की ओर तेजी से बढ़ी है यानी यह दोगुनी रफ्तार से बढ़ रही है।
- नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के मुताबिक 13 फीसदी महिलाओं और 9 फीसदी पुरुष मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं। कमर की चौड़ाई के साथ मेटाबॉलिक रोग बढ़ने लगता है इसलिए ध्यान रखें कि शरीर में पाए जाने वाले सेल्स हमेशा ऊर्जा प्रदान करने वाले नहीं होते।

धूम्रपान की धुन सवार

आज के कई युवाओं में धूम्रपान की धुन सवार होती दिखती है। उनके लिए यह अब एक फैशन स्टेटमेंट बन गया है। एक तल के रूप में धूम्रपान के बुरे प्रभाव न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर भी दर्ज किए गए हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनियाभर में करीब 1.1 बिलियन लोग धूम्रपान करते हैं, जिसमें एक-तिहाई 16 साल की उम्र के हैं। धूम्रपान के दुष्प्रभाव के बारे में डॉक्टर कहते हैं, पेशेवर लोग धूम्रपान इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे उनका तनाव दूर होता है, लेकिन वह उस तथ्य कि अनदेखी कर रहे हैं, जिससे सामने आया है कि यह उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। सिगरेट में निकोटिन और टार जैसे हानिकारक तत्व होते हैं और कार्बन मोनोआक्साइड दिल के तबाह कर देने के लिए काफी है।

क्या कहता है सर्वे

दस-बारह वर्ष पूर्व तक लोग यह सोचते थे कि हिन्दुस्तान में हृदय रोग यानी हार्ट की नलियों में रुकावट की समस्या पूरी दुनिया की तुलना में कम है। पर तमाम अध्ययनों और शोधों में यह पता चला है कि पश्चिमी मुल्कों की तुलना में भारत में 2-3 प्रतिशत ज्यादा लोग हृदय रोगों से पीड़ित हैं। निस्संदेह यह बहुत चिंता का विषय है। वास्तव में भारतवासियों में कोरोनरी हृदय संबंधी रोग की दर खासतौर से युवाओं में, पश्चिमी देशों के मुकाबले तकरीबन तीन गुना ज्यादा पाई जाने लगी है।

बीमारी बढ़ती है स्टेप बाई स्टेप

शहरी लोगों में शारीरिक श्रम की आदत कम पड़ती दिख रही है। अधिकांश लोग गाड़ी पर चलते हैं, बिल्डिंगों में लिफ्ट लगी हैं। पैदल चलना-फिरना तो लगभग है ही नहीं। अक्सर लोग समझ नहीं पाते कि उन्हें हृदय रोग है। वे इसे गैस बनने या किसी अन्य समस्या के रूप में ही देखते हैं, लेकिन यह जानने के लिए कि कहीं कोई समस्या तो नहीं आ रही, इसे तीन रूपों में समझा जा सकता है।

स्टेप-1: इसमें हृदय रोग की शुरुआत तो हो गई है, पर रोगी को पता नहीं चला। उसे कोई नुकसान भी नहीं हुआ।

स्टेप-2: कोई काम करते वक्त झुंझलाहट हो, गुस्सा आए या भाग-दौड़ करने पर छाती पर दबाव व जलन महसूस हो, तो यह एंजाइना हो सकता है। जब कभी ऐसे लक्षण महसूस हों तो सचेत हो जाएं और फौरन चेकअप कराएं।

स्टेप-3: यह सबसे खतरनाक है और हार्ट अटैक के रूप में सामने आता है। इसमें मरीज को पता ही नहीं होता कि एंजाइना का कारण था या पता होने पर भी उसने अनदेखा कर दिया था। ऐसे में हार्ट अटैक का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ जाता है जिसमें आदमी की जान भी जा सकती है। इसमें 10 प्रतिशत मामले अस्पताल भी ही नहीं पहुंच पाते। इसलिए बहुत सावधान रहना चाहिए। यदि छाती में दर्द हो रहा है तो अस्पताल जाने में देर न करें।

संपादकीय

अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के परिणाम का संदेश

कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के नेता जिस समय चुनाव आयोग सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास का वातावरण बनानेवाले बयान दे रहे हैं, तब भाजपा के पक्ष में जनता के विश्वास की झलक अरुणाचल प्रदेश के विधानसभा परिणामों में दिखायी देती है। लोकसभा चुनाव के परिणाम आज आएंगे, उनकी भी एक झलक एग्जिट पोल में हम देख चुके हैं। इसी बीच लोकसभा चुनाव के साथ ही सम्पन्न हुए दो राज्यों- अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनाव के परिणाम रविवार को आए। ये परिणाम भाजपा के पक्ष में बने वातावरण के गवाह तो है हीं, कई मुद्दों पर विपक्ष को भी आईना दिखाते हैं। 'एक देश-एक चुनाव' के विचार का विरोध करनेवाले विपक्ष को इन परिणामों से समझना चाहिए कि जनता अपने मताधिकार का उपयोग करने में बहुत समझदार है। उसे पता है कि राज्य के मुद्दे क्या हैं और केंद्र सरकार के मुद्दे क्या हैं? राज्य में उसकी अपेक्षाओं को कौन पूरा कर सकता है और राष्ट्रीय स्तर पर देश को कौन संभाल सकता है। अरुणाचल प्रदेश में अवश्य ही जनता ने इतिहास रचते हुए तीसरी बार भाजपा को जनादेश दिया है। 60 में से 46 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है, जिनमें से 10 सीट पर भाजपा के प्रत्याशी निर्विरोध जीते हैं। वहीं, कांग्रेस के हिस्से में केवल 1 सीट ही आई है। परंतु, सिक्किम में लोकसभा चुनाव की लहर का विधानसभा चुनाव पर कोई असर नहीं दिख रहा है। यहाँ भाजपा अपना खाता भी नहीं खोल सकी है। यहाँ एसकेएम ने एकतरफा जीत दर्ज की है। उसने 32 में से 31 सीट जीतकर इतिहास रचा है। राष्ट्रीय नेता के प्रभाव से भयभीत विपक्ष को इस बात का विश्लेषण करना चाहिए कि जनता ने विधानसभा और लोकसभा में किस आधार पर अलग-अलग दृष्टिकोण से मतदान किया। वहीं, कांग्रेस को चाहिए कि वह चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं पर संदेह करने की जगह आत्मचिंतन करे। चुनाव आयोग ने भी सोमवार को कांग्रेस के आचरण की तीखी आलोचना की है। दरअसल, कांग्रेस की ओर से एक प्रतिनिधि मंडल आयोग के पास कुछ अनावश्यक आपत्तियां लेकर पहुँचा था और कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया था कि गृहमंत्री अमित शाह ने देश के 150 से अधिक कलेक्टरों को फोन किया है। अर्थात्‌ चुनाव में हस्तक्षेप के लिए गृहमंत्री की ओर से कलेक्टरों को फोन गया है। यह सीधेतौर पर चुनाव आयोग और भारतीय निर्वाचन प्रणाली के प्रति जनता के मन में अविश्वास निर्मित करने का हथकंडा है। चुनाव आयोग ने इस मनगढ़ंत आरोप के प्रमाण कांग्रेस से माँगे हैं। स्वाभाविक ही है कि कांग्रेस के पास इसके कोई प्रमाण नहीं होंगे क्योंकि ऐसा कुछ हुआ ही नहीं है। कांग्रेस की स्थिति ऐसी हो गई है कि वह आरोप लगाकर भाग जाती है। भाजपा ने उचित ही माँग की है कि चुनाव आयोग को झूठे आरोप लगानेवाले नेताओं एवं दलों के खिलाफ सख्त कदम उठाना चाहिए। अन्यथा विपक्षी दल इसी प्रकार से संवैधानिक व्यवस्था को लक्षित करते रहेंगे। यह भी कहा जा सकता है कि अपनी नाकामी को छुपाने एवं कांग्रेस की दुर्गति के दोषियों को आड़ देने के लिए कांग्रेस के नेताओं की ओर से चुनाव आयोग को बार-बार निशाने पर लिया जा रहा है। यदि पराजय की निष्पक्ष जाँच होगी, तब चुनाव की कमान संभालनेवाले बड़े नेताओं की कुशलता एवं नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े होंगे। परंतु इस प्रकार के हथकंडों से उन सवालों से तो बचा जा सकता है लेकिन पार्टी की स्थिति को नहीं सुधारा जा सकता और न ही जनता के विश्वास को अर्जित किया जा सकता है।

लोकसभा चुनाव के परिणाम आज आएंगे, उनकी भी एक झलक एग्जिट पोल में हम देख चुके हैं। इसी बीच लोकसभा चुनाव के साथ ही सम्पन्न हुए दो राज्यों- अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनाव के परिणाम रविवार को आए। ये परिणाम भाजपा के पक्ष में बने वातावरण के गवाह तो है हीं, कई मुद्दों पर विपक्ष को भी आईना दिखाते हैं। 'एक देश-एक चुनाव' के विचार का विरोध करनेवाले विपक्ष को इन परिणामों से समझना चाहिए कि जनता अपने मताधिकार का उपयोग करने में बहुत समझदार है। उसे पता है कि राज्य के मुद्दे क्या हैं और केंद्र सरकार के मुद्दे क्या हैं? राज्य में उसकी अपेक्षाओं को कौन पूरा कर सकता है और राष्ट्रीय स्तर पर देश को कौन संभाल सकता है। अरुणाचल प्रदेश में अवश्य ही जनता ने इतिहास रचते हुए तीसरी बार भाजपा को जनादेश दिया है। 60 में से 46 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है, जिनमें से 10 सीट पर भाजपा के प्रत्याशी निर्विरोध जीते हैं। वहीं, कांग्रेस के हिस्से में केवल 1 सीट ही आई है। परंतु, सिक्किम में लोकसभा चुनाव की लहर का विधानसभा चुनाव पर कोई असर नहीं दिख रहा है। यहाँ भाजपा अपना खाता भी नहीं खोल सकी है।

महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की गारंटी सबसे लुभावनी मुफ्तखोरी की स्कीमें बन चुकी हैं

कौन भुगतेगा चुनावी गारंटी का खामियाजा

डा. अश्वनी महाजन

चुनावों में हर वोट महत्वपूर्ण है। इसलिए राजनीतिक दल हर वर्ग को लुभाने की कवायद में लगे हैं। पूर्व में राजनीतिक दल अपने चुनाव घोषणापत्र में चुनाव जीतने पर अपनी प्रस्तावित नीतियों संबंधी घोषणाएं करते रहे हैं, लेकिन पिछले लगभग डेढ़-दो दशक से राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के लिए मुफ्त स्कीमों संबंधी घोषणाएं करने लगे हैं। कभी किसानों के ऋण माफी की घोषणा, तो कभी युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, तो कभी सरकारी नौकरियों का वायदा आदि से शुरुआत हुई।

लोकसभा चुनावों की गर्मी चरम सीमा पर है। चुनावों में हर वोट महत्वपूर्ण है। इसलिए राजनीतिक दल हर वर्ग को लुभाने की कवायद में लगे हैं। पूर्व में राजनीतिक दल अपने चुनाव घोषणापत्र में चुनाव जीतने पर अपनी प्रस्तावित नीतियों संबंधी घोषणाएं करते रहे हैं, लेकिन पिछले लगभग डेढ़-दो दशक से राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के लिए मुफ्त स्कीमों संबंधी घोषणाएं करने लगे हैं। कभी किसानों के ऋण माफी की घोषणा, तो कभी युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, तो कभी सरकारी नौकरियों का वायदा आदि से शुरुआत हुई। लेकिन अब यह वादे, गारंटी का रूप ले चुके हैं। अब मुफ्त बिजली, पानी और महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की गारंटी सबसे लुभावनी मुफ्तखोरी की स्कीमें बन चुकी हैं। हालांकि कुछ स्कीमों के द्वारा जनकल्याण की भावना को समझा जा सकता है, जैसे लिंग असंतुलन को दूर करने और महिलाओं में साक्षरता और शिक्षा को बढ़ाने हेतु लाडली योजना, किसानों की हालत सुधारने के लिए सस्ते इनपुट या उनकी उपज का अधिक मूल्य देने की गारंटी आदि कुछ ऐसी जनकल्याणकारी योजनाएं हैं जिनको न्यायसंगत कहा जा सकता है। लेकिन सभी लोगों को मुफ्त बिजली, पानी या यात्रा के फलस्वरूप सरकारों के बजट बिगड़ सकते हैं या सरकारों पर कर्ज बढ़ सकता है। गारंटियों के संदर्भ में हर राजनीतिक दल दूसरे से बढ़-चढक़र घोषणाएं कर रहा है। लेकिन वोटरों को लुभाने और येन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करने की कवायद में देश के कई राज्य पहले से ही लगातार कर्ज के बोझ में दबते जा रहे हैं और इस कारण जहां वे एक ओर तो अपने वायदे पूरी तरह निभा पाने में असफल हो रहे हैं, साथ ही उन राज्यों का विकास कार्य तथा आवश्यक सरकारी कामकाज तक प्रभावित हो रहे हैं।

अनेक राज्य हंप्रभावित : पंजाब में चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी ने मुफ्त बिजली समेत कई घोषणाएं की। आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद इनमें से कुछ घोषणाओं पर अमल हुआ, लेकिन आज स्थिति यह है कि सरकार पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ तो रहा ही है, उससे भी ज्यादा कर्ज लेने की कवायद चल रही है और केंद्र सरकार पर भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि वो राज्य को पैसा नहीं दे रही। जबकि वास्तविकता यह है कि राज्य सरकारें वोट बटोरने की कवायद में गैर जिम्मेदारी से मुफ्तखोरी की स्कीमें चला रही हैं। इसी प्रकार आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार,

झारखंड आदि में लगातार कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। उधर केंद्र सरकार राज्यों को और अधिक कर्ज लेने देने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि यह 'एफआरबीएम अधिनियम' के खिलाफ है। जिन राज्यों पर मुफ्तखोरी की स्कीमों के कारण कर्ज बढ़ रहा है, वे अपने-अपने राज्य में आवश्यक खर्च करने में सक्षम नहीं हैं। पंजाब में उद्योगों को बिजली इसलिए महंगी मिल रही है क्योंकि पंजाब सरकार लगभग 60 लाख लोगों को मुफ्त बिजली दे रही है। पंजाब में इंफ्रास्ट्रक्चर बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। लंबे समय से विभिन्न सरकारों द्वारा दी जा रही मुफ्तखोरी स्कीमों के चलते पंजाब, जो एक समय देश का सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय वाला राज्य था, वह 19वें स्थान पर खिसक चुका है। लगभग इसी प्रकार के हालात कर्ज में डूबे अन्य राज्यों में भी हैं। 2024 के आम चुनावों में अब तो बात हर साल प्रत्येक लाभार्थी परिवार को एक लाख रुपए देने तक आ गई है। अगर ऐसी पार्टी सत्ता में आती है तो ऐसी योजना का क्रियान्वयन भयावह हो सकता है। गौरतलब है कि 31 मार्च 2023 तक भारत में सरकारों (केंद्र और राज्य) पर कुल कर्ज (उनके द्वारा दी गई गारंटी सहित) 231.7 लाख करोड़ रुपए था, जो मौजूदा कीमतों पर जीडीपी का 85.1 प्रतिशत था। इसमें से केंद्र सरकार का कुल कर्ज जीडीपी के 57.1 प्रतिशत के बराबर है और बाकी राज्य सरकारों (जीडीपी का लगभग 28 प्रतिशत) का है। हमें यह जानना होगा कि राज्य सरकारों के कर्ज का अनुपात पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ रहा है। राज्य सरकारों की गैरजिम्मेदाराना मुफ्तखोरी, सरकारों के समग्र ऋण में वृद्धि के कारण देश को परेशान कर रही है, और समग्र ऋण में यह वृद्धि के कारण अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा रेटिंग घटाने का कारण बन रही है। **क्या गारंटियां राजकोष के संकट को बढ़ा सकती हैं :** समझना होगा कि केंद्र सरकार हो अथवा राज्य सरकारें, किसी भी सरकार के पास खर्च करने हेतु असीमित राजकोष नहीं होता। राजकोष मोटे तौर पर देश के लोगों की कर देने की क्षमता पर निर्भर करता है। लंबे समय से हमारा कर-जीडीपी अनुपात 17 प्रतिशत पर बना हुआ है, जिसमें से केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए करों का अनुपात जीडीपी के लगभग 10 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है। वर्ष 2024-25 में करों की कुल प्राप्ति (निवल) का अनुमान मात्र 26.02 लाख करोड़ रुपए आंका गया है। ऐसे में कुल बजट, जो 47.66 लाख करोड़ रुपए का है, में 26.02 लाख करोड़ रुपए की कर प्राप्तियों और 4 लाख करोड़ रुपए की गैर कर राजस्व प्राप्तियों के बाद शेष राजकोषीय घाटा, जो लगभग 16.85 लाख करोड़ रुपए है, जिसमें से अधिकांश पैसा उधार से प्राप्त होगा। यानी ज्यादा खर्च करने के लिए उधार के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। इसके अलावा यह भी समझना होगा कि अर्थशास्त्रियों का इस बारे में मतैक्य है कि कुल बजट के 75 प्रतिशत से अधिक का खर्च पूर्व निर्धारित मदों पर हो जाता है, जिसमें पूर्व में लिए गए ऋणों के मूल और ब्याज की अदायगी, वेतन और पेंशन, प्रतिरक्षा खर्च, कानून और व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय संबंध, रखरखाव समेत अन्य जरूरी खर्च शामिल हैं। इसके बाद जो बचता है, उसे इंफ्रास्ट्रक्चर, कल्याणकारी योजनाओं, जैसे गरीबों के लिए घर, सार्वजनिक वितरण, मनरेगा, पेयजल, अनुसूचित जाति/जनजाति, महिला, बाल विकास कार्यक्रम, कृषि विकास, औद्योगिक विकास, अल्पसंख्यक आदि के कल्याण के लिए खर्च किया जाता है। जाहिर है कि यदि कांग्रेस द्वारा हाल ही में दी गई हर गरीब परिवार की चिन्हित महिला को 1 लाख रुपए देने की गारंटी को यदि लागू करना पड़ा तो उसका असर यह होगा कि कम से कम 10-12 लाख करोड़ रुपए उसके लिए उपलब्ध कराना होगा। ऐसे में उसका क्या असर होगा, यह समझा जा सकता है। पहला, सीमित कराधान के चलते, अपने निश्चित बजट में सबसे पहली कटौती पूंजीगत व्यय की होगी। यानी इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक विकास, कृषि विकास और अन्य पूंजीगत व्यय को कम किया जाएगा। यदि इतिहास में देखें तो यूपीए के 10 सालों में कुल पूंजीगत व्यय वर्ष 2003-04 में 1.09 लाख करोड़ रुपए से बढक़र वर्ष 2013-14 तक 1.88 लाख करोड़ रुपए तक ही पहुंचा, यानी 72 प्रतिशत की वृद्धि। जबकि एनडीए यानी नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में यह 2023-24 तक 10.01 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, यानी 433 प्रतिशत की वृद्धि।

दृष्टि कोण

उपायः ताकि दूर हो पानी की किल्लत

आर्थिक विकास के इंजन हैं, तो पानी उन्हें चलाने वाला एक बेहद जरूरी ईंधन। बढ़ती आबादी व तेज शहरीकरण ने स्वच्छ जल संसाधनों पर भारी दबाव डाला है। अब महानगरों से निकलने वाले अपशिष्ट या प्रयुक्त जल प्रबंधन (यूज्ड वाटर मैनेजमेंट) को मुख्यधारा में लाना एक आशाजनक विकल्प बन गया है। अभी भारत अपने शहरों से निकले कुल अपशिष्ट जल (वेस्ट वाटर) के सिर्फ 28 प्रतिशत हिस्से का शोधन करता है। 2021 में उपलब्ध शोधित अपशिष्ट जल का दैनिक बाजार मूल्य 63 करोड़ रुपये आंका गया था। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) की हालिया रिपोर्ट ने पहला शहरी प्रयुक्त जल प्रबंधन सूचकांक सामने रखा है। इसके माध्यम से प्रयुक्त जल प्रबंधन के मामले में 10 राज्यों के 503 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के प्रदर्शन का आकलन किया गया है। इन राज्यों में आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और पश्चिम बंगाल शामिल हैं, जहां प्रयुक्त जल के पुनः उपयोग की नीति लागू है। यह सूचकांक पांच विषयों-वित्त, बुनियादी ढांचा, कुशलता, प्रशासन, और आंकड़े व सूचना पर शहरी स्थानीय निकायों की एक तुलनात्मक रैंकिंग करता है। हमारा विश्लेषण बताता है कि शुष्क और अर्ध शुष्क क्षेत्रों के पानी की किल्लत का सामना करने वाले राज्यों ने प्रयुक्त जल प्रबंधन के लिए कुछ ठोस कदम उठाए हैं। इसकी वजह से सूचकांक में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। इनमें हरियाणा शीर्ष पर है। इसके बाद कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान और गुजरात हैं। शीर्ष प्रदर्शन करने वाले हरियाणा और कर्नाटक जैसे राज्य भी पांच अंकों में से

सिर्फ क्रमशः 1.94 व 1.74 अंक ही पा सके। यह दर्शाता है कि पूरे देश में जल सुरक्षा पर उच्च प्राथमिकता के साथ काम करने की आवश्यकता है। शहरी निकायों में अपशिष्ट जल शोधन और उसके पुनः उपयोग की दिशा में पर्याप्त कदम उठाने की जरूरत है। जैसे, सूरत नगर निगम ने 2019 में शोधित अपशिष्ट जल के शोधन और पुनः उपयोग के लिए एक कार्य योजना अपनाई थी, जिसका लक्ष्य 2025 तक 70 प्रतिशत और 2030 तक 100 प्रतिशत पुनः उपयोग स्तर को पाना है। भारत के शहरी स्थानीय निकायों में प्रयुक्त जल प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए कई बातों पर ध्यान दिया जा सकता है। पहला-राज्यस्तरीय व्यापक कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। इस मामले में हरियाणा से सीखा जा सकता है, जिसने 2014 से 2023 तक 73 नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने के लिए 433 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। अभी 10 राज्यों ने ही शोधित प्रयुक्त जल नीति लागू की है। दूसरा- राज्यों को अपनी स्थानीय जरूरतों और मांगों के अनुरूप विशेष उपायों को प्राथमिकता देने की जरूरत है। धान उत्पादक पंजाब ने शोधित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी है। साथ ही कृषि को पुनः उपयोग के प्रमुख क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। सिंचाई के लिए 5,541 हेक्टेयर क्षेत्र तक शोधित अपशिष्ट जल पहुंचाने के लिए 2020 तक 94 करोड़ रुपये की लागत से 47 परियोजनाएं पूरी कर डाली थीं। तीसरा-राज्यों को प्रयुक्त जल प्रबंधन में एक-दूसरे से सीखने के लिए एक प्लेटफॉर्म बनाने की जरूरत है।

यह पहल गुजरात जैसे राज्यों के लिए ज्यादा उपयोगी होगी। यहां के चार शहरी स्थानीय निकाय -सूरत, वडोदरा, राजकोट और जामनगर प्रयुक्त जल प्रबंधन में शीर्ष 10 शहरी निकायों में शामिल हैं, जबकि राज्य पांचवें स्थान पर है, जो राज्य के भीतर विभिन्न शहरी निकायों के प्रदर्शन में अंतर को दिखाता है। शोधित अपशिष्ट जल से व्यापक आर्थिक लाभ की संभावनाएं हैं। उदाहरण के लिए, वर्ष 2021 में उपलब्ध शोधित अपशिष्ट जल को अगर चुनिंदा बागवानी फसलों की सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जाता, तो राष्ट्रीय स्तर पर 966 अरब रुपये का राजस्व पैदा कर सकता था।

कुछ अलग

मीडियाटेशन...

भारतीय मूल की विख्यात साहित्यकार झुम्पा लाहिड़ी अपने एक उपन्यास में कहती हैं कि अगर कोई व्यक्ति तीन पीढियों से एक ही जगह पर रहता आ रहा हो, तो उसका दिमाग आलू जैसा हो जाता है। मुझे उनकी इस उक्ति से सामंजस्य बिठाने में उस समय दिक्कत हो जाती है, जब मैं किसी ऐसे आदमी को देखता हूं जो सालों से यह दावा करता आ रहा हो कि उसने बचपन में चाय बेची थी, घर छोड़ दिया था और सालों हिमालय में तपस्या की। इतना ही नहीं, वह हर स्थान तथा व्यक्ति से नाता जोडने में उसी तरह माहिर हो, जैसे एक कांगड़ी कहावत है, 'जो ननंद का ननंदोई, वह मेरा भी टम्मकटोई।' जाहिर है ऐसा आदमी कभी भी तीन पीढियों से एक जगह पर नहीं रहा होगा। पर झुम्पा लाहिड़ी तीन पीढियों पर आकर रुक गईं। सात पीढियों तक नहीं पहुंची। अगर पहुंचती तो ऐसे आदमी से मिलने पर वह उसे आलू नहीं, रोड़ा या गिट्टी कहतीं। तीन पीढियों से एक ही जगह पर रहने से आदमी के आलू हो जाने की तरह छद्म आध्यात्मिकता के रंग में रंगा आर्यावर्त आज तक अपना बचकानापन छोडने में आलू ही सिद्ध हुआ है। हालांकि समय-समय पर बुद्ध, महावीर, शंकराचार्य, नानक या कबीर जैसे सिद्धों ने प्रयास अवश्य किए हैं। पर इसी कमजोरी का फायदा उठाते हुए आदिकाल से ही हिरण्यकश्यप, रावण, कालनेमि, मारीच, कंस, कृपालु महराज, राम रहीम, आसाराम जैसे लोग हर युग में धर्म और ध्यान के नाम पर लोगों को ठगते आ रहे हैं। 'मेडिटेशन' शब्द फ्रैंच भाषा के 'मेडिटैसिओन' और लैटिन के 'मेडिटेटियो' की एक क्रिया मेडिटरी से लिया गया है। ग्रेजी में मेडिटेशन का अर्थ है 'सोचना, विचार करना या योजना बनाना।' हिंदू और बौद्ध धर्म का ध्यान संस्कृत मूल के ध्याई से आया है, जिसका अर्थ चिंतन या ध्यान करना है। पर केदारनाथ और कन्याकुमारी के प्रथमाक्षर 'क' होने पर कई बार मुझे लगता है कि इन चुनावों में 'म' का सहारा किसी विशेष प्रयोजन से लिया गया है। हर रोज अठारह-अठारह घंटे काम करने वाले फैशनवीर कैमराजीवी को किसी तांत्रिक ने बताया होगा कि विपक्ष के मेनिफेस्टो से मुकाबला करने के लिए आप 'म' शब्द को बार-बार दोहराएं और आपातकाल में 'म' के पूर्ववर्ती अक्षर 'भ' का भी प्रयोग कर सकते हैं। इसलिए 'म' से निकला मंगलसूत्र, मछली, मटन, मजहब, मुसलमान और मुजरे तक पहुंचने के बाद 'भ' से निकले भैंस तक जा पहुंचा। तांत्रिक के 'म' के टोटके से इस बार केदारनाथ का ध्यान 'मेडिटेशन' में बदल गया। पर मेडिटेशन में बैठते समय अगर कान में एक भी मच्छर भिनभिना जाए तो क्रांतिवीर फिल्म के नायक नाना पाटेकर के शब्दों में एक मच्छर आदमी को हिजड़ा बना देता है। इसके बावजूद दस कैमरों और तीन हजार जवानों से घिरे अवतारी सभी चैनलों पर ध्यान का अभिनय करते दिखे। 'लाईट, कैमरा, एक्शन' के बाद आंखों पर चश्मा लगाए अवतारी का मेडिटेशन शुरू हुआ। पर मेरा अनुभव है कि दस दिशाओं में टंके दस कैमरे जब रील बना रहे हों तो मेडिटेशन का 'मीडियाटेशन' में बदलना स्वाभाविक है। हो सकता है कि मीडियाटेशन के समय आंखों पर चश्मा पहनने से दृश्य, दर्शक और दृष्टा का भेद समाप्त हो जाता हो या फिर ऐनक के शीशे में अनुभव स्पष्ट नजर आते हों। पर मुझे अभी तक यह समझ में नहीं आया कि मीडियाटेशन में विश्व गुरू घंटाल एक आंख खुली क्यों रखते हैं? हो सकता है कि मीडियाटेशन में यह देखना जरूरी हो कि सभी कैमरे काम कर रहे हैं या नहीं। या हो सकता है कि सामने लगी स्क्रीन में अवतारी पुरुष अपने को देखने का मोह न छोड़ पाए हों। पर नॉन-बॉयोलॉजिकल आदमी के लिए कुछ भी संभव है।

देश दुनिया से

भारत-चीन के बीच में सीमा संबंधी समझौतों में बदलाव की आवश्यकता

चीन 1996 और 2010 के समझौताओ की शर्तो को बिल्वुल भी नहीं मान रहा है इसलिए अब चीन को साफ-साफ यह बताने का समय आ गया है कि किस प्रकार वह समझौते की शर्तो का उल्लंघन कर रहा है जिसको देखते हुए अब ऐसे समझौते किए जाने चाहिए जिनको चीन वास्तव में सम्मान दे। अभी वुछ समय पहले दिल्ली में प्रसिद्ध जनरल पी एस भगत व्याख्यान माला मेंअरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल टी के परनायक ने संबोधित करते हुए कहा कि चीन के साथ भारत के सीमा संबंधी समझौतो में समय और परिस्थितियों के अनुसार बदलाव की आवश्यकता है। सेवानिवृत्ति से पहले जनरल प्परनायक भारतीय सेना की उत्तरी कमान के जीओ सी-इं- सी रह चुके हैं।

इस सबको देखते हुए उन्होंने महसूस किया है कि चीन 1996 और 2010 के समझौताओ की शर्तो को बिल्वुल भी नहीं मान रहा है इसलिए अब चीन को साफ-साफ यह बताने का समय आ गया है कि किस प्रकार वह समझौते की शर्तो का उल्लंघन कर रहा है जिसको देखते हुए अब ऐसे समझौते किए जाने चाहिए जिनको चीन वास्तव में सम्मान दे। अभी वुछ समय पहले दिल्ली में प्रसिद्ध जनरल पी एस भगत व्याख्यान माला मेंअरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल टी के परनायक ने संबोधित करते हुए कहा कि चीन के साथ भारत के सीमा संबंधी समझौतो में समय और परिस्थितियों के अनुसार बदलाव की आवश्यकता है। सेवानिवृत्ति से पहले जनरल प्परनायक भारतीय सेना की उत्तरी कमान के जीओ सी-इं- सी रह चुके हैं। यह कमान -भारत चीन सीमा की रक्षा करती है। जैसा की सर्वविदित है चीन 1951 से ही भारतीय सीमा में घुसपैठ कर रहा है और अपनी विस्तारवादी नीति कोअपनाते हुए पड़ोसी देशों के क्षेत्रों पर कब्जा कर रहा है। इस नीति के द्वारा चीन ने 16 पड़ोसी देशों की जमीनों पर अवैध कब्जे कर लिए है। 1951 में तिब्बत पर कब्जा करने के बाद चीन ने एक सड़क जी-21 का निर्माण किया जिसके द्वारा उसने चीन के मुख्य भाग को तिब्बत की राजधानी लाहसा से जोड़ा। इस सड़क का काफी हिस्सा लद्दाख के अकसाईंचिन से गुजरता है। परंतु इसकी सूचना भारत सरकार को 1954 में चल सकी इसके बाद भी इसे सार्वजनिक नहीं किया गया। इसके बाद 1954 में फिर भी पंडित नेहरू ने चीन के साथ पंचशील समझौता किया जिसका नारा था हिदी चीनी भाई-भाई। भारत सरकार इस समझौते का अक्षरस पालन करती रही परंतु चीन ने इस समझौते को कभी नहीं माना और इसी ्राम में पहले उसने भारत के आक्साइचिन पर कब्जा किया और उसके बाद 1962 में अचानक भारत पर हमला कर दिया। जिसका भारतीय सेना मुकाबला नहीं कर सकी जिसके कारण चीन की सेना अक्साईंचिन से आगे भारतीय सीमा में अंदर आ गईं। भारत को 1947 में आजादी मिली थी और लंबी गुलामी के बाद भारत सरकार का पूरा ध्यान देश की जनकल्याण योजनाओं की तरफ गया जिससे सेना के विस्तार और उसके आधुनिकरण पर कोईं ध्यान नहीं दिया गया। चीन की घुसपैठ की हरकतों को देखते हुए 1958 में तत्कालीन सेना प्रमूख जनरल थिमैया ने पंडित नेहरू से सेना की तैयारी के लिए संसाधोनो की मांग की जिसको पंडित नेहरू ने पंचशील समझौते की आड़ में ठुकरा दिया। नेहरू के सेना और देश की रक्षा के प्रति इस रवैया को देखते हुए जनरल थीमैया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद चीन की नजर सिक्किम पर टिक गईं और उसने 1967 में सिक्किम पर कब्जा करने के लिए नाथुला पर हमला कर दिया। सिक्किम पर कब्जा करने के बाद चीन की भारत को उसके उत्तर पूवा राज्यों से जोड़ने वाले सिलिगुड़ी कॉरिडोर पर कब्जा करने की योजना थी। परंतु उस समय सेना की सिक्किम में तैनात 17 डिविजन के जीओसी मेजर जनरल सगत सिह थे जिन्होंने अपने अदम साहसऔर दृढ़ निाय से चीनी हमले का मुकाबला किया और चीनियों कोबुरी तरह से पीछे धकेल दिया। हालांकि इसके लिए उन्हें दिल्ली से सहमति नहीं मिली थी परंतु फिर भी उन्होंने चीन की चाल को नाकाम कर दिया। इसी ाम में चीन ने1986 में अरुणाचल प्रदेश के सोम द्रोङ्ग चु नाम की घाटी में हेलीपैड बनाने की कोशिश कीऔर इस कोशिश को भी भारतीय सेना ने जनरल सुंदर जी की कमान में नाकाम किया। चीन की इन हरकतों को देखते हुए दोनों देशों के बीच में शांति स्थापना के लिए बातचीत के दौर शुरू हुएऔर इसके परिणाम स्वरूप 1996 में विश्वास बहाली और सीमा पर शांति विश्वास बहाली के लिए एक समझौता किया गया जिसके अनुसार दोनों देशों के सैनिक सीमाओं के बीच में नोमैंस लैंड यानी सीमाओं के बीच वाली जमीन पर बिना हथियारों के ग्रस्त करेंगे। परंतु जून 2019 में पूरे विश्व ने देखा की किस प्रकार चीन ने इस समझौते की शर्तो को नकारते हुए गलवान में भारतीय सैनिकों पर कटीले तार लगे हुए लाठी डंडों से हमला किया। गलवान क्षेत्र में चीनी सेना वुछ अवैध निर्माण कर रही थी जिसके विवाद को सुलझाने के लिए दोनों सेनाओ की एक मीटिग इस क्षेत्र में निर्धारित की गईं थी। इसके लिएदोनों के दल यहां पर पहुंचे। 1996 के समझौते के अनुसार भारतीय सैनिक बगैर हथियारों के मीटिग स्थल पर पहुंचे परंतु चीनी सैनिक छुपा कर कटीले तार लगे हुए डंडे लेकर आए। मीटिग स्थल पर पहुंचते ही चीनी सैनिकों ने इन लाठी डंडों से भारतीय सैनिकों पर हमला कर दिया। जिसका भारतीय सैनिकों ने वीरता से मुकाबला कियाऔर इस हमले में दोनों देशों के काफी सैनिक मारे गए। 2021 में अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीनी सैनिकों नेएक भारतीय सैनिक टुकड़ी पर इसी प्रकार हमला करने की कोशिश की और इसका भी गलवान की तरह भारतीय सैनिकों ने करारा जवाब दिया।

आप का नजरिया

सेर पर अब सवा सेर

हम जिसे सामान्य मानते या जिस आंख से सियासत को देखते हैं, उससे कहीं अलग देश के ढर्रे में लोकतंत्र का समाधान है। पहली जून को हिमाचल में छह उपचुनाव की कलाबाजियां, मतदान से पूरी हुईं तो अब बिसात पर तीन निर्दलीय विधायक रख दिए गए। बहुप्रतीक्षित लोकतांत्रिक फैसले की वैधता तीन जून को पूरी हो गई जब विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने तीन निर्दलीयों के इस्तीफे स्वीकार कर लिए, यानी लोकसभा परिणामों की आहट में हिमाचल की गलियों में पुनः उपचुनाव की फुसफुसाहट शुरू हो गई। पहले ही तीन निर्दलीयों द्वारा इस्तीफा देना ऐसा आकस्मिक प्रहार था जो प्रदेश के सत्ता पक्ष से बहुत कुछ छीन गया, लेकिन अब इनका मंजूर होना 'सेर पर सवा सेर' होना है, यानी 'तू डाल-डाल, तो मैं पात-पात' जैसा फैसला आगे की सियासत को रगड़ा लगा रहा है। आज फैसले का बड़ा दिन है और ऊंट की हर करवट पर परेशानी का सबब बन सकता है, लेकिन तीन निर्दलीयों की विदाई से विधानसभा गिनती में रिक्तियां सारा खेल बदल सकती हैं। बहरहाल देहरा से होशियार सिंह, हमीरपुर से आशीष शर्मा और नालागढ़ से केएल ठाकुर के विधानसभा से रुखसत होने से प्रदेश की हवाओं में सियासत का नमक फिर हलाल होने के लिए जनता की अदालत में जाएगा। व्यावहारिक रूप से चुनाव परिणामों के बावजूद विधानसभा 65 प्रतिनिधियों की रह जाएगी तथा बहुमत के लिए कांग्रेस को मात्र 33 विधायक चाहिएं। यह कोई अपूर्णीय क्षति नहीं हो सकती और आसानी से सुक्खू सरकार का टिकाऊ अंकगणित प्रभावी हो जाएगा। शुक्र यह कि विधायक डिसक्वालीफाई नहीं हुए, वरना चाल, चरित्र और चेहरे पर कई विराम लग जाते। यह दीगर है कि अब कसरतें पुनः देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ में सत्ता के संघर्ष को कठिन दौर में पहुंचाएंगी। जाहिर है लोकतंत्र कहीं न कहीं बंधक तो जरूर बन रहा है, वरना छह उपचुनाव न होते और अगर होने ही थे तो पूरे के पूरे नौ हो जाते, लेकिन 'बिजलियां तूफानों की हकीकत में रोशनी नहीं होतीं, यह तो दस्तूर है तेरे आंगन में खबर देने का।' हिमाचल में जनादेश के सारे पहलू गड्ड मड्ड से हैं। जो सवा साल पहले सोचा गया, वह आदेश बदल गया। आज के चुनाव परिणाम राजनीति को उसकी हैसियत और नेताओं को उनकी औकात बताएंगे। हिमाचल में लोकसभा की चार सीटों के परिणाम से भी गहरे असर में छह उपचुनाव कहे और सुने जाएंगे। आज चुनाव की कुछ आहुतियां पूर्ण होंगी, लेकिन पूर्णाहुति का मंत्र अभी फूंका जाएगा। प्रदेश की राजनीतिक उथल-पुथल में गोटियां भी कैसी-कैसी कि छह विधायक आज अपना रिपोर्ट बताएंगे, जबकि सिफर कर दिए गए तीन विधायक अब केवल भाजपा के लाल कहलाएंगे। एक और चुनाव के लिए तीन विधानसभा क्षेत्रों के गले में घंटियां तब तक बजती रहेंगी, जब तक उपचुनावों की नई पारी नहीं सजती। बहरहाल, अध्यक्ष के फैसले ने गिल्लियां उड़ाई जरूर, लेकिन मैच अभी जारी है। काफी कुछ आज आने वाले लोकसभा तथा विधानसभा के उपचुनावों से सामने आएगा। फिलहाल कहीं कोई खतरा नहीं, लेकिन सियासत के माध्यम से प्रदेश का और कितना चीरहरण हो सकता है, इसके ऊपर कोई रोक नहीं।

इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख को वित्त वर्ष 24 में मिले 66 करोड़, पिछले साल से 17 प्रतिशत बढ़ा वेतन

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां) ।

इंफोसिस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलिल पारेख का सालाना वेतन वित्तीय वर्ष 2024 में 17.3 प्रतिशत बढ़कर 66.2 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई। पारेख ने स्न्ङ्ग23 में 56.4 करोड़ का वेतन प्राप्त किया था। पिछले वित्तीय वर्ष में उनका सालाना वेतन वित्तीय वर्ष 2022 की सैलरी 71.02 करोड़ रुपये के मुकाबले घटकर 56.4 करोड़ रुपये रह गई थी। पारेख के पारिश्रमिक में फिक्स्ड पे, वेरिएबल पे, रिटायरल बेनिफिट्स और इस अवधि के दौरान स्टॉक इंसेंटिव मूल्य शामिल है। पारेख का कुल फिक्स्ड वेतन वित्तीय वर्ष 2023 में 7.12 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024 में 7.47 करोड़ हो गया। उन्हें 18.73 करोड़ की तुलना में 19.75 करोड़ रुपये बोनस के रूप में दिए गए। पारेख के वेतन में 2,58,636 (प्रतिबंधित स्टॉक यूनिट) के जरिए जुटाए गए 39.03 करोड़ रुपये भी शामिल थे। इसके विपरीत, वित्त वर्ष 23 के दौरान, पारेख के पारिश्रमिक में आरएसयू के जरिए 30.60 करोड़ रुपये जोड़े गए थे। इस बीच, कर्मचारियों का औसत वेतन क्रमशः वित्त वर्ष 2024 और वित्तीय 2023 में 9,77,868 रुपये और 9,00,012 रुपये रहा। वित्तीय वर्ष 2023 की तुलना में वित्तीय 2024 में एमआरई में वृद्धि 8.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर, इन्फोसिस के गैर-कार्यकारी चेयरमैन नंदन एम. नीलेकणि ने स्वेच्छा से कंपनी को दी गई अपनी सेवाओं के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं लेने का फैसला किया।

रुपया 26 पैसे गिरकर 83.40 डॉलर पर

मुंबई । लोकसभा चुनाव की मतगणना में मिले-जुले रुख के बीच शुरुआती कारोबार में रुपया 26 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.40 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुख से भी शुरुआती कारोबार में रुपये की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.25 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 26 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.14 पर बंद हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

भारत में 42,30,000 पैसेंजर वाहनों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री, कंपनियों का बाजार पर भरोसा हुआ मजबूत

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2023-2024 के दौरान भारत में 42,30,000 पैसेंजर वाहनों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री के साथ वाहन कंपनियों का बाजार पर भरोसा मजबूत हुआ है। वित्त वर्ष 2024 में रिकॉर्ड बिक्री से उत्साहित, देश के शीर्ष चार पैसेंजर कार (पीवी) निर्माताओं ने चालू वित्त वर्ष के लिए 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने का कमिटमेंट दिया है। मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर इंडिया, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम), और जेएसडब्ल्यू-एमजी मोटर इंडिया जैसी कार निर्माताओं के निवेश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मांग को पूरा करने के लिए इंटरनल कंबशन इंजन वाहनों की क्षमता का विस्तार करने के लिए आवंटित किया जाएगा शीर्ष कार निर्माताओं में शामिल मारुति सुजुकी, दशक के मध्य तक अपनी 50 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी फिर से हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में नए उत्पाद लॉन्च और क्षमता विस्तार सहित विभिन्न पहलों में 10,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड, जिसने कैलेंडर ईयर 2023 और फाइनेंसियल ईयर 2023-24 में अब तक की सबसे ज़्यादा बिक्री हासिल की है, मध्यम अवधि में 13,180 करोड़ रुपये खर्च करने की उत्सुकता इच्छा जताई है।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी, सोना 72,300, चांदी लगभग 92,200 हजार रुपए

नई दिल्ली । सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव में तेजी देखी जाने लगी। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ ही हुई।

सोने के वायदा भाव 72,300 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,200 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। हालांकि बाद में सोने-चांदी के वायदा भाव नरम पड़ गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 53 रुपये की गिरावट के साथ 72,150 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 91 रुपये की तेजी के साथ 72,294 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 74 रुपये की तेजी के साथ 92,107 रुपये पर खुला। इस समय यह 157 रुपये की तेजी के साथ 92,190 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव गिर गए।

लोन सस्ता या महंगा होगा, रेपो रेट पर फैसला 7 जून को

मुंबई । देश में 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित कर दिए जाएंगे और ठीक उसके एक दिन बाद 5 जून से देश में रेपो रेट तय करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अधीन कार्यरत मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक शुरू हो जाएगी। अब इस बैठक में आरबीआई आम आदमी के लोन को महंगा करेगा, घटाएगा या फिर उसमें किसी प्रकार का बदलाव नहीं करेगा, इसका फैसला 7 जून को किया जाएगा। हालांकि संभावना यह जाहिर की जा रही है कि महंगाई और भू-राजनीतिक में व्याप्त तनाव की वजह से आरबीआई फिलहाल रेपो रेट में किसी प्रकार के बदलाव करने की जोखिम नहीं उठाएगा। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव की वजह से भारत समेत दुनिया भर में महंगाई तेजी से बढ़ रही है। इस चुनौतीपूर्ण महौल में आरबीआई को महंगाई के स्तर पर 4 से 4.5 फीसदी के स्तर पर कायम रखना है। वहीं केंद्रीय बैंक ने फरवरी 2023 से रेपो रेट में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया है। अब अगर आरबीआई 5 जून से होने वाली एमपीसी की बैठक में रेपो रेट में बढ़ोतरी करने या उसे घटाने का जोखिम उठाता है, तो दोनों ही स्थिति में खुदरा और थोक महंगाई को हवा मिल सकती है। यदि सात जून को ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया जाता है, तो यह यथास्थिति बनाए रखने का आठवां मौका होगा।

अडाणी वन व आईसीआईसीआई बैंक ने लॉन्च किया पहला को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां) ।

अहमदाबाद, 04 जून (एजेंसियां) ।

अदाणी वन और आईसीआईसीआई बैंक ने वीजा के साथ मिलकर भारत का पहला को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया। इसमें एयरपोर्ट से जुड़े कुछ खास फायदे हैं। ये कार्ड दो प्रकार के हैं। इसमें अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक सिग्नेचर क्रेडिट कार्ड और अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक प्लेटिनम क्रेडिट कार्ड शामिल है। दोनों कार्ड आकर्षक रिवार्ड्स भी देते हैं। ये कार्ड कार्ड होल्डर्स की लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने और उनके एयरपोर्ट और ट्रैवल के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये कार्ड्स अदाणी ग्रुप के कंज्यूमर इकोसिस्टम पर खर्च करने पर सात प्रतिशत तक के अदाणी रिवॉर्ड पॉइंट्स देते हैं। जैसे कि अदाणी वन ऐप से फ्लाइट, होटल, ट्रेन, बस और कैब की बुकिंग करने पर, अदाणी समूह द्वारा संचालित एयरपोर्ट्स, अदाणी सीएनजी पंप, अदाणी बिजली के बिल और ऑनलाइन ट्रेन बुकिंग प्लेटफॉर्म ट्रेनमैन की सेवा लेने पर ये रिवॉर्ड्स प्रदान किए जाते हैं।

इन कार्डों के जरिए फ्री एयर टिकट्स और एयरपोर्ट की सुविधाओं, जैसे कि प्रीमियम लाउंज का उपयोग, प्रणाम मीट एंड ग्रीट सेवा, पोर्टर, वाहन सेवा और प्रीमियम कार पार्किंग का लाभ मिलता है। ये कार्ड यूजर्स को ड्यूटी फ्री दुकानों पर खरीदारी और एयरपोर्ट पर खाने-पीने पर छूट भी देते हैं। साथ ही निःशुल्क मूवी टिकट और किराना सामान, यूटिलिटीज़ और अंतरराष्ट्रीय खर्च पर अदाणी रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे लाभ भी मिलते हैं। यह साझेदारी, अदाणी समूह का फाइनेंसियल सेक्टर में पहला कदम है। अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक और वीजा के साथ मिलकर एक नया मानक स्थापित करने का इरादा रखता है। इस मौके पर अदाणी ग्रुप के डायरेक्टर, जीत अदाणी ने कहा, आईसीआईसीआई बैंक और वीजा के साथ ये अनूठी साझेदारी कस्टमर एक्सपीरियंस में एक नया मानक स्थापित करेगी और इनोवेशन के साथ एक्सीलेंस की हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगी। अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड एक आसान डिजिटल इकोसिस्टम का रास्ता है। अदाणी वन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर यूजर्स को अद्वितीय सुविधा का अनुभव मिलेगा। आईसीआईसीआई बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, राकेश झा ने कहा, हम मानते हैं कि कस्टमर 360 पर हमारा फोकस, हमारे डिजिटल प्रोडक्ट्स, प्रक्रियाओं में सुधार और सेवा वितरण के समर्थन से हमें ग्राहकों को एक सहज तरीके से समग्र समाधान प्रदान करने और प्रमुख क्षेत्रों में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सक्षम बनाता है।

ओला इलेक्ट्रिक ने की 6.26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज, मई में सेल की 37 हजार से ज्यादा यूनिट

नई दिल्ली । दो पहिया वाहन निर्माता ओला इलेक्ट्रिक कंपनी ने 6.26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते मई में 37,191 यूनिट सेल की हैं। वहीं मई 2023 में 35,000 से अधिक यूनिट की बिक्री हुई थी। ये कंपनी लगातार इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में नंबर-1 बना हुआ है। बीते महीने यानि की मई तक कंपनी की 49 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रही है। नई एस1 एक्स रेंज की बिक्री के कारण भी ओला इलेक्ट्रिक की सेल में वृद्धि हुई है। इस रेंज के 2केडब्ल्यूएच वेरिएंट की कीमत 74,999 रुपये, 3 केडब्ल्यूएच वेरिएंट की कीमत 84,999 रुपये और 4 केडब्ल्यूएच वेरिएंट की कीमत 99,999 रुपये एक्स-शोरूम हैं।एस1 एक्स रेंज के अलावा ओला इलेक्ट्रिक एस1 एक्स प्लस, एस1 एयर और एस1प्रो मॉडल की खुदरा बिक्री करती है, जिनकी कीमत क्रमशः 89,999 रुपये, 1.05 लाख रुपये और 1.30 लाख रुपये एक्स-शोरूम है। ओला इलेक्ट्रिक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अंशुल खंडेलवाल ने कहा- हम 49 प्रतिशत की अग्रणी बाजार हिस्सेदारी और हमारे पंजीकरण में लगातार वृद्धि के साथ भारत के इलेक्ट्रिक वाहन परिवर्तन के प्रयासों का नेतृत्व करना जारी रखते हैं। हमने हाल ही में अपने मास-मार्केट एस1 एक्स पोर्टफोलियो की डिलीवरी शुरू की है, जो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की हाई अपफ्रंट कॉस्ट को संबोधित करता है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है।

नया फोन ओप्पो एफ27 जल्द होगा भारत में लॉन्च

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां) ।

भारत में चाइनीज कंपनी ओप्पों अपना नया फोन ओप्पो एफ27 जल्द लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। ये फोन पहला ऐसा फोन होगा जो कि आईपी69 रेटिंग के साथ आएगा। एक नए लीक से मालूम हुआ है कि फोन 13 जून को लॉन्च किया जा सकता है। टिप्सटर मुकुल शर्मा ने एक्स पर लॉन्च पोस्टर का हवाला देते हुए एक लीक के मुताबिक ओप्पो 13 जून को वेनिला वेरिएंट और एक दूसरे डिवाइस के साथ ओप्पो एफ27 प्रो+ लॉन्च करने के लिए भी तैयार हो सकता है। टिप्सटर का कहना है कि कंपनी आने वाले फोन के लिए आईपी66, आईपी68 या तो आईपी69 रेटिंग दे सकता है लेकिन फिलहाल ये क्लियर नहीं है कि किस फोन को क्या रेटिंग मिलेगी। शेयर की गई फोटो से ये भी पता चलता है कि ओप्पो एफ27 सीरीज़ डुअल टोन वेगन लेदर बैक के साथ-साथ पीछे की तरफ एक सर्कूलर कैमरा मॉड्यूल हो सकता है, जिसे इस साल कई और डिवाइसेस पर भी देखा गया है। हालांकि, ओप्पो कैमरा मॉड्यूल के चारों ओर एक मेटल रिंग ऐड कर सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ओप्पो एफ27 प्रो में 6.7 इंच का ओलेड पैनल होने की उम्मीद की जा रही है, और ये 67वॉट फास्ट चार्जिंग के साथ 5,000एमएएच बैटरी से लैस हो सकता है। इस स्मार्टफोन में 8जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज के साथ मीडियाटेक डाइमेंशन 7050 चिपसेट होने की बात कही गई है। आने वाले ओप्पो के नए फोन के रियर पर ट्रिपल कैमरा सेटअप दिया जा सकता है, जिसमें 64 मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड एंगल लेंस और 2 मेगापिक्सल का मैक्रो शूटर शामिल है। इसके अलावा, सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए फोन में 32 मेगापिक्सल का कैमरा होने की बात सामने आई है। उम्मीद है कि नई ओप्पो एफ27 सीरीज़ एफ25 प्रो की जगह लेगी जिसने इस साल की शुरुआत में भारत में एंट्री की थी।

बायजू अपने कलेक्शन से देगा कर्मचारियों को मई का वेतन, क्रेडिट होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां) ।

संकटग्रस्त एडटेक कंपनी बायजू मई महीने का वेतन अपने कर्मचारियों को दे सकता है। पिछले कुछ महीनों में वित्तीय संकट के कारण कंपनी को कई बार कर्मचारियों के वेतन में देरी करनी पड़ी है, जिस कारण कंपनी पर कई मुकदमे भी हुए हैं। बताया कि मई महीने का वेतन प्रोसेस कर दिया गया है और कर्मचारियों के खातों में आ जाएगा। उन्होंने बताया कि कंपनी ने यह वेतन अपने कलेक्शन में से दिया है। अपने मासिक कलेक्शन से वेतन देना कंपनी की क्षमता को दिखाता है। यह बताता है कि कंपनी द्वारा हाल में लिए फैसलों का सकारात्मक असर हुआ है इससे उसकी वित्तीय सेहत सुधरी है। इस संबंध में संपर्क करने पर कंपनी ने खबर लिखे जाने तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बायजू पिछले कुछ महीने से कर्मचारियों को वेतन भुगतान के लिए संघर्ष कर रही है। अभी भी हजारों कर्मचारियों का फरवरी और मार्च का वेतन बकाया है। कंपनी ने अब कम से कम अगले छह महीनों के लिए समय पर वेतन देने की योजना तैयार की है।

बायजू के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर जिनी थातिल का कहना है कि फरवरी और मार्च के बकाया वेतन का भुगतान 15 से 30 जून के बीच कर दिया जाएगा। किसी परिस्थिति में 8 जुलाई तक भुगतान जरूर कर दिया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि अगले छह महीने तक उन्हें वेतन में देरी का सामना नहीं करना पड़ेगा। वित्तीय संकट के कारण अप्रैल में बायजू ने सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था।

दो हजार के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में लौटे, 7,755 करोड़ रुपए मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि दो हजार रुपये मूल्य के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गये हैं। चलन से हटाये गये केवल 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। 19 मई, 2023 को चलन में मौजूद 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 31 मई, 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,755 करोड़ रुपये रह गया। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, ''इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक चलन में 2000 रुपये के 97.82 प्रतिशत बैंक नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गये हैं। सात अक्टूबर, 2023 तक 2000 रुपये के बैंक नोट को जमा करने और/या बदलने की सुविधा देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। उन्नीस मई, 2023 से 2000 रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। आरबीआई के निर्गम कार्यालय नौ अक्टूबर, 2023 से व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी 2000 रुपये के नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग अपने बैंक खातों में जमा करने के लिए देश के किसी भी डाकघर से आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में भारतीय डाक के माध्यम से 2000 रुपये के बैंक नोट भेज रहे हैं। बैंक नोट को जमा/बदलने वाले आरबीआई के 19 कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं। उल्लेखनीय है कि नवंबर, 2016 में उस समय चलन में मौजूदा 1000 रुपये और 500 रुपये के बैंक नोट को हटाये जाने के बाद 2000 रुपये के बैंक नोट लाये गये थे।

मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में बढ़त जारी, मई में पीएमआई 57.5

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां) ।

भारत की मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों की वृद्धि दर में लगातार दूसरे महीने गिरावट देखने को मिली है और मई में यह तीन महीने के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। यह जानकारी एक निजी कंपनी की रिपोर्ट में दी गई। एचएसबीसी इंडिया की मैन्युफैक्चरिंग परचेसिंग इंडेक्स गिरकर 57.5 रह गई है, जो कि अप्रैल में 58.8 अंक पर थी।

सर्वे में बताया गया कि पीएमआई के आंकड़े में गिरावट की वजह गर्मी के कारण काम के घंटे का कम और लागत में इजाफा होना है।

बता दें, जब भी पीएमआई 50 के ऊपर होता है, तो दिखाता है कि गतिविधियों में तेजी आ रही है। वहीं, जब भी पीएमआई 50 से नीचे होता है। इसका उल्टा होता है।

एचएसबीसी की वैश्विक अर्थशास्त्री मैत्रेयी दास ने कहा मई में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में तेजी रही है, हालांकि नए ऑर्डर और उत्पादन में धीमी वृद्धि के कारण विस्तार की गति धीमी रही। पैनलिस्टों ने मई में काम के कम घंटों के लिए हीटवेव को एक कारण बताया है, जिसका उत्पादन की मात्रा उत्पादन पर असर हो सकता है।

दास ने कहा कि इसके विपरीत, नए निर्यात ऑर्डर 13 वर्षों में सबसे तेज गति से बढ़े हैं।

सर्वे में बताया गया है कि नए ऑर्डर में तेजी से वृद्धि हुई है, हालांकि ये पिछले तीन महीनों में सबसे कम है। मजबूत मांग, मार्केटिंग प्रयासों में वृद्धि और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के कारण ऑर्डर की संख्या में इजाफा हुआ है।

मई में निर्यात में तेजी वृद्धि हुई है। ये 13 वर्षों में सबसे अधिक थी। भारतीय मैन्युफैक्चरर्स में भी सेंटीमेंट सकारात्मक बना हुआ है। इसकी वजह आर्थिक गतिविधियां का अच्छा होना और मांग बने रहना है।

वहीं, मई की बिक्री की स्थिति भी अच्छी बनी हुई है और जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान अधिक होने के कारण नौकरी के अधिक अवसर पैदा हुए हैं। हालांकि, कच्चे माल की लागत बढ़ने और ढुलाई महंगी होने के कारण सभी उत्पादनकर्ताओं के लिए लागत बढ़ गई है।

सर्वे में महंगाई को लेकर कहा गया कि लंबी अवधि के औसत के मुकाबले महंगाई की दर कम है। लागत बढ़ने के कारण कंपनियों ने मई में अपने उत्पादों के दाम में इजाफा किया है।

फर्जी नौकरी की पेशकश को लेकर भारतीय दूतावास ने चेताया, थाई सीमा पर अपराध सिंडिकेट सक्रिय

यंगून। म्यांमार में भारतीय दूतावास ने नौकरी की तलाश कर रहे भारतीयों को आगाह किया है कि वे फर्जी नौकरी की पेशकश को लेकर सावधान रहें और अवैध रोजगार के लालच में न फंसें। दूतावास की ओर से जारी परामर्श में कहा गया है कि म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर म्यावाड्डी क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट सक्रिय है और कोई भी नौकरी की पेशकश स्वीकारने से पहले सावधानी बरतें। दूतावास ने कहा, म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर म्यावाड्डी क्षेत्र में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट का शिकार बनने वाले भारतीय नागरिकों की संख्याओं में वृद्धि हुई है। इसमें यह भी सलाह दी गई है कि कोई भी नौकरी स्वीकारने से पहले संबंधित दूतावास से जरूर संपर्क करें। मायावाड्डी शहर के दक्षिण में फा लू क्षेत्र में एक नया स्थान हाल ही में सामने आया है, जहां अधिकांश भारतीय पीड़ितों को भारत के साथ-साथ मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से भर्ती करने के बाद थाईलैंड के माध्यम से तस्करी की जा रही है। दूतावास ने भारतीयों से सोशल मीडिया के माध्यम से की गई नौकरी की पेशकश को स्वीकार नहीं करने का आग्रह किया।

बजरंग पूनिया को राहत, एडीडीपी ने आरोप का नोटिस नहीं दिए जाने तक उन पर लगा अस्थाई निलंबन हटाया

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां) ।

नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल ने पहलवान बजरंग पूनिया को आरोप का नोटिस नहीं दिए जाने तक उन पर लगा अस्थाई निलंबन हटाया। नाडा ने 23 अप्रैल को टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग को निलंबित कर दिया था और बाद में विश्व शासी निकाय ने यही कार्रवाई की थी।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने बजरंग पुनिया पर लगाए गए अस्थाई निलंबन को रद्द कर दिया। अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने बजरंग को नाडा द्वारा आरोप का नोटिस नहीं दिए जाने तक उन पर लगा अस्थाई निलंबन हटाया है। बजरंग ने इसी साल मार्च में सिलेक्शन ट्रायल के बाद डोप टेस्ट के लिए अपना सैंपल देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद नाडा ने 23 अप्रैल को टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग को निलंबित कर दिया था और बाद में विश्व शासी निकाय ने यही कार्रवाई की थी।

बिश्केक में एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पुरुषों की राष्ट्रीय टीम चुनने के लिए ट्रायल 10 मार्च को सोनीपत में आयोजित किया गया था और बजरंग एक मुकाबला हारने के बाद अपना यूरीन सैंपल दिए बिना ही उस स्थान से चले गए थे। उन्होंने तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले में हिस्सा ही नहीं लिया था।

बजरंग ने अपने वकीलों के जरिए निलंबन को चुनौती दी थी और एडीडीपी को अपने जवाब में दोहराया था कि उन्होंने कभी भी सैंपल देने से इनकार नहीं किया था, बल्कि सिर्फ यह जानने की मांग की थी कि नाडा ने दिसंबर 2023 में उनका सैंपल लेने के लिए एक्सपायरी डेट वाली सैंपल किट क्यों भेजी थी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने अब तक उनके इस प्रश्न का उत्तर क्यों नहीं दिया है। एडीडीपी ने अपने आदेश में कहा, एथलीट का अस्थाई निलंबन तब तक के लिए रद्द किया जाता है जब तक कि नाडा एथलीट को डोपिंग निरोधक नियम, 2021 के उल्लंघन के लिए औपचारिक रूप से आरोप लगाने का नोटिस जारी करने का फैसला नहीं करता। सुनवाई पैनल की राय है कि इस स्तर पर जब एथलीट को आरोप का नोटिस जारी किया जाना बाकी है और नमूना देने से इनकार करने के लिए एथलीट द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण/औचित्य के गुण-दोष पर विचार किए बिना और नाडा की ओर से पेश वकील की दलील का जवाब दिए बिना निलंबित किया जाना ठीक नहीं है।

न्यूज़ ब्रीफ

न्यूयॉर्क की पिच टी20 क्रिकेट के योग्य नहीं : इरफान पठान, यहीं होना है भारत-पाकिस्तान का मुकाबला

न्यूयॉर्क । पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर सवाल उठाये हैं। पठान के अनुसार इस मैच में जिस प्रकार से कम स्कोर बना है। उससे पता चलता है कि यहां बल्लेबाजी कठिन है और ये आईसीसी मानको के अनुसार खेलने के अनुकूल नहीं है। इस मैदान पर श्रीलंकाई टीम 19.1 ओवर में 77 रन ही बना पायी। इस मैदान पर श्रीलंकाई बल्लेबाज समझ नहीं पाये कि प्रोटियाज गेंदबाजी आक्रमण का सामना कैसे करना है। यहां श्रीलंकाई टीम सबसे कम स्कोर बना पायी। उसके बल्लेबाज कुसल मेंडिस, कामिंडू मेंडिस और एंजेलो मैथ्यूज दो अंक तक ही पहुंच पाये। केवल कुशल ही सबसे अधिक 19 रन बना पाये। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे हावी रहे। यहां पहली पारी के बाद इरफान ने कहा कि न्यूयॉर्क की पिच किसी भी तरह से टी20 क्रिकेट के योग्य नहीं है। इरफान ने कहा, टी20 क्रिकेट के लिए ये आदर्श पिच नहीं है। साथ ही कहा कि न्यूयॉर्क में इसी मैदान पर भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होना है। ऐसे में इस मैदान को लेकर एक बार फिर विचार किया जाना चाहिये। यहां पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम रन नहीं बना पायी। पावरप्ले में टीम ने केवल 24 रन ही बनाए। पावरप्ले के बाद भी वे कभी भी गति नहीं दिखा पाए। नॉर्टजे ने सात रन देकर सबसे अधिक चार विकेट लिए।

इस पाक ऑलराउंडर से भारतीय टीम को रहना होगा सावधान

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम को 9 जून को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में ऑलराउंडर इफ्तिखार अहमद से सावधान रहना होगा।

इफ्तिखार मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी से मैच का रुख मोड़ देता है। ऐसे में भारतीय टीम को टीम कप्तानी बाबर आजम और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान से ज्यादा खतरा इफ्तिखार से है। इफ्तिखार तेजी से रन बनाने में माहिर होने के कारण कुछ देर में ही मैच के रुख को बदल सकता है। इस बल्लेबाज ने अब तक अबतक कुल 64 टी20 मुकाबलों की 53 पारियों में 25.0 की औसत से 975 रन बनाये हैं। इफ्तिखार को अक्सर निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए देखा जाता है। अगर उन्हें उपरी क्रम में बल्लेबाजी का मौका मिलता तो उनके रनों का आंकड़ा और बढ़ सकता था। इफ्तिखार बल्ले से ही नहीं गेंद से भी मैच का रुख बदलने में सक्षम हैं। उन्होंने पाकिस्तान के लिए अबतक टी20 की 23 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट लिए हैं। अहम बात यह है कि उन्होंने इस दौरान केवल 7.04 की इकोनॉमी से रन दिये हैं। इफ्तिखार ने भारत के खिलाफ अबतक कुल 3 टी20 मुकाबलों में भाग लिया है। उसमें इस क्रिकेटर ने 3 पारियों में 40.50 की औसत और 142.10 की स्ट्राइक रेट से 81 रन बनाये हैं। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन 51 रन का रहा है।

अफगानिस्तान की टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरी सबसे बड़ी जीत

युगांडा को 125 रन से हराया, फारूकी को 5 विकेट, गुरबाज-जादरान के अर्धशतक

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां) ।

16 ओवर में महज 58 रन और पूरी टीम ऑलआउट। यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का चौथा सबसे छोटा टीम टोटल है, जो युगांडा ने अफगानिस्तान के खिलाफ बनाया। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में युगांडा ने गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 183 रन बनाए और 184 रन का टारगेट दिया। जवाब में युगांडा 16 ओवर में 58 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रन से हरा दिया। टी-20 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान की रनों के हिसाब से यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले, टीम ने 2021 वर्ल्ड कप में स्कॉटलैंड को 130 रन से हराया था। अफगानिस्तान की ओर से फजलहक फारूकी ने 5 विकेट झटके।

यह टूर्नामेंट का चौथा बेस्ट बॉलिंग फिगर है। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

1. मैच विनर

फजलहक फारूकी - अपने स्पेल के 4 ओवर में 9 रन देकर 5 विकेट लिए। इस दौरान फारूकी की इकोनॉमी 2.25 की रही। यह किसी अफगानी गेंदबाज का टी-20 वर्ल्ड कप में किया गया ऑलटाइम बेस्ट परफार्मेंस है।

2. जीत के हीरोज

गुरबाज-जादरान की ओपनिंग पार्टनरशिप : अफगानिस्तान के लिए रहमानुल्लाह गुरबाज (76) और इब्राहिम जादरान (70) ने अर्धशतकीय पारी खेली। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 154 रनों की साझेदारी हुई। यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप है।

नवीन-उल-हक का शानदार स्पेल : मैच में नवीन-उल-हक का स्पेल भी शानदार रहा। उन्होंने 2 ओवर में 2.00 की इकोनॉमी रेट से महज 4 रन दिए। साथ ही दो विकेट भी झटके। उन्होंने दिनेश नकरानी और अल्पेश रामजानी को आउट किया।

3. फाइटर ऑफ द मैच : युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा ने टीम की ओर से शानदार बॉलिंग की। अपने 4 ओवर में 21 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उन्होंने रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान की 154 रन की साझेदारी तोड़ी। इसके बाद नजीबुल्लाह जादरान को उनके 2 रन के स्कोर पर आउट कर दिया।

अफगानिस्तान की पारी : गुरबाज-जादरान के बीच 154 रन की साझेदारी - अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान और रहमानुल्लाह गुरबाज ने अर्धशतकीय पारी खेली। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 154 रनों की साझेदारी हुई। इन दोनों बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। यह पहली बार है जब अफगानिस्तान की तरफ से टी-20 वर्ल्ड कप में शतकीय साझेदारी हुई। अफगानिस्तान के लिए गुरबाज ने 45 गेंदों पर 4 चौके और 4 छक्के की मदद से सबसे ज्यादा 76 रन और जादरान ने 46 गेंदों पर 9 चौकों और 1 छक्के की मदद से 70 रन बनाए। युगांडा के लिए ब्रायन मसाबा और कोसमस क्यवुता ने दो-दो विकेट झटके।

युगांडा की पारी : फारूकी ने 5 विकेट झटके - रियाजत अली शाह और रॉबिन्सन ओबुया के अलावा युगांडा का कोई और बल्लेबाज दहाई के आंकड़ा तक नहीं पहुंच सका। युगांडा के लिए रॉबिंसन ने सबसे ज्यादा 14 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से फजलहक फारूकी ने 5 विकेट झटके। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। फारूकी के अलावा नवीन उल हक और कप्तान राशिद खान ने दो-दो विकेट झटके।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

अफगानिस्तान : राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नईब, अजमतुल्लाह ओमरजई, मोहम्मद नबी, नजीबुल्लाह जादरान, करीम जनत, मुजीब उर रहमान, नवीन-उल-हक और फजलहक फारूकी।

युगांडा : ब्रायन मसाबा (कप्तान), साइमन सेसाजी (विकेट कीपर), रोजर मुकासा, रौनक पटेल, रियाजत अली शाह, दिनेश नकरानी, अल्पेश रामजानी, रॉबिन्सन ओबुया, बिलाल हसन, कॉसमास क्यवुता और हेनरी सेन्योंडो।

नोवाक जोकोविच ने इस मामले में रोजर फेडरर को पीछे छोड़ा क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

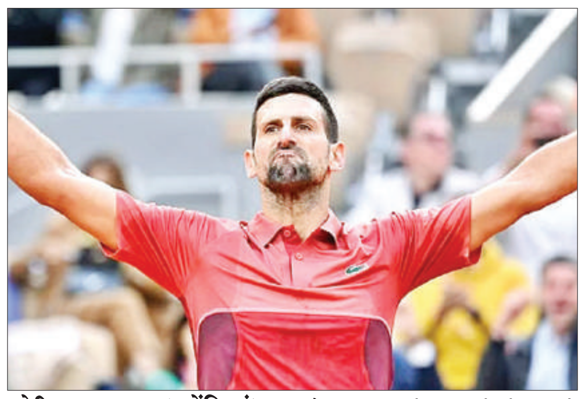

पेरिस, 04 जून (एजेंसियां) । **सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फ्रांसिसको सेरूंडोलो को हराकर वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। जोकोविच ने इस तरह ग्रैंडस्लैम में अपनी 370वीं जीत दर्ज की। उन्होंने ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में सर्वाधिक जीत दर्ज करने के मामले स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर को पीछे छोड़ दिया है। फेडरर ने अपने करियर में 369 ग्रैंडस्लैम मुकाबले जीते थे।**

दर्द से जूझने के बावजूद दर्ज की जीत दाहिने घुटने के दर्द से जूझने के बावजूद नोवाक जोकोविच ने अपने से युवा प्रतिद्वंद्वी को साढे चार घंटे तक चले मुकाबले में पांच सेटों में हराया। दूसरे सेट की शुरुआत में जोकोविच पीठ के बल लेट गए थे और लग रहा था कि उन्हें मुकाबला छोड़ना होगा, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 23वीं रैंकिंग वाले सेरूंडोलो को 6-1, 5-7, 3-6, 7-5, 6-3 से हराया। अब उनका सामना सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड से होगा। रूड ने 12वीं रैंकिंग वाले टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 3-6, 6-4, 6-2 से हराया। पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में जोकोविच ने रूड को हराया था।

मिनौर का सामना ज्वेरेव से होगा

पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य क्वार्टर फाइनल में एलेक्स डि मिनौर का सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। डि मिनौर ने 2021 यूएस ओपन चैंपियन डेनिल मेदवेदेव को हराया था। वहीं, ज्वेरेव ने होल्गर रूने को 4-6, 6-1, 5-7, 7-6, 6-2 से मात दी।

बोपन्ना-एबडेन ने बालाजी-वारेला को सुपर टाइब्रेकर में हराया, क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

पेरिस, 04 जून (एजेंसियां) ।

भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के पुरुष डबल्स वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस अनुभवी जोड़ी ने एन श्रीराम बालाजी और एमए रेयेस वारेला मार्तिनेज की जोड़ी को सुपर टाइब्रेकर में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने तीसरे दौर में 6-7, 6-3, 7-6 से जीत दर्ज की।

पिछड़ने के बाद की वापसी

पहले सेट में बालाजी और मैक्सिको के रेयेस ने 5-4 की बढ़त बना ली थी। उनके पास सेट जीतने का सुनहरा मौका था जब एबडेन का फोरहैंड पर शॉट बाहर निकल गया, लेकिन

बालाजी ने भी यही गलती की। पहले सेट का फैसला टाइब्रेकर पर हुआ जिसमें बालाजी और रेयेस ने बाजी मारी। इसके बाद से हालांकि बोपन्ना और एबडेन ने दूसरे सेट में उन्हें कोई मौका नहीं दिया और मुकाबला तीसरे सेट तक गया। इसमें बोपन्ना और एबडेन का अनुभव काम आया और विनर लगाकर एबडेन ने जीत पर मुहर लगा दी।

पेरिस ओलंपिक में बालाजी को जोड़ीदार बना सकते हैं बोपन्ना

बोपन्ना ने अभी तक पेरिस ओलंपिक के लिये अपने जोड़ीदार का चयन नहीं किया है। बालाजी ने जरूर उन्हें अपने खेल से प्रभावित किया होगा। शीर्ष-10 में होने के कारण बोपन्ना ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं।

रमन ने टी20 विश्व कप के लिए चार स्पिनरों को रखे जाने को सही बताया

चेन्नई, 04 जून (एजेंसियां) ।

पूर्व क्रिकेटर डब्ल्यूवी रमन ने टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चार स्पिनरों को रखे जाने के फैसले को सही बताया है। रमन ने कहा कि वेस्टइंडीज की पिचों को देखते हुए वहां स्पिनर प्रभावी रहेंगे। भारतीय टीम मे विश्वकप के लिए रविन्द्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। भारत की ओर से 11 टेस्ट और 27 एकदिवसीय खेलने वाले रमन ने कहा, 'यह मत भूलिए कि काफी सोच-विचार करके ऐसा किया गया होगा। इन खिलाड़ियों को शामिल करने के पीछे पर्याप्त तर्क और विचार रहे होंगे। इन दिनों वेस्टइंडीज की पिचों को स्पिनरों के लिए अधिक अनुकूल पाया गया है। इसके अलावा स्पिनरों ने भारत में अच्छी ठोस-सपाट पिचों पर अच्छा प्रदर्शन किया है, इसने चयनकर्ताओं को लग रहा है कि तेज गेंदबाजों की जगह स्पिनरों के साथ उतरना बेहतर रहेगा।

रमन ने कहा कि इस भारतीय टीम में कुछ शानदार प्रतिभाओं हैं जिससे टीम के पास खिताब जीतने का अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा, 'इसकी बहुत अच्छी संभावना है। हमारे पास कई शानदार क्रिकेटर हैं जो अपने दिन पर मैच विजेता बना सकते हैं।

आईपीएल और विश्वकप के बीच कम अंतर को लेकर रमन ने कहा कि इससे खिलाड़ियों को कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी हम कहते हैं कि 'यह पर्याप्त समय नहीं है, वहीं कभी-कभी हम कहते हैं कि 'यह बहुत लंबा ब्रेक है और वे लय में नहीं हैं। इसलिए ऐसा कोई रास्ता नहीं है जिससे सभी पसंद करें। उन्होंने कहा, 'आज के क्रिकेटर काफी फिट हैं और बिना रुके खेलने के आदी हैं। इसलिए वे हालातों का सामना कर लेंगे। रमन ने क्रिकेट को दुनिया भर में ले जाने के विचार का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह ऐसी चीज है जिस पर आईसीसी विचार करेगा।। उन्होंने नये कोच के तौर पर गौतम गंभीर के नाम का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'वह निश्चित रूप से ऐसा व्यक्ति होगा जो जानता है कि क्या करना है। वह क्या करेगा और क्या नहीं, यह मैं भविष्यवाणी नहीं कर सकता। रमन ने कहा, 'लेकिन जहां तक उसकी क्षमता का सवाल है, वह अच्छा है। वह आईपीएल में एक अच्छा कप्तान भी रहा है और वह एक अच्छा रणनीतिकार भी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी के नेतृत्व वाले

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने तमाम पूर्वानुमानों को गलत साबित करते हुए अपना किला बरकरार रखा और 42 में से 29 सीटों पर सफलता हासिल की। भाजपा राज्य में 2019 का प्रदर्शन दोहराने में असफल रही और वह केवल 12 सीटों पर सिमटती नजर आयी। गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड भाजपा के भरोसे के राज्य बने हुए हैं और इनमें अधिकांश सीटों पर पार्टी का कब्जा बरकरार दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस ने केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन (यूडीएफ) के अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर राज्य में सत्तारूढ वामपंथी लोकतांत्रिक गठबंधन (एलडीएफ) को फिर शिकस्त दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी वायनाड सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखने में कामयाब रहे। राज्य की त्रिशूर सीट पर भाजपा ने कब्जा किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजग की लगातार तीसरी जीत को ऐतिहासिक पल बताया है और इसके लिये देश की जनता के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा है कि गठबंधन देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये नयी ताकत से काम करेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने इन चुनाव परिणामों को मोदी की नैतिक हार बताया है और कहा कि पार्टी नेता राहुल गांधी की दो पदयात्राओं का कांग्रेस को लाभ मिला है। तमिलनाडु में सत्तारूढ द्रमुक पार्टी अपनी पकड़ बनाये हुए है जबकि आंध्र प्रदेश में एन चंद्रबाबू नायडू की तेदेपा ने जोरदार उलटफेर करते हुए सत्तारूढ वाई एस आर कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया है। महाराष्ट्र में भाजपा और उसके सहयोगी दलों शिव सेना और राकांपा का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा जबकि विपक्षी इंडी समूह के दलों ने आशा के विपरीत मुंबई क्षेत्र सहित राज्य के विभिन्न अंचलों में बेहतर प्रदर्शन किया है।जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद हुए पहले चुनाव में राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती अपने अपने निर्वाचन क्षेत्र में हार गये हैं। लद्दाख सीट पर भाजपा को झटका लगा है। इन चुनावों में जेल से चुनाव लड़ने वाले दो निर्दलीय प्रत्याशियों ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की है। वारिस दे पंजाब के अमृतपाल सिंह ने पंजाब की खडूर साहिब सीट और जम्मू कश्मीर की बारामूला सीट से इंजीनियर रशीद ने जीत हासिल की है। हरियाणा और पंजाब में परिणाम मिले जुले रहे हैं। हरियाणा में कांग्रेस और भाजपा पांच -पांच सीट ले रही हैं वहीं पंजाब में कांग्रेस ने सात सीट जीतकर सत्तारूढ आम आदमी पार्टी को झटका दिया है। झारखंड में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ सीटें जीती हैं जबकि सत्तारूढ झामुमो तीन और कांग्रेस दो सीटों पर जीत रही है। असम में भाजपा ने अपना 2019 का प्रदर्शन दोहराया है लेकिन हिंसा से प्रभावित मणिपुर में कांग्रेस दोनों सीटों पर जीतती नजर आ रही है। राजस्थान में भाजपा को 14 सीटें हांसिल हुई है जबकि कांग्रेस ने अपना प्रदर्शन सुधारते हुए 8 सीटों पर कब्जा किया है।

1962 के बाद

तीसरी बार एनडीए की सरकार बननी तय है। पीएम मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली जीत का महत्व बताते हुए कहा कि वर्ष 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद तीसरी बार वापस आ रही है।

उन्होंने जनादेश के लिए देश की जनता-जनार्दन का आभार जताते हुए कहा कि वे जनता-जनार्दन के बहुत आभारी हैं, जिन्होंने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। वे इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए देशवासियों को नमन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश में सही तरीके से चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग का अभिनंदन किया। उन्होंने ओड़ीशा में भाजपा की राज्य सरकार बनने, केरल और तमिलनाडु में जीत मिलने, चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश में और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में एनडीए गठबंधन को मिली जीत सहित देश के कई राज्यों में विपक्ष का सूपड़ा साफ होने की बात कहते हुए जनता-जनार्दन को नमन किया। साथ ही कड़ी मेहनत करने के लिए भाजपा और एनडीए कार्यकर्ताओं को धन्यवाद भी कहा।

इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तीसरी बार एनडीए सरकार बनाने के लिए देशवासियों और देश के करोड़ों मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि चाहे चुनाव की बेला हो, देश का नेतृत्व करने की बात हो और देश को समस्याओं से निकालने की बात हो, पीएम मोदी ने हमेशा देश और देश की जनता को आगे बढ़ाने का काम किया है। जबकि, विपक्ष ने हमेशा नकारात्मक राजनीति की और लगातार तीसरी बार हार के बाद विरोधी दलों को अब आत्मचिंतन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन एकजुट है और एनडीए के कार्यकर्ता उनके नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए मेहनत करने को तैयार हैं। वह एनडीए के सभी साथी दलों और भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं का हार्दिक अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने अथक प्रयास कर एनडीए को जीत दिलाई है।

फिलीपींस पहुंचे जेलेंस्की, बोले–चीन जैसा देश पुतिन के हाथों का उपकरण, यह दुर्भाग्यपूर्ण

मनीला, 04 जून (एजेंसियां) ।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की विशेष एशियाई दौरे पर अचानक फिलीपींस पहुंचे। वह क्षेत्रीय नेताओं से अपने देश में युद्ध की स्थिति पर स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित एक वैश्विक शांति सम्मेलन में शामिल होने की अपील करने के लिए यह यात्रा कर रहे हैं। वह बोले, अफसोस की बात है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि चीन जैसा बड़ा स्वतंत्र शक्तिशाली देश रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हाथों का एक उपकरण बन गया है। सिंगापुर में 'शांगरी–ला डिफेंस फोरम' में भाग लेने के बाद, जेलेंस्की कड़ी सुरक्षा के बीच अघोषित दौरे पर मनीला पहुंचे। उन्होंने सिंगापुर में आयोजित वार्षिक रक्षा सम्मेलन से इतर फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर से मिलने की योजना बनाई थी लेकिन नहीं मिल पाए और बाद में उन्होंने निजी रूप से यहां आने का फैसला किया। यह दोनों ही नेताओं ने सिंगापुर में हुए सम्मेलन में चीन की आलोचना की। मनीला में जेलेंस्की ने विस्तार से बताए बिना कहा, रूस क्षेत्र में चीनी प्रभाव का इस्तेमाल कर, चीनी राजनयिकों का उपयोग करते हुए शांति शिखर सम्मेलन को बाधित करने के लिए सब कुछ करता है। इस दौरान उन्होंने रूस पर चीन की मदद से इस सम्मेलन में अड़चन डालने का प्रयास करने का आरोप भी लगाया। चीनी विदेश मंत्रालय ने जेलेंस्की के दावे पर टिप्पणी के आग्रह का जवाब नहीं दिया। पश्चिमी प्रतिबंधों का आर्थिक असर घटा चीन द्वारा यूक्रेन युद्ध पर तटस्थ रुख अपनाने से उसका यूक्रेन, अमेरिका व अधिकांश यूरोप के साथ मतभेद हो गया है। इसके विपरीत चीन–रूस में व्यापार बढ़ गया है। इससे पश्चिमी प्रतिबंधों का आर्थिक प्रभाव कम हो गया है। अमेरिकी, यूक्रेनी और अन्य खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, इस बात के सबूत हैं कि चीनी हिस्से रूसी हथियारों में तब्दील हो रहे हैं, भले ही चीन सीधे तौर पर अपने पड़ोसी को हथियार नहीं दे रहा हो। फिलीपींस के समर्थन में अमेरिका निभा रहा गलत भूमिका: चीन चीन ने कहा है कि अमेरिका ने चीन व क्षेत्रीय संबंधों को भड़काने के लिए दक्षिण चीन सागर का इस्तेमाल किया है। इसके तहत उसने फिलीपींस के समर्थन व सहयोग में बेहद अपमानजनक भूमिका निभाई है।

न्यूज ब्रीफ

इस्राइली पीएम नेतन्याहू 13 जून को अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करेंगे बाइडन के इटली में रहने की उम्मीद

वाशिंगटन । इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू 13 जून को अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करेंगे। यह यात्रा डेमोक्रेटिक सीनेट बहुमत नेता चक शूमर द्वारा मार्च में इजराइल से नए चुनाव कराने का आह्वान करने के बाद हो रही है, जो कि गाजा में युद्ध से निपटने के देश के तरीके की एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी द्वारा की गई कड़ी आलोचना का एक दुर्लभ उदाहरण है। वहीं, नेतन्याहू के प्रवास के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के जी–7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली में रहने की उम्मीद है। हालांकि, राष्ट्रपति की एक सप्ताह की समय–सारिणी की अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। राष्ट्रपति बाइडन ने एक इस्राइली तीन चरणीय योजना प्रस्तुत की, जो इस्राइल–हमास संघर्ष को समाप्त करेगी। सभी बंधकों को मुक्त करेगी और हमास के सत्ता में आए बिना तबाह हो चुके फलस्तीन क्षेत्र का पुनर्निर्माण करेगी। वहीं, नेतन्याहू के कार्यालय ने इस बात पर जोर दिया कि सात अक्टूबर के हमले से शुरू हुआ युद्ध तब तक जारी रहेगा, जब तक कि इजराइल के सभी लक्ष्य पूरे नहीं जाते, जिसमें हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं का विनाश भी शामिल है। बता दें कि सदन और सीने में चार पार्टी नेताओं ने पिछले सप्ताह नेतन्याहू से कांग्रेस की संयुक्त बैठक में बोलने के लिए पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में, विशेषकर जब हमास ने अमेरिकी और इस्राइली नागरिकों को बंधक बनाना जारी रखा है, इजराइल के साथ एकजुटता व्यक्त की थी।

पीएम सुनक ने आव्रजन कटौती का वादा किया, कार्य-पारिवारिक वीजा पर नई वार्षिक सीमा लगाने की योजना

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने आव्रजन में कटौती के लिए कार्य और पारिवारिक वीजा पर नई

वार्षिक सीमा लगाने की योजना की घोषणा की। सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी द्वारा प्रस्तुत योजना के अनुसार, प्रत्येक वर्ष संसद द्वारा निर्धारित वीजा की संख्या पर एक नई सीमा शामिल होगी। वहीं, विपक्ष ने आव्रजन प्रमुख चुनावी मुद्दे पर अपनी योजना पेश की थी। बता दें कि ब्रिटेन के आम चुनाव में आव्रजन एक प्रमुख चुनावी मुद्दा है। पिछले साल 685000 प्रवासियों ने देश में प्रवेश किया, जिसके बारे में दोनों मुख्य राजनीतिक दल कंजर्वेटिव पार्टी और कीर स्टारर ने कहा है कि यह आंकड़ा बहुत अधिक है। वहीं, सप्ताह के अंत में, स्टार्मर ने नियमित प्रवासन में कटौती के लिए लेबर की योजना की घोषणा की, जिसके तहत श्रम कानूनों का उल्लंघन करने वाले मालिकों को देश में विदेशी श्रमिकों को लाने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। नियोक्ताओं को पहले ब्रिटिश लोगों को प्रशिक्षित करने को प्राथमिकता देने की आवश्यकता होगी। विदेशी छात्रों और मौसमी श्रमिक को प्रभावित नहीं करेगी योजना सुनक ने एक बयान में कहा, हमने इस देश में आने वाले लोगों की संख्या में कटौती करने के लिए साहसिक कदम उठाए हैं।

उ. कोरिया के साथ शांति समझौता निलंबित करेगा दक्षिण कोरिया, कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाने पर बड़ी कार्रवाई

सियोल । दक्षिण कोरिया ने कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाने को लेकर उत्तर कोरिया के साथ हुए शांति समझौते

को निलंबित करने की घोषणा की। हालांकि उत्तर कोरिया गुब्बारे उड़ाने की अपनी हरकत पर लगाम लगाने को कह चुका है। द. कोरिया में हाल ही में लोगों द्वारा पर्चे बांटने के अभियान से नाराज उत्तर कोरिया ने बीते कुछ दिनों में पड़ोसी देश की ओर कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाए थे। द. कोरिया ने कहा कि उत्तर कोरिया की इस हरकत के जवाब में वह कड़ा कदम उठाएगा। उत्तर कोरिया हालांकि पहले ही सीमा पार गुब्बारे उड़ाए जाने को रोकने की घोषणा कर चुका है। सोमवार को, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा कि परिषद ने 2018 के अंतर–कोरियाई समझौते को निलंबित करने का फैसला किया है। इस समझौते का उद्देश्य दोनों कोरियाई देशों के बीच आपसी विश्वास बहाली तक सीमावर्ती शत्रुता घटाना था। सुरक्षा परिषद ने कहा, समझौते के निलंबन पर एक प्रस्ताव कैबिनेट परिषद में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। उत्तर कोरिया ने पिछले मंगलवार से अब तक दक्षिण कोरिया के विभिन्न हिस्सों में करीब एक हजार से ज्यादा गुब्बारे उड़ाए हैं, जिनमें खाद से लेकर सिगरेट के टुकड़े, कपड़े के टुकड़े और बेकार कागज भरे हुए थे।

फलस्तीन ने आईसीजे में दायर किया आवेदन, इजराइल के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के मुकदमे में शामिल होने का अनुरोध

हेग, 04 जून (एजेंसियां) ।

इजराइल और हमास के बीच बीते कई महीनों से भीषण जंग जारी है। इस बीच, फलस्तीनी अधिकारियों ने गाजा में इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका के मुकदमे में शामिल होने की अनुमति के लिए संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में आवेदन किया है।

अधिकारियों ने आरोप लगाया कि इजराइल का सैन्य अभियान फलस्तीनी समाज और उसकी संस्कृति व सामाजिक संस्थानों को नक्शे से मिटाने का व्यवस्थित हिस्सा है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में फलस्तीन राज्य की ओर से अनुरोध किया गया है और इसे फलस्तीनी प्राधिकरण ने विदेश मंत्रालय के अधिकारी अम्मार हिजाजी द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले साल के अंत में आईसीजे में मामला दायर किया था और इजराइल पर सैन्य अभियान के जरिए गाजा में नरसंहार करने का आरोप लगाया गया था। इजराइल ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा था कि वह सात अक्तूबर के हमास के हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध में अपने सैन्य अभियान में नरसंहार कर रहा है। इजराइल गाजा के दक्षिणी शहर राफा में अपने हमलों का विस्तार कर रहा है। राफा युद्ध के बीच कभी मानवीय मदद के अभियानों का मुख्य केंद्र था। इस्राइली बलों के हमलों ने भूख का सामना कर रहे फलस्तीनियों के लिए भोजन, दवा और अन्य आपूर्ति के प्रवाह को रोका है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, गाजा पट्टी में इजराइल की बमबारी और जमीनी हमलों में अब तक 36 हजार से ज्यादा फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। सात अक्तूबर के हमलों में करीब 1400 इस्राइली नागरिकों की जान चली गई थी। जबकि सैकड़ों लोगों को हमास ने बंधक बना लिया था। आईसीजे ने अपने आदेशों में इजराइल से क्षेत्र में मौतों को रोकने, मानवीय मदद को बढ़ाने और राफा में अपने आक्रामक अभियान को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आह्वान किया है।

हमास पर इजराइल के संघर्ष विराम प्रस्ताव को स्वीकार करने का बढ़ेगा दबाव जो बाइडन ने कतर से की बात

वॉशिंगटन । हमास और इजराइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अमेरिका में लोग बड़ी संख्या में इजराइल के खिलाफ विरोध–प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे राष्ट्रपति जो बाइडन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वो लगातार गाजा में जंग रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने तीन दिन पहले ही गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए इजराइल के प्रस्ताव का एलान किया था। वहीं, अब राष्ट्रपति ने एक बार फिर इस समझौते को लेकर कतर के अमीर से बात की। इस दौरान उन्होंने हमास पर संघर्ष विराम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए दबाव डालने का आग्रह किया। एक ठोस रोडमैप अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी के साथ बातचीत कर चर्चा की कि कैसे युद्धविराम और बंधक समझौता गाजा में संकट को समाप्त करने के लिए एक ठोस रोडमैप बनाया जा सकता है। राष्ट्रपति बाइडन ने गाजा में बंधक बनाए गए सभी बंधकों की सुरक्षित रिहाई के लिए किए गए प्रयासों के लिए उन्हें और उनकी टीम को धन्यवाद दिया। कतर के अमीर से बात उन्होंने एक्स पर कहा, मैंने आज अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के साथ बातचीत की। इस दौरान यह चर्चा की गई कैसे युद्ध विराम और बंधक समझौते के लिए एक योजना बनाई जा सकती है। मैंने आमिर तमीम से हमास की समझौते की स्वीकृति सुनिश्चित करने के लिए सभी उचित उपायों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया और गाजा में पकड़े गए सभी बंधकों की रिहाई को सुरक्षित करने के उनके अथक प्रयासों के लिए उन्हें और उनकी टीम को धन्यवाद दिया। पोस्ट में कहा गया है, अमेरिका, मिस्र और कतर के साथ मिलकर इस समझौते को सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति जो बाइडन ने घोषणा की कि इजराइल ने एक नया प्रस्ताव रखा है, जो गाजा में हमास के साथ चल रहे युद्ध में संघर्ष विराम का रोडमैप प्रदान करता है और आतंकवादी समूह द्वारा बंधक बनाए गए सभी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करता है।

रूसी महिलाओं का रक्षा मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन, मोर्चे पर तैनात पति-बेटों की वापसी की मांग

लंदन, 04 जून (एजेंसियां) ।

रूसी महिलाओं के एक समूह ने मास्को में रक्षा मंत्रालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने रक्षा मंत्री से यूक्रेन के मोर्चे पर तैनात सैनिकों की वापसी की मांग की। रूसी महिलाएं महीनों से अपने पति, बेटों और भाइयों की वापसी के लिए अधिकारियों पर दबाव डालने के लिए प्रदर्शन कर रही हैं। सितंबर 2022 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश के बाद रूसी महिलाओं को लामबंद कर दिया गया था। विरोध प्रदर्शन में शामिल महिला पॉलिना ने बताया कि वह 20 वर्ष की है। उसका पति यूक्रेन में लड़ रहा है। महिलाएं चाहती हैं कि रक्षा मंत्री इस बात पर सख्त सीमाएं लागू करें कि सैनिक कितने समय तक सेवा कर सकते हैं। उसके बाद ही उन्हें सक्रिय ड्यूटी से बाहर होना पड़ेगा। इसलिए 18 महिलाओं का एक समूह रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव से व्यक्तिगत रूप से अपील करने के लिए एकत्र हुआ था। पुशचेयर पर छोटे बच्चों को लेकर पहुंची महिलाएं पॉलिना ने टेलीग्राम एप पर जो तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, उनमें महिलाएं कृपया पापा को घर ले आएं जैसे नारे लिखे पोस्टर पकड़े हुए हैं। कई महिलाएं अपने स्कूली बच्चों और छोटे बच्चों को पुशचेयर पर लेकर आई थीं। उन्होंने बताया कि महिलाओं से बात करने के लिए मंत्रालय का कोई भी अधिकारी भवन से बाहर नहीं आया, जिसके बाद रूसी महिलाएं आक्रोशित हो उठीं और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

पुतिन ने 2022 में तीन लाख आरक्षित सैनिक संगठित किए

बता दें कि रूस–यूक्रेन युद्ध तीसरे साल में प्रवेश कर चुका है। अभी इसका कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने सितंबर 2022 में तीन लाख आरक्षित सैनिकों को संगठित किया था। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों ने स्वेच्छा से अनुबंध सैनिकों के रूप में नामांकन कराया है। पुतिल ने कसम खाई है कि रूसी सैनिक तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक विशेष सैन्य अभियान के लक्ष्य को पूरा नहीं कर लेते।

नेपाल में जमकर बरसेंगे बदरा, 18 लाख लोग होंगे प्रभावित, जानें कब होगी मानसून की एंट्री

काठमांडू, 04 जून ।

नेपाल में भीषण गर्मी पड़ रही है। लोगों का लू से बुरा हाल है। इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने राहत भरी खबर दी है। यहां 13 जून को मानसून के पहुंचने की उम्मीद है, जो एक जुलाई तक चलेगा। यहां की सरकार ने चेतावनी दी है कि मौसम के दौरान बारिश से संबंधित घटनाओं से 18 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं।

18 लाख लोग प्रभावित

गृह मंत्रालय ने आगामी मानसून के मौसम से निपटने के लिए राष्ट्रीय जोखिम न्यूनीकरण और तैयारी कार्यक्रम 2024 शुरू किया। मंत्रालय ने अनुमान लगाया है कि हिमालयी राष्ट्र में मानसूनी बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलन से 412,000 घरों के 18 लाख लोग प्रभावित होंगे।

10,000 से अधिक सैन्यकर्मी तैनात

राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता दीजन भट्टाराई के अनुसार, इस साल प्राकृतिक आपदा के कारण लगभग 83,000 परिवार प्रभावित होंगे। 18,000 परिवारों को राहत सामग्री की आवश्यकता होगी। मंत्रालय ने आगामी आपदा से लड़ने के लिए 10,000 से अधिक सैन्यकर्मियों सहित 31,000 सुरक्षा कर्मियों को लगाने का फैसला किया है। नेपाल सेना बचाव और राहत कार्यों के लिए काठमांडू, पोखरा, इटाहरी, भरतपुर और सुरखेत में हेलीकॉप्टरों को भी तैनात करेगी।

63 लोग मारे गए थे

बता दें, पिछले साल देशभर में आपदा से संबंधित 679 घटनाओं में 63 लोग मारे गए थे। कम से कम 69 लोग घायल हो गए, और प्राकृतिक आपदा से संबंधित घटनाओं के कारण 30 लोग लापता हो गए। सरकार ने आपदा संभावित क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने को कहा है।

यूके इंडिपेंडेंस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष नाइजल फराज आम चुनाव लड़ेंगे, अपना फैसला पलटने का मन बनाया

लंदन, 04 जून (एजेंसियां) ।

ब्रिटिश नेता और यूके इंडिपेंडेंस पार्टी (यूकेआईपी) के पूर्व प्रमुख नाइजल फराज ने 4 जुलाई का आम चुनाव नहीं लड़ने वाले अपने फैसले को पलटने का मन बना लिया है। उन्होंने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह अब ब्रेक्सिट सीट से चुनाव लड़ेंगे।

विवादास्पद ब्रिटिश राजनेता ने लंदन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वह यूकेआईपी का नेतृत्व संभालेंगे और दक्षिण–पूर्व इंग्लैंड के एसेक्स में क्लैकटन की कट्टर समर्थक ब्रेक्सिट सीट से चुनाव लड़ेंगे। 60 वर्षीय फराज ने कहा कि उन्हें लगा कि चुनाव लड़ने से इन्कार करने के बाद वह अपने समर्थकों को निराश कर रहे हैं। इसलिए मैंने अपना इरादा बदल लिया। फराज ने कहा कि मैं एसेक्स के समुद्र तटीय शहर क्लैक्टन में अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करूंगा। मैं उन लाखों लोगों से मुंह नहीं मोड़ सकता, जो मेरे बारे में कही जा रही भयानक बातों के बावजूद मेरा अनुसरण करते थे, मुझ पर विश्वास करते थे। कंजर्वेटिव पार्टी को परेशान करेगा फराज चुनाव मैदान में उतरना

बता दें कि नाइजल फराज का दोबारा चुनाव मैदान में उतरने का निर्णय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को परेशान करेगा। बता दें कि कंजर्वेटिव पार्टी चुनाव से पहले किए गए सभी सर्वेक्षणों में भी पीछे चल रही है।

सुनक बोले- स्टार्मर या मैं दोनों में से एक प्रधानमंत्री होगा

वहीं, प्रधानमंत्री सुनक से पूछा गया कि एक उम्मीदवार के रूप में फराज का टोरी की संभावनाओं पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने अपनी पार्टी के कट्टर समर्थकों को स्पष्ट संदेश देते हुए जवाब दिया। कहा कि दो लोगों में से एक प्रधानमंत्री होगा या तो श्रमिक नेता कीर स्टार्मर या मैं। किसी ऐसे व्यक्ति के लिए वोट जो कंजर्वेटिव उम्मीदवार नहीं है, वह सिर्फ कीर स्टारर को नंबर 10 पर रखने के लिए एक वोट है।

चीन की अंतरिक्ष में ऊंची छलांग

चांद के अंधेरे वाले हिस्से से मिट्टी लेकर धरती की ओर निकला चांग ई-6

बीजिंग, 04 जून (एजेंसियां) ।

चीन का चंद्रमिशन चांग ई–6 का एसेंडर अब धरती पर वापस आ रहा है। जैसे ही एसेंडर पृथ्वी पर उतरेगा वैसे ही बीजिंग एक इतिहास रच लेगा। बता दें, एसेंडर मिट्टी और पत्थर का सैंपल लेकर धरती की ओर वापस आ रहा है। एसेंडर यानी वह यंत्र जो चांद की सतह से वापस उसकी कक्षा में आया है।अब वहां से सैंपल लेकर धरती की तरफ आ रहा है।

गौरतलब है, चीन की स्पेस एजेंसी ने कहा कि इस यान के पिछले महीने लॉन्च किया गया था। जो दो दिन पहले यानी दो जून को चांद के अंधेरे वाले हिस्से में उतरा था। चंद्रमिशन चांग ई–6 सफलतापूर्वक चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा था। जिस जगह चीन का चंद्रयान उतरा था, वह चांद का दूरस्थ इलाका है। इस मिशन के साथ ही चीन ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और बड़ी छलांग लगाई है। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि चांग ई–6 चांद के दक्षिणी ध्रुव के एटकेन बेसिन क्रेटर पर उतरा। यह क्रेटर अभी तक का ज्ञात सबसे बड़ा क्रेटर है।

25 जून को आएगा वापस

अब एसेंडर मिट्टी और पत्थर का सैंपल लेकर धरती की ओर वापस आ रहा है। चीन की स्पेस एजेंसी ने कहा कि चांगई–6 से सैंपल लेकर निकला एसेंडर चीन के इनर मंगोलिया इलाके के रेगिस्तान में करीब 25 जून के आसपास लैंड करेगा। इस यान ने चांद पर जहां लैंड किया था, वहां पर तापमान माइनस में रहता है। दुनिया में यह काम पहली बार होगा, जब कोई देश चीन के अंधेरे वाले हिस्से से सैंपल लेकर धरती पर वापस आएगा।

कभी भी सूर्य की किरणें नहीं पड़ी

चीन के चांग ई 4 मिशन ने साल 2019 में पहली बार चांद की सतह पर लैंडिंग की थी। अब चांग ई 6 मिशन के जरिए चीन चांद की सतह से करीब दो किलो नमूने भी लेकर आएगा। चांग ई 6 के लैंडर में ड्रिल करने और फिर वहां से नमूने उठाने के लिए मैकेनिकल आर्म लगाई गई है। चीन का यह मिशन 53 दिन का है और इसे 3 मई को लॉन्च किया गया था। चीन का यह मिशन इस मायने में भी खास है क्योंकि इसने चांद के उस हिस्से पर लैंड किया है, जो हमेशा पृथ्वी से दूर रहा है और यहां पर कभी भी सूर्य की किरणें नहीं पड़ी हैं। ऐसे में इस क्षेत्र के नमूनों से वैज्ञानिक तौर पर अहम जानकारियां मिलने की उम्मीद है।

साल 2030 तक चांद पर मानव मिशन भेजेगा चीन

नमूनों के परीक्षण से इस बात का खुलासा हो सकता है कि चंद्रमा का निर्माण कैसे हुआ। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है और यह अमेरिका और रूस से मुकाबला करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम सैन्य उद्देश्यों के लिए हो सकता है। चीन ने साल 2030 तक चांद पर मानव मिशन भेजने का लक्ष्य तय किया है। अमेरिका भी चांद पर साल 2026 में फिर से मानव मिशन भेजने की योजना बना रहा है।

बेहद खास है ज्येष्ठ अमावस्या

हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के अगले दिन अमावस्या का पर्व मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु और पितरों की पूजा की जाती है। साथ ही गंगा स्नान, पितृ तर्पण, पितृ पूजा और पिंड दान आदि कार्य किए जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इससे जातक को पितृ दोष से छुटकारा मिलता है और अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

इस बार की ज्येष्ठ अमावस्या बेहद खास है। क्योंकि 06 जून को अमावस्या समेत 5 त्योहार और व्रत पड़ रहे हैं। पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की शुरुआत 05 जून को रात 07 बजकर 54 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 06 जून को शाम 06 बजकर 07 मिनट पर होगा। ऐसे में 06 जून को ज्येष्ठ अमावस्या को मनाई जाएगी। इस दिन स्नान करने का समय सुबह 04 बजकर 02 मिनट से लेकर 04 बजकर 42 मिनट तक है।

इस दिन एक साथ पड़ रहे हैं ये व्रत एवं पर्व

रोहिणी व्रत

जिस दिन सूर्योदय के बाद रोहिणी नक्षत्र पड़ता है, उस दिन रोहिणी व्रत किया जाता है। इस बार रोहिणी व्रत 06 जून को किया जाएगा। रोहिणी नक्षत्र हर महीने के 27 वें दिन पड़ता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान वासुपूज्य की पूजा करने से सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

वट सावित्री व्रत और शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल ज्येष्ठ अमावस्या तिथि 05 जून को रात 07 बजकर 54 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 06 जून को शाम 06 बजकर 07 मिनट पर होगा। उदयातिथि को देखते हुए इस बार वट सावित्री व्रत 06 जून 2024 को रखा जाएगा।

गुरुवार व्रत

सनातन धर्म में गुरुवार का दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन श्री हरि की पूजा करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही व्रत करने से जातक को मनचाहा वर मिलता है।

शनि जयंती और शुभ मुहूर्त

ज्येष्ठ अमावस्या तिथि की शुरुआत रात 07 बजकर 54 मिनट पर होगी और अगले दिन 06 जून को संध्याकाल 06 बजकर 07 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में 06 जून को शनि जयंती का पर्व मनाया जाएगा।

शनि जयंती पर इन मंत्रों का करें जाप

सभी परेशानियों का होगा अंत

ज्येष्ठ माह की अमावस्या पर शनि जयंती मनाई जाती है। इस बार शनि जयंती 06 जून को पड़ रही है। इस दिन शनि देव की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। साथ ही उनको प्रसन्न करने के लिए प्रिय चीजों का भोग लगाया जाता है। अगर आप भी शनि देव की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो शनि जयंती पर पूजा के दौरान इन मंत्रों का जाप करें। धार्मिक मान्यता है कि शनि मंत्रों का जाप करने से जातक को जीवन में आने वाली परेशानियों से मुक्ति मिलती है और शनि दोष दूर होता है।

भगवान शनिदेव के मंत्र

सफल जीवन के लिए मंत्र
अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व परमेश्वर।।
गतं पापं गतं दु:खं गतं दारिद्रय मेव च।
आगता: सुख-संपत्ति पुण्योऽहं तव दर्शनात्।।

शनिदेव का वैदिक मंत्र

ऊँ त्रयम्बकं यजामहे सुगंधिम पुष्टिवर्धनम ।
उर्वारुक मिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मा मृतात ।
ॐ शन्नोदेवीरभिष्टय आपो भवन्तु पीतये।शंयोरभिश्रवन्तु नः। ऊँ शं शनैश्चराय नम।
ऊँ नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।

शनि गायत्री मंत्र

ओम भगभवाय विद्महैं मृत्युरुपाय धीमहि तन्नो शनिः प्रचोद्यात्
शनि आह्वान मंत्र
नीलाम्बरः शूलधरः किरीटी गृध्रस्थित स्त्रस्करो धनुष्टमान् ।
चतुर्भुजः सूर्य सुतः प्रशान्तः सदास्तु मह्यां वरदोल्पगामी ।।

शनि आरोग्य मंत्र

ध्वजिनी धामिनी चैव कंकाली कलहप्रिहा।
कंकटी कलही चाउथ तुरंगी महिषी अजा।।
शनैर्नामानि पत्नीनामेतानि संजपन् पुमान्।
दु:खानि नाश्येन्नित्यं सौभाग्यमेधते सुखमं।।

शनि देव का महामंत्र

ओम निलान्जन समाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम।
छायामार्तंड संभूतं तं नमामि शनैश्चरम।।

शनि का पौराणिक मंत्र

ऊँ श्रां श्रीं श्रूं शनैश्चाराय नमः।
ऊँ हलृशं शनिदेवाय नमः।
ऊँ एं हलृ श्रीं शनैश्चाराय नमः।
ऊँ मन्दाय नमः।।
ऊँ सूर्य पुत्राय नमः।।

करियर-कार्यक्षेत्र में नहीं देखना पड़ेगा हार का मुंह

लाल किताब के इन उपाय से मिलेगी सफलता

लाल किताब मौलिक सिद्धांतों पर आधारित महत्वपूर्ण ज्योतिष ग्रंथ है। इस ग्रंथ में जातक की सभी परेशानियों के समाधान के बारे में वर्णन किया गया है। लाल के किताब के अनुसार, इस किताब के उपायों को करने से इंसान को धन की प्राप्ति होती है और धन संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। साथ ही जीवन सुखमय होता है। आइए जानते हैं लाल किताब के इन चमत्कारी उपाय के बारे में।

-घर के बड़े-बुजुर्गों की सेवा करें। रोजाना उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेना चाहिए। लाल किताब के अनुसार, इस उपाय को करने से करियर और कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है।

-सनातन धर्म में रोजाना गाय की सेवा करना शुभ माना गया है। क्योंकि गाय में 33 करोड़ देवी-देवता का वास माना गया है। रोजाना गाय की सेवा करने और रोटी खिलाने से आर्थिक तंगी से मुक्ति मिलती है।

-श्री यंत्र को साफ-सुथरे लाल कपड़े में रखें और पंचामृत से स्नान कराएं। इसके बाद इसे घर के मंदिर में स्थापित करना चाहिए और और रोजाना इसकी पूजा-अर्चना करें। माना जाता है कि ऐसा करने से जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

-यदि आप लंबे समय से संकटों का सामना कर रहे हैं, तो ऐसे में मंगलवार और शनिवार को सुबह स्नान करने के बाद हनुमान जी की पूजा करें और उन्हें लाल चोला अर्पित करें। इसके पश्चात बरगद के पेड़ के पत्ते पर आटे का दीपक जलाएं और उसे हनुमान जी के पास रख दें। ऐसा माना जाता है कि इस कार्य को करने से संकटों से छुटकारा मिलता है और करियर में सफलता प्राप्त होती है।

माला जाप में क्यों नहीं किया जाता तर्जनी उंगली का उपयोग?

मान्यताओं के मुताबिक, नियम के अनुसार मंत्र जाप करता है, तो उसे जीवन में अच्छे परिणाम देखने को मिलते हैं। मंत्र जाप के लिए अलग-अलग तरह की माला का भी प्रयोग किया जाता है जैसे तुलसी माला, कमलगट्टे की माला, रुद्राक्ष की माला आदि। लेकिन आपने देखा होगा कि माला जाप के दौरान तर्जनी उंगली का स्पर्श करना वर्जित माना जाता है, चलिए जानते हैं इसकी वजह।

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, तर्जनी उंगली यानी सीधे हाथ की पहली उंगली को अहंकार की उंगली के रूप में देखा जाता है। वहीं, मंत्र जाप का मकसद होता है अहंकार को त्यागना। ऐसे में यदि माला जाप के दौरान तर्जनी उंगली का प्रयोग किया जाए, तो इससे पवित्रता खंडित हो सकती है।

इस बात का वर्णन किया गया है कि यदि माला जाप के दौरान तर्जनी उंगली का उपयोग किया जाए, तो यह ईश्वर को उंगली दिखाने के बराबर होता है और ऐसा करना बिलकुल भी शुभ नहीं माना जाता। इसलिए माला जाप के दौरान तर्जनी उंगली का उपयोग भूलकर भी नहीं करना चाहिए।

आपने देखा होगा कि किसी भी विवाद आदि में या गुस्से में सामने वाले व्यक्ति को तर्जनी उंगली दिखाई जाती है। ऐसे में तिलक लगाने में इस उंगली का प्रयोग बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता। क्योंकि किसी को तिलक लगाना सम्मान देने का प्रतीक होता है। ऐसे में अंगूठे और अनामिका उंगली से उपयोग से तिलक लगाया जाता है।

भूलकर भी तुलसी पर न चढ़ाएं दूध मिला जल और ये 4 चीजें वरना रूठ जाएंगी मां लक्ष्मी

तुलसी का पौधा लगभग हर घर के आंगन में होता है, क्योंकि तुलसी को सनातम धर्म में माता के रूप में पूजा जाता है। उनकी देवी लक्ष्मी के स्वरूप में पूजा की जाती है लेकिन क्या आपको पता है कि तुलसी का पौधा घर में रखने से बरकत आती है और खुशहाली भी आती है? अगर हमारे घर में तुलसी का अनादर हो तो ये ठीक नहीं माना जाता है इसलिए तुलसी पर हर कोई सी वस्तु अर्पित नहीं करनी चाहिए। आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिष आचार्य पंडित योगेश चौरे से कि कौन-कौन सी हैं, वो चीजें जिन्हें तुलसी पर नहीं चढ़ाना चाहिए।

4 अशुभ चीजों को कभी भी तुलसी के पौधे पर अर्पित नहीं करना चाहिए। इससे आपको अशुभ फल की प्राप्ती हो सकती है।

दूध युक्त पानी

दुध मिला पानी कभी भी तुलसी के पौधे में नहीं डालना चाहिए वरना इससे तुलसी का पौधा सूख जाता है। तुलसी पर केवल शुद्ध और साफ जल अर्पित करना चाहिए।

जंगली फूल

तुलसी के पौधे पर कभी भी बेलपत्र, आंकड़ा या फिर धतूरे का फूल नहीं चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रुष्ट हो जाती हैं। क्योंकि देवी लक्ष्मी ऐश्वर्य की देवी कही जाती हैं और उन्हें यदि जंगली फूल चढ़ाए जाएंगे तो अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे।

तिल का तेल

तुलसी के पौधे में कभी भी तिल का तेल अर्पित ना करें। ऐसा करने से तुलसी का पौधा खराब हो सकता है। हालांकि सिर्फ तिल का तेल ही नहीं बल्कि कोई भी तेल तुलसी के पौधे पर ना चढ़ाएं। तुलसी में केवल गाय के गोबर की खाद ही डालनी चाहिए।

गन्ने का रस

गन्ने का रस तुलसी के पौधे को अर्पित ना करें, क्योंकि ये भगवान शिव को अर्पित किया जाता है। वहीं अगर आप तुलसी में कोई भी मिठी चीज डालते हैं तो इससे पौधे में कीड़े लग जाते हैं और इससे पौधे को नुकसान हो सकता है।

धरती से खुद ही प्रकट हुआ था यह शिवलिंग

फिर हुआ था ऐसा चमत्कार कि हैरान हो गए ग्रामीण

मुजफ्फरनगर में तमाम मंदिर हैं, जो कि अपनी अलग-अलग मान्यताओं को लेकर काफी प्रसिद्ध हैं। वहीं मुजफ्फरनगर में एक मंदिर ऐसा भी है, जो काफी प्रसिद्ध है। इस मंदिर में दूर-दूर से लोग दर्शन करने आते हैं। क्योंकि यह मंदिर जनपद मुजफ्फरनगर ही नहीं बल्कि अन्य जनपदों में भी काफी मशहूर है। बताया जाता है कि यहां पर सैकड़ों साल पहले स्वयं धरती से एक शिवलिंग प्रकट हुआ था। आज वहां पर भगवान भोले नाथ का मंदिर बना हुआ है। जिससे लोगों की काफी आस्था भी जुड़ी हुई है। मान्यता है कि जो भी भक्त यहां पर सच्चे मन से पूजा करता है, तो उसकी मन् की मुराद पूरी हो जाती है।

शिवमंदिर के पुजारी केशव नंद महाराज ने बताया कि यह शिवमंदिर बहुत ही प्राचीन है। यह मंदिर दूर-दूर तक चर्चित है। इस मंदिर को सांझक गांव में बने हुए करीब ढाई सौ साल से भी अधिक हो गया है। यहां शिवलिंग धरती से खुद प्रकट हुआ था, जिसे देखकर ग्रामीण भी अचंभित हो गये थे।

बताया जाता है कि ग्रामीणों के द्वारा शिवलिंग को धरती से बाहर निकालने की भी कोशिश की गई थी। लेकिन जब भी ग्रामीण धरती को खोदने और शिवलिंग को बाहर निकालने की कोशिश करते, तो तभी शिवलिंग और भी धरती के अंदर समा जाता था। जिसे देखकर सभी ग्रामीण भी हैरान रह गए थे।

लेकिन फिर एक दिन सांझक गांव के ही पास में बरवाला गांव के रहने वाले शिव भगत भगवानसा को सपने में भोलेनाथ के दर्शन हुए। शिव भगवान ने भगवानसा के सपने में आकर आदेश दिया कि जहां पर मेरा शिवलिंग निकला है, उस जगह पर मेरा मंदिर बनवाया जाए। तभी भगवानसा ने ग्रामीणों की सहमति और ग्रामीणों के समर्थन से इस मंदिर का निर्माण कराया।और स्वयं ही पैदल चलकर हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लाकर इस मंदिर में शिवलिंग का जलाभिषेक किया। तभी से यहां पर श्रद्धालु पूजा अर्चना करने लगे।

मंदिर के पुजारी ने बताया कि यह शिवलिंग बहुत ही चमत्कारी है, जो भी भक्त अपनी सच्ची श्रद्धा से भगवान भोलेनाथ को दूध या गंगाजल से शिवलिंग पर जलाभिषेक करता है और अपनी मन् की मुरादे भगवान भोलेनाथ से मांगता है तो भगवान भोलेनाथ उस भक्त की मन् की मुराद को जरूर पूरी करते हैं।

विचित्र किंतु सत्य : आस पास पानी की किल्लत, रुद्रलिंगों पर अविरल जलधारा, पांडवों की है ये तपोस्थली

राजस्थान के दौसा की भूमि संत महात्माओं की धरती है । यहां के कई मंदिर और धर्म स्थल प्रसिद्ध हैं। इनसे जुड़े कई किस्से और किंवदंतियां हैं। ऐसा ही एक स्थान है झांझीरामपुरा। कहते हैं यहां पानी की अविरल धारा बह रही है। लेकिन ये कहां से आ रही है कोई नहीं जानता।दौसा जिले में अनेक साधु संतों ने जन्म लिया। यहां कई मंदिरों से जुड़े अनेक रहस्य हैं जिनके बारे में कम ही लोग जानते हैं। ऐसा ही एक स्थल है बांदीकुई उपखण्ड क्षेत्र में पहाड़ियों से घिरा झांझीरामपुरा। जैसे जैसे इसके बारे में प्रसिद्धि फैल रही है ये जगह भी लोगों की आस्था का केन्द्र बनता जा रहा है। कहते हैं यहां पहाड़ों से झरने के रूप में गोमुख से अविरल जलधारा बहती है। यह पानी गौमुख कुण्ड से आगे स्थित बड़े कुण्ड से होकर बाहर वाले कुण्ड में होते हुए कमल कुण्ड में जाता है। पहाड़ी से गौ-मुख में होकर आने वाला पानी ऊपर किसी को दिखाई नहीं देता है। इस गौ-मुख में वर्षभर पानी आता है कुण्ड में लोग स्नान करते हैं।

झांझीरामपुरा तीर्थस्थल महाभारत काल की तपोभूमि है। अरावली के पहाड़ों में संत तपस्या करते थे। पांडवों ने वनवास के समय अस्त्र शस्त्रों की प्राप्ति के लिए बाबा भूरासिद्ध महाराज के सान्निध में रुद्रदेव की उपासना शुरू की थी। पांडवों और भूरासिद्ध महाराज की कठोर तपस्या से एकादश रुद्र प्रकट हुए। उसी दिन से रुद्रों के ऊपर गंगा जल से अविरल जलाभिषेक हो रहा है। मंदिर के

गर्भगृह में भगवान शिव और उनके वामांग में माॅ पार्वती नंदी पर हैं। भगवान शिव के बायीं और दायीं तरफ पांच-पांच रुद्रलिंग प्रतिष्ठित हैं। इन सभी एकादश रुद्रों पर प्रकृति स्वयं जलाभिषेक कर रही है।

स्थानीय महिला कमला ब्याडवाल बताती हैं झांझीरामपुरा धार्मिक स्थल के आसपास पानी की विकट समस्या होने लगी है। लेकिन झांझीरामपुरा धार्मिक स्थल पर लगातार गोमुख से पानी आ रहा है। ये पानी कहां से आता है इसके बारे में कोई नहीं जानता। यहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु विशेष कर श्रावण मास में आते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया श्रावण मास में प्रथम सोमवार महिला पुरुषों की अधिक संख्या रहती है। यहां मेला भी लगता है। हालांकि श्रावण माह के सभी सोमवारों को महिलाएं अधिक पहुंचती हैं। विशेष कर जन्माष्टमी पर यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहते हैं।

दौसा जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूरी पर यह धार्मिक स्थल है। बांदीकुई उपखंड क्षेत्र का आखिरी गांव है। अलवर गंगापुर मेगा हाईवे से इसकी करीब 5 किलोमीटर की दूरी है। इसके लिए श्रावण महीने में तो किराए पर वाहन मिल जाते हैं लेकिन अन्य महीनों में यहां आने की कोई व्यवस्था नहीं है। ज्यादातर श्रद्धालु अपने निजी वाहन से यहां आते हैं।

अर्जुन संग ब्रेकअप रूमर्स के बीच मलाइका ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर अपने ब्रेकअप रूमर्स को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर 5 साल की डेटिंग के बाद एक-दूसरे से अलग हो गए हैं। हालांकि मलाइका के मैनेजर ने इन खबरों पर पूर्णविराम लगाते हुए इन्हें केवल अफवाह ही बताया था। लेकिन अब मलाइका अरोड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी से एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जिसे अर्जुन कपूर के साथ जोड़कर देखा जा रहा है।

लिखा– वह जब कहे...

मलाइका अरोड़ा ने अपने पोस्ट में लिखा, जब वो कहते हैं कि आप नहीं कर सकते तो उसे दो बार करिए और उसका फोटो जरूर लीजिए। मलाइका अरोड़ा के इस पोस्ट के सामने आने के बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि एक्ट्रेस ने यह ताना अर्जुन कपूर को मारा है। बता दें कि अर्जुन ने भी बीते दिन अपने ब्रेकअप रूमर्स के बीच एक ऐसा ही क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया था। जिसमें अर्जुन ने लिखा था, हमारे पास जिंदगी में दो विकल्प होते हैं। हम अपने अतीत के या तो कैदी बन सकते हैं या फिर भविष्य की संभावनाओं के एक्सप्लोरर। अर्जुन कपूर के इस पोस्ट को देखकर फैंस भी सकते में पड़ गए थे कि कहीं दोनों के ब्रेकअप की खबर असली तो नहीं है। बता दें कि एक इंटरव्यू के दौरान सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की थी कि मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर का ब्रेकअप हो गया है। उन्होंने कहा था, मलाइका और अर्जुन का रिश्ता बेहद खास है और उनके लिए हमेशा एक-दूसरे के दिलों में खास जगह रहेगी। उन्होंने अलग होने का फैसला कर लिया है और इस मामले में वह दोनों सम्मानजनक चुप्पी बनाए रखेंगे। वह दोनों अपने रिश्ते में किसी को भी टिप्पणी करने की इजाजत नहीं देंगे। हालांकि बाद में मलाइका के मैनेजर ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा था कि नहीं-नहीं, यह सब केवल अफवाह है। बता दें कि मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर साल 2019 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। मलाइका ने साल 2019 में अर्जुन के बर्थडे वाले देनि अपना रिश्ता ऑफिशियल किया था।

सलमान खान से शादी करने पर अड़ी फीमेल फैन को पुलिस ने पकड़ा

पनवेल फार्म हाउस पर हुआ जमकर हंगामा!

बॉलीवुड इंडस्ट्री के सुपरस्टार सलमान खान लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। हाल ही में सलमान खान पर हमला करने की फिराक में चार शूटर्स को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वहीं, सलमान खान इटली में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के सेकेंड प्री-वेडिंग फंक्शन में शामिल होकर इंडिया लौटे और एक दिल्ली की महिला के चलते सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, सलमान खान के मुंबई में पनवेल फार्म हाउस के बाहर दिल्ली की एक लड़की घूम रही थी और उनसे शादी करने की मांग कर रही थी। लड़की को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और काउंसलिंग के लिए एक एनजीओ में भेज दिया है। आइए जानते हैं कि आखिर पूरा मामला क्या है।

सलमान खान से शादी करना चाहती है फैन गर्ल

'टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली की एक 24 वर्षीय लड़की खुद को सलमान खान का बहुत बड़ा फैन बताया और उनसे मिलने के लिए पनवेल फार्म हाउस के बाहर पहुंच गई। सलमान खान उस समय अपने फार्म हाउस पर नहीं था। हालांकि, ग्रामीणों ने तुरंत ही नजदीकी पुलिस स्टेशन में सूचना दी और उस लड़की की हरकतों को वीडियो में रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद पनवेल तालुका पुलिस ने लड़की को हिरासत में ले लिया है और काउंसलिंग के लिए एक एनजीओ को सौंप दिया है। रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि लड़की ये कहते हुए सुना गया कि वह सलमान खान से शादी करना चाहती है।

सलमान खान पर हमले की हो रही थी प्लानिंग

गौरतलब है कि सलमान खान के मुंबई में घर पर 14 अप्रैल को बाइकसवार दो हमलावरों ने तीन राउंड फायरिंग की थी। इसके बाद मुंबई पुलिस ने अलग-अलग राज्यों से छह लोगों को गिरफ्तार किया था। वहीं, मुंबई पुलिस ने 1 जून को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है जो सलमान खान पर हमला करने की प्लानिंग कर रहे थे। इन लोगों ने सलमान खान के फार्म हाउस और कई शूटिंग लोकेशन की रेकी की थी। इन चारों को सलमान खान पर एके-47 सहित कई अन्य हथियारों से फायरिंग करने का आदेश दिया गया था। सलमान खान पर हमला करने के लिए पाकिस्तानी हथियार सप्लायर से हथियार मंगवाने की प्लानिंग हो रही थी।

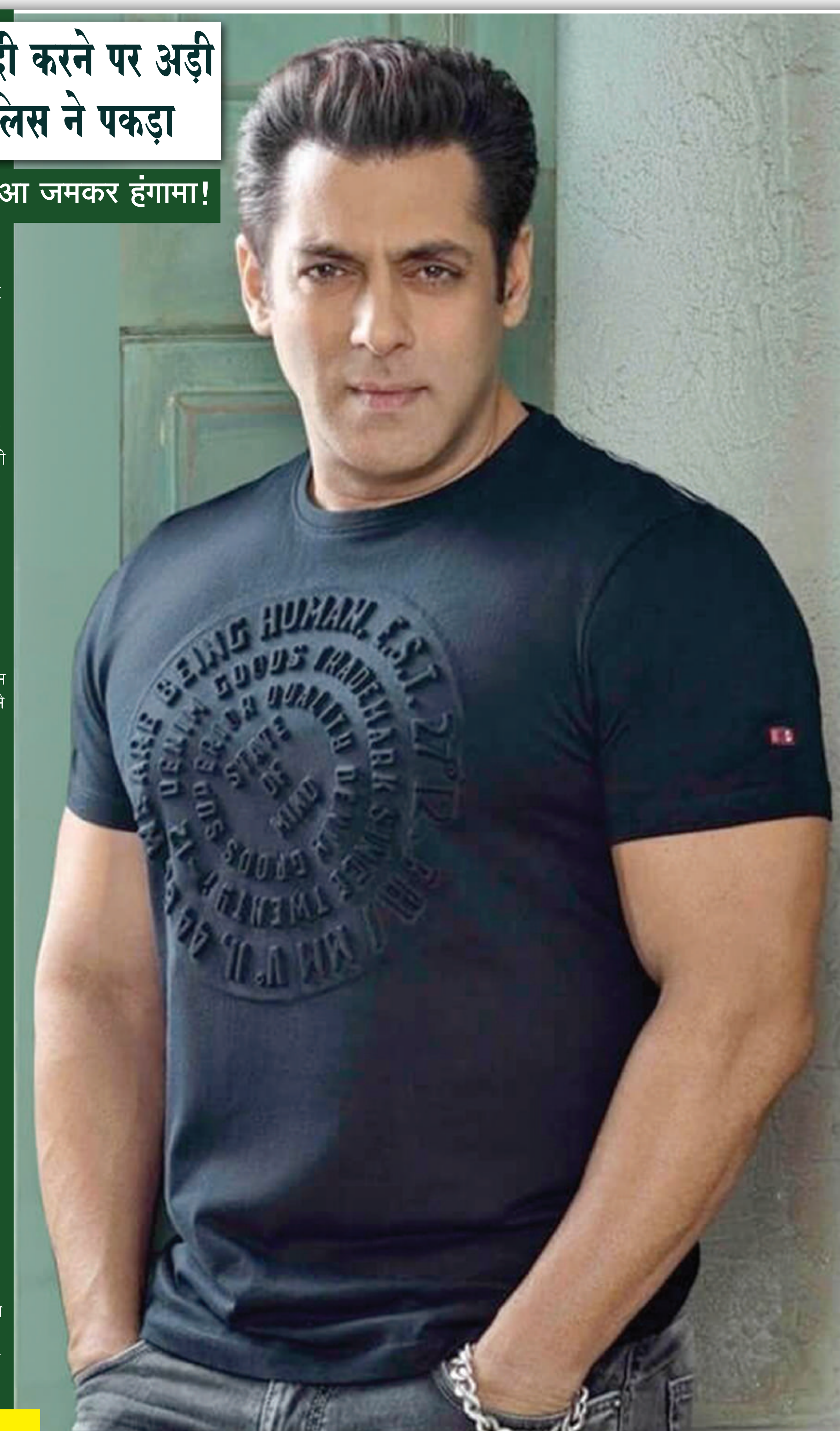

विजय सेतुपति की सस्पेंस-थ्रिलर महाराजा का ट्रेलर रिलीज

अभिनेता का दिखेगा खूंखार रूप

साउथ के पॉपुलर एक्टर विजय सेतुपति कई सालों से इंडस्ट्री में छाए हुए हैं। फिल्म महाराजा उनके करियर की 50वीं फिल्म है और इस बार आपको उनके करियर की जबरदस्त फिल्म देखने को मिलेगी। फिल्म महाराजा का ट्रेलर रिलीज हुआ है जिसमें उनका बहुत ही अलग कैरेक्टर देखने को मिलेगा। इस फिल्म में अनुराग कश्यप विलेन के रूप में नजर आएंगे और ट्रेलर में उनकी झलक भी दिखाई गई है।विजय सेतुपति ने फिल्म महाराजा का पोस्टर शेयर करते हुए दिखाया था कि उनका रूप कितना खूंखार हो सकता है। अब ट्रेलर देखकर आप समझ ही जाएंगे कि विजय किसी मिशन पर निकले हैं और उन्हें कितनी परेशानियों का सामने करना पड़ता है। फिल्म महाराजा का ट्रेलर तेलुगू भाषा में रिलीज किया गया है।अपनी 50वीं फिल्म में विजय सेतुपति ने जो पोस्टर शेयर किया था उसमें वो खून से लतपथ नजर आए। इसे देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये फिल्म एक्शन और सस्पेंस से भरपूर होने वाली है। पोस्टर्स सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुए और इसके बाद से ट्रेलर का इंतजार होने लगा।फिल्म का निर्देशन निथिलन समिनाथन ने किया है और इस फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। निथिलन समिनाथन साउथ के पसंदीदा निर्देशक हैं जिन्होंने कई सुपरहिट फिल्में बनाई हैं। पहले देखें फिल्म का ट्रेलर-ट्रेलर में आप देख सकते हैं कि विजय सेतुपति पुलिस से कुछ कहने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन कोई उनकी बात समझ नहीं पा रहा है। ऐसा आधे ट्रेलर में दिखाया गया लेकिन उतनी देर में आप समझ जाएंगे कि कुछ सस्पेंस तो फिल्म में है जो काफी तगड़ा होने वाला है।वहीं ट्रेलर के अंत में अनुराग कश्यप को दिखाया गया जो विलेन के तौर पर नजर आए। फिल्म महाराजा का ट्रेलर तेलुगू भाषा में लेकिन उम्मीद है कि ये हिंदी में भी रिलीज की जा सकती है। फिल्म की रिलीज अभी सामने नहीं आई है, ट्रेलर में कमिंग सून लिखकर आया है तो इससे जुड़ी और अपडेट के लिए आपको थोड़ा इंतजार करना होगा।

वरुण धवन ने पापा बनने के बाद शेयर किया पहला पोस्ट

नताशा दलाल ने बेटी को दिया जन्म

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा दलाल माता-पिता बन चुके हैं। इस कपल ने साल 2021 में शादी की थी और 3 जून को नताशा दलाल ने बेटी को जन्म दिया है। वरुण धवन ने पिता बनने के बाद सोशल मीडिया पर पहला पोस्ट शेयर किया है और बताया है कि वह और उनकी पत्नी नताशा दलाल बेटी के पेरेंट्स बने हैं। वरुण धवन ने पोस्ट के जरिए खुशी जाहिर की है। वहीं, वरुण धवन के सोशल मीडिया पोस्ट पर उनके फैंस के अलावा तमाम सेलिब्रिटीज उन्हें बधाई दे रहे हैं। आइए देखते हैं कि वरुण धवन ने अपने पोस्ट में क्या लिखा है।

वरुण धवन और नताशा दलाल को मिल रही बधाई

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के एक्टर वरुण धवन की पत्नी नताशा दलाल ने 3 जून को मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में बेटी को जन्म दिया है। वरुण धवन ने पिता बनने के बाद 4 जून को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ वरुण धवन ने लिखा है, हमारी बेबी गर्ल आ गई है। आप सबका बहुत-बहुत आभार बेटी और उनकी मां के लिए दुआएं देने के लिए। हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे। वरुण धवन के पोस्ट पर फैंस बधाई दे रहे हैं। वहीं, शहनाज गिल, मौनी रॉय, करीना कपूर, रकुल प्रीत सिंह, ईशा गुप्ता, परिणीति चोपड़ा, रेमो डिसूजा, प्रियंका चोपड़ा, नेहा शर्मा सहित तमाम सेलिब्रिटीज ने वरुण धवन और नताशा दलाल को माता-पिता बनने पर बधाई दी है।

वरुण धवन और नताशा दलाल ने साल 2021 में की शादी

बताते चलें कि वरुण धवन और नताशा दलाल ने साल 2021 की जनवरी में शादी की थी और ये कपल शादी के तीन साल बाद माता-पिता बने हैं। वरुण धवन और नताशा दलाल बचपन के दोस्त हैं औ दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। वरुण धवन और नताशा दलाल ने लंबे समय तक डेटिंग करने के बाद ने शादी की थी। वरुण धवन के काम की बात करें तो वह फिल्म 'बेबी जॉन' में काम करते नजर आएंगे। इस फिल्म में वरुण धवन का खतरनाक अंदाज दिखाई देने वाले हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज छात्रों के लिए सुनहरा दिन रहेगा , आपकी लोकप्रियता दिनोंदिन बढेगी . इस अवधि के दौरान व्यवसाय के हिसाब से यात्रा हो सकती हैं. आपके द्वारा अपनी पूरी कार्य क्षमता का प्रयोग आपको हर हल में सफल बनाएगा. प्रेमी जोडों के लिए समय शुभ नहीं है. आपको अपने जीवनसाथी का ख्याल रखने की जरुरत है. सहोदर सम्बन्ध मे कुछ मतभेद आ सकते हैं. चिकनाई वाला भोजन आप को हृदय सम्बंधित तकलीफ दे सकता हैं संतुलित आहार लें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

तकनीकी क्षेत्र से जुडे हुए व्यवसायी को अधिक महनत करनी पडेगी उस के बाद भी आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे. आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा. किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा. निजी क्षेत्र मे जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद है. सोचे हुए सभी काम समय पर पूरे होंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. आप की सन्तान कन्या के रूप मे है तो कुछ ना कुछ उपहार जरूर दे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कलाकार हैं तो आप की बडे स्तर पर पहचान बनेगी धन कोष मे भी बढोत्तरी होगी नयी कम्पनी से जुड़ने का आफर भी मिल सकता हैं. अपने जीवन साथी की इच्छाओं को आप पूरा करने का भरपूर प्रयास करेंगे रिश्तोमे मे मीठास बढेगी। ध्यान रखें रिश्तों के प्रति अपनी इच्छाओं को इतना न बढ़ाते चले जाएं कि उसका बुरा असर अपने जीवन रेखा की धारा को ही मोड दें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह बडे बुजुर्गो का सम्मान एवं आशीर्वाद लेकर चलें। कठिनाइयों को दूर करने मे आप सक्षम होंगे. आपकी मेहनत का बरोबर महन्ताना आप को मिलेगा आज व्यावसायिक रूप से आपके पास अपने आर्थिक पक्ष को बढाने के लिए बहुत अच्छे अवसर होंगे. आज साझेदारी का कारोबार भी आप को लाभ की स्थिति मे ले आएगा बढे हुए व्यय के कारण साझेदारी मे कुछ समस्याएं आ सकती है. आज आप थोड़े लापरवाह मूड में हो सकते हैं। आप को पारिवारिक जरुरतों को पहले पूरा करना चाहिए सेहत तंदुरुस्त रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज धार्मिकता मन मे बढेगी आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा. शिक्षकों को अपने छात्रों पर कड़ी मेहनत करने की जरुरत है. किसी भी काम को शुरूआत करने से पहले जीवनसाथी से राय– मशविरा कर लेने से अच्छा रहेगा. आप कहीं लंबी यात्रा पर जा सकते हैं. कुछ मामलों में आप अपनी बातों पर कायम नहीं रह पायेंगे.कोई नया दोस्त बन सकता है. शाम का समय कठिन परिस्थितियो वाला हो सकता हैं अपने भरोसेमंद साथीयो से मदद मिल जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अपनी शारीरीक क्षमताओं के बलबूते अपने विरोधियों को परास्त करने मे सफल होंगे अपने काम को भी आगे बढाएंगे . आप अपनी बुरी आदतों को छोड़ कर अच्छी आदतों को अपनाना चाहेंगे. आप अपने रिश्तों पर भी एक नजर डालेंगे और उन्हें और अच्छा बनाने की सोचेंगे. आज अज्ञात कारण वश मन चिंतित रहेगा. प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा. कामकाज के क्षेत्र में भी अपने साथीयों का पूरा सहयोग रहेगा , स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपनी कार्यशैली को सुधारने की आवश्यकता हैं किसी सहकर्मी की मदद लेने की जरुरत पडेगी . आपको अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेंगे. राजनीति मे नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं. मीडिया से जुड़े क्षेत्रों के लोगों के पास खुद को व्यस्त रखने के लिए पर्याप्त काम होगा. बच्चे और परिवार भी आप की सफलता का भरपूर आनंद उठांएगे . अपने बच्चों के लिए विवाह के लिए नये रिश्ते आ सकते हैं आप की जिम्मेदारी पूरी हो सकती हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कुछ जरुरतमंदो को अनाज दान करें सहयोग करें आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा. आप को बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. आमदनी में इज़ाफ़ा होने के आसार नज़र आ रहे हैं. पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे. आप सामाजिक क्षेत्र से जुड़े हुए है तो आज यात्रा का बन रहा हैं. घर परिवार का वातावरण शांतिदायक रहेगा. आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान रहेगा. कुछ अन्तराल के बाद परिवार के साथ पहाड़ी क्षेत्र पर सैरसपाटे के लिए जाएंगे

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन तो शान्त रहेगा परन्तु नौकरी में संगी–साथी से मतभेद के चलते कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है. किसी भी चीज को छोटा न समझें, आप के जीवन मे नए संबंध बन सकते हैं आप के लिए लाभकारी रहेगा . वाहन खरीदने के योग बनेंगे सुख–सौभाग्य बना रहेगा. कारोबार के क्षेत्र का वातावरण अनुकूल रहेगा. सभी कार्य किसी रूकावट के बिना पूर्ण होंगे। गणेश जी को बूंदी के लड्डू का भोग लगाए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन सम्बन्धित चिंता से मुक्त रहेंगे परन्तु स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं आर्थिक मामलों में सुधार होगा. जो काम आरंभ करेंगे उस मे सफ़लता मिलेगी. प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपका मिलना होगा और इससे आपको फायदा भी होगा. लाभप्रद सौदे हाथ लगेंगे. परिवार के साथ आनंददायी समय बीतेगा. बच्चे शिक्षा पढाई को लेकर आप को परेशान कर सकते हैं योग प्राणायाम करते रहें तभी स्वास्थ्य सुधरेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज गणेश मंत्र का जप करके ही कार्य का आरंभ करें धन लाभ निश्चित होगा आपका दिन शानदार रहेगा. लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा. अगर आप हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखते हैं तो गणेश जी के मंत्र के साथ सरस्वती मंत्र का जप करें .
शिक्षा मे उन्नति होगी बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेंगें. घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य उत्तम रहेगा. नियमित कामकाज में आपका मन लगेगा. रोजमर्रा के कामों से फायदा होगा. अगर आप का पैसा कारोबार में रूका हुआ हैं तो बहते हुए जल मे आटा और चीनी प्रवाहित करें पैसा वापस मिलेगा.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सतर्क रहना पडेगा अकस्मात कुछ घट सकता हैं प्रातः काल सूर्य को अर्घ्य और शिवमंत्र का जप करें आज आप का मान–सम्मान बढ़ेगा और धनलाभ होगा. हर काम को बड़ी कुशलता से निपटा लेंगे. भावनाओं में बहकर किसी अनुचित काम ना करें. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है. नौकरी मे मुश्किलें बन रही है तो अपने मित्रों का सहयोग लेने से मत कतराएं आप का आसान हो जाएगा ।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 05 जून 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 07:57 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 09:17 तक
योग : सुकर्मा रात्रि12:35 तक
करण : विष्टि प्रात: 08:58 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:40, सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33, सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रात: 08:57 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नायब तहसीलदार को 35 सौ रिश्वत लेते एसीबी ने पकड़ा

रजिस्ट्री करने की एवज में मांगे थे रुपए

भरतपुर,04 जून (एजेंसियां)। भरतपुर एसीबी की टीम ने सोमवार शाम बयाना उपखंड के झील का बाड़ा उप तहसील कार्यालय में कार्रवाई करते हुए नायब तहसीलदार को 35 सौ की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। रिश्वत की ये राशि विक्रयनामा की रजिस्ट्री करने की एवज में ली गई थी। फिलहाल एसीबी कार्रवाई को अंजाम देने में जुटी है।

बता दें कि झील का बाड़ा उप तहसील कार्यालय फिलहाल लहचोरा कलां के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में चल रहा है।

एसीबी भरतपुर के एडिशनल एसपी अमित सिंह ने बताया कि परिवादी ने ब्यूरो में शिकायत दर्ज करते हुए बताया कि जमीन के विक्रयनामा की रजिस्ट्री करने की एवज में झील का बाड़ा उप तहसील का नायब तहसीलदार बाल स्वरूप धाकड़ 35 सौ की रिश्वत मांग रहा है।

इस पर शिकायत का सत्यापन कराया गया सत्यापन में शिकायत सही पाए जाने पर सोमवार शाम एसीबी ने अपना जाल बिछाया और नायब तहसीलदार बाल स्वरूप धाकड़ को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। टीम फिलहाल रिश्वत के आरोपी नायब तहसीलदार से पूछताछ में जुटी है। उसके आवास और अन्य ठिकानों पर सर्च की कार्रवाई की जाएगी।

दस हजार की रिश्वत लेते हुए सिपाही गिरफ्तार

शराब तस्करी में जब्त गाड़ी छुड़ाने के लिए मांगी थी घूस

उदयपुर,04 जून (एजेंसियां)। शहर पुलिस का सवीना थाना का सिपाही मुकेश चौधरी को एसीबी की स्पेशल यूनिट ने मंगलवार सुबह एक शराब तस्कर से 10 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। कॉन्स्टेबल मुकेश चौधरी ने शराब तस्कर प्रभुलाल को अपना परिचय मालखाना इंचार्ज बताकर रिश्वत ली थी।

मामला के अनुसार प्रभुलाल शराब तस्कर होने के साथ ही बस मालिक भी है। वह अपनी बस खुद चलाता है। 15 दिन पूर्व वह अपनी बस में 22 पेटी अंग्रेजी शराब लेकर गुजरात जा रहा था। सवीना थाना क्षेत्र में आबकारी विभाग की पुलिस ने उसे माल सहित गिरफ्तार कर लिया था। प्रभुलाल और उसके एक सहयोगी को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजा था और बस जब्त कर ली थी।

न्यायिक हिरासत से जमानत पर छूटने के बाद प्रभुलाल सवीना थाने पहुंचा व कॉन्स्टेबल मुकेश चौधरी से बस छुड़ाने को कहा। मुकेश ने आबकारी विभाग में पत्रावली पेश कर गाड़ी छुड़ाने के बदले 10 हजार रुपए मांगे और रिश्वत की राशि लेकर सवीना रेल अंडर पास के पास बुलाया। प्रभुलाल ने इस मामले में एसीबी को पहले ही इत्तला कर दी थी, इसी के चलते एसीबी ने कॉन्स्टेबल मुकेश चौधरी को रिश्वत की राशि सहित रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

न्याय मांगने के लिए पानी की टंकी पर चढ़ा परिवार

प्रशासन की मिलीभगत से जमीन छीनने का आरोप

दौसा,04 जून (एजेंसियां)। दौसा के सिकंदरा थाना क्षेत्र में जमीन की दोबारा पैमाइश करवाने की मांग को लेकर एक परिवार पानी की टंकी पर चढ़ गया। पीड़ित पक्ष का कहना था कि दूसरे पक्ष ने प्रशासन के साथ मिलकर उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया है। परिवार करीब 40 घंटे तक अपनी मांगों को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ा रहा।

मामला बीते रविवार का है, जहां कैलाई गांव में स्थित एक ही परिवार के 4 लोग पानी की टंकी पर चढ़ गए और दूसरे पक्ष पर प्रशासन और पुलिस के सहयोग से जमीन हथियाने का आरोप लगाया। पीड़ित पक्ष का कहना था कि दूसरे पक्ष ने प्रशासन से मिलीभगत करके उनकी जमीन छीन ली है। जिसके चलते पीड़ित पक्ष का कहना था कि प्रशासन जमीन की फिर से पैमाइश करे । मामले में प्रशासन ने टंकी पर चढ़े लोगों को समझाइश के बाद दोबारा पैमाइश का आश्वासन देकर नीचे उतारा।

भीलवाड़ा में भाजपा की हैट्रिक

साढ़े तीन लाख से ज्यादा वोटों से जीते दामोदर अग्रवाल

भीलवाड़ा,04 जून (एजेंसियां)। भीलवाड़ा संसदीय क्षेत्र में भाजपा ने जीत की हैट्रिक दर्ज की है। यहां दस साल बाद कांग्रेस की वापसी की उम्मीद धरी रह गई। पिछला चुनाव भाजपा 6 लाख 12 हजार मतों के अंतर से जीती थी लेकिन इस बार यह अंतर आधा ही रह गया।

लगातार तीसरी बार इस जीत से भाजपा एवं अग्रवाल के समर्थकों में भीलवाड़ा से लेकर शाहपुरा जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है। जीत के बाद भीलवाड़ा में अग्रवाल के आवास पर उत्सव का माहौल हो गया।

काउंटिंग में शुरुआत से ही अग्रवाल ने बढ़त बनाए रखी थी और दोपहर तीन बजे तक उन्होंने साढ़े तीन लाख से ज्यादा की लीड हासिल कर ली। इस खुशी में उनके निवास स्थान सहित जिला भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं और परिजनों ने पटाखे फोड़े और ढोल–नगाड़े बजाकर जश्न मनाया। वहीं कांग्रेस के जिला मुख्यालय पर सन्नाटा पसरा रहा। अपनी जीत पर भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल ने कहा कि मैं जनप्रतिनिधि के रूप में लोकसभा में पहुंच रहा हूं, इसलिए क्षेत्र की जनता को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए कठोर परिश्रम करूंगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर राजस्थान में भीलवाड़ा के विकास को शानदार बनाएगी। उन्होंने अपनी जीत के लिए स्थानीय जनता और कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया।

सिलेंडर में लीकेज के कारण चाय नाश्ते की दुकान में लगी आग

सारा सामान जलकर खाक हुआ

करौली,04 जून (एजेंसियां)। सिलेंडर की नली में लीकेज के कारण करौली में कोर्ट परिसर स्थित चाय–नाश्ते की दुकान में आग लग गई। दुकान मालिक गोविंदशरण शर्मा ने बताया कि आग से दुकान में रखे फ्रीज, मोबाइल, फर्नीचर और खाने–पीने का सामान जलकर खाक हो गया।आग से हुए नुकसान का आकलन करते हुए दुकान मालिक ने बताया कि आग लगने से करीब दो–ढाई लाख रुपए का नुकसान हुआ है। आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

बाजरे की फसल के बीच गांजे की खेती करने के मामले में एक गिरफ्तार

112 अवैध पौधे जब्त

सिरोही,04 जून (एजेंसियां)। जिले की अनादरा पुलिस द्वारा हडमतिया में मुडिया फॉर्म पर बाजरे की फसल की आड़ में गांजे की अवैध खेती कर रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपी के पास से गांजे के 112 पौधे भी जब्त किए गए हैं।हडमतिया में मुडिया फॉर्म पर बाजरे की फसल की आड़ में गांजे की अवैध खेती करने की सूचना पर अनादरा पुलिस ने थानाधिकारी हिंगलाजदान की अगुवाई में दबिश देकर गांजे के 112 पौधों सहित उदाराम कोली को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

अज्ञात बदमाशों ने सूचना सहायक को चाकू मारकर घायल किया

उदयपुर,04 जून (एजेंसियां)। कल रात ड्यूटी खत्म करके घर लौट रहे सेमारी तहसील के सूचना सहायक राहुल मीणा को कल रात कुछ अज्ञात बदमाशों ने चाकू मार दिया। उदयपुर के महाराणा भूपाल अस्पताल में भर्ती गंभीर घायल राहुल की आज सुबह मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार सूचना सहायक राहुल मीणा सोमवार को अपनी ड्यूटी खत्म करके अपने घर जा रहा था तभी ऋषभदेव मोड़ पर एक बाइक पर बैठकर आए तीन लोगों ने राहुल को रुकने का इशारा किया और उसके पेट में चाकू मार दिया और फरार हो गए। वारदात के समय आसपास मौजूद लोगों ने गंभीर हालत में राहुल को सेमारी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, उसके बाद उसे उदयपुर रैफर कर दिया गया था, जहां आज सुबह उसकी मौत हो गई।

मेहरड़ा में युवक ने पत्नी व बेटे की हत्या कर लगाया फंदा

टीवी की तेज आवाज करने पर दिया वारदात को अंजाम

जींद,04 जून (एजेंसियां)। जींद के गांव मेहरड़ा में युवक ने पत्नी और बेटे की हत्या कर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जींद के सामान्य अस्पताल में भिजवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने मौके पर एफएसएल टीम को भी बुलाया। टीम ने मौके पर पहुंचकर तत्थ जुटाए।

मेहरड़ा गांव निवासी 35 वर्षीय सोनू लेबर की कॉपी बनाने का काम करता था। बीती रात उसने अपनी पत्नी 32 वर्षीय पत्नी पिंकी और 10 साल के बेटे हेमंत की तेजधार हथियार से हत्या दी। धटना का पता सुबह उस समय लगा जब सोनू के बड़े भाई का लड़का दूध लेने के लिए आया तो मंजर को देख लड़के तेज आवाज लगाई। आवाज सुनकर उसकी मां मौके पर पहुंची और उसने आस पास के लोगों को बुलाया। सोनू की 11 साल पहले जींद जिले के बधाना गांव में शादी हुई थी।

मेहरड़ा गांव में आस पास के लोगों ने बताया कि सोनू छत पर बने कमरे में परिवार सहित रहता था जबकि नीचे उसका बड़ा भाई सतीश रहता है। सतीश बिजली का काम करता है और रात की डयूटी पर गया हुआ था। रात के समय सोनू ने टीवी की तेज आवाज कर दी और बेहरमी से पत्नी और बेटे की हत्या कर दी और खुद भी छत पर बने बरामदे में रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

भाई गया था डयूटी पर मां गई थी मायके, रच दी वारदात

मेहरड़ा गांव निवासी सोनू रोहतक में मजदूरी की कॉपी बनाने का काम करता था और उसका भाई रोहतक पीजीआई में बिजली का काम करता था जो कि रात की समय डयूटी पर गया हुआ था। सोनू की मां उसके मामा के घर गई हुई थी। घर पर सतीश की पत्नी और एक लड़का नीचे सो रहे थे।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जींद के सामान्य अस्पताल में भेज दिया है। हत्या क्यों की गई है इसका खुलासा नही हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लोकसभा चुनाव : दक्षिण कन्नड़ उडुपी पर भाजपा का कब्जा जारी

बृजेश चौटा और कोटा श्रीनिवास पुजारी जीते

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ से भाजपा उम्मीदवार कैप्टन बृजेश चौटा और उडुपी से कोटा श्रीनिवास पुजारी दोनों जिलों में विजयी हुए हैं।

सेना के दिग्गज कैप्टन बृजेश चौटा को भाजपा पार्टी से टिकट मिला है। उन्होंने दक्षिण कन्नड़ से तीन बार सांसद रहे नलिन कुमार कटील का स्थान लिया है। कैप्टन बृजेश चौटा को 6 लाख से अधिक वोट मिले। कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार पद्मराज आर पुजारी को 5 लाख वोट मिले। उडुपी चिक्कमगलूरु लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की ओर से अनुभवी राजनेता और पूर्व विपक्ष के नेता कोटा श्रीनिवास पुजारी को चुना गया। उडुपी-चिक्कमगलूरु जिले की समस्याओं को समझते हुए भाजपा पार्टी ने दो बार की विजेता शोभा करंदलाजे को बेंगलूरु उत्तर निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया। कोटा श्रीनिवास पुजारी ने फिर से अभूतपूर्व बढ़त हासिल करते हुए 7,27,393 वोट हासिल किए, जबकि कांग्रेस के जयप्रकाश हेगड़े को 4,70,215 वोट मिले। इसके साथ ही कोटा श्रीनिवास पुजारी ने 2,57,178 वोटों की बढ़त हासिल कर ली है। इसके अलावा उडुपी-चिक्कमगलूरु निर्वाचन क्षेत्र में 11,223 प्रतिशत नोटा वोट दर्ज किए गए हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए कोटा श्रीनिवास पुजारी ने कहा मैं उन सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने भाजपा को वोट दिया है। मैं इस चुनाव के दौरान पार्टी के सभी सदस्यों के समर्पण और समर्थन के लिए भी उनका धन्यवाद करता हूं।

उडुपी और चिक्कमंगलूरु जिले के लोग नरेंद्र मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने मुझे वोट दिया है। एनडीए को पूर्ण बहुमत मिलेगा, हमारा अनुमान है कि उसे कम से कम 295 सीटें मिलेंगी। हालांकि हम अपनी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं, लेकिन यूपी, पश्चिम बंगाल और राजस्थान को लेकर हमारी भविष्यवाणी गलत साबित हुई। कांग्रेस पार्टी ने वादा किया था कि वे सभी महिलाओं को करीब 1 लाख रुपये देंगे, जिससे कुछ गणित बदल गए।

एक बार फिर जीत हासिल की

लेकिन हमें खुशी है कि एनडीए गठबंधन ने एक बार फिर जीत हासिल की है। हमें कर्नाटक में 20 से अधिक सीटें मिलने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 को हटाने से लेकर अयोध्या में राम मंदिर निर्माण तक देश के लिए बहुत काम किया है। देश की जनता कांग्रेस की असलियत जानती है, फिर भी वे उनके झूठे वादों में फंस जाते हैं। मैं संसद स्तर पर लोगों की समस्याओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए जल्द ही हिंदी और अंग्रेजी भी सीखूंगा।

प्रज्वल रेवन्ना यौन शोषण मामला

हासन सांसद की आवाज के नमूने जांच के लिए भेजे जाएंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यौन उत्पीड़न के कथित मामले में हासन के 33 वर्षीय सांसद प्रज्वल रेवन्ना से पूछताछ कर रहे एसआईटी अधिकारियों को उनसे पूछताछ करने में दिक्कत हो रही है, क्योंकि कथित तौर पर वे उनके सभी सवालों पर चुप्पी साधे हुए हैं।

पूछताछ में कोई प्रगति न होने पर अधिकारी अब उनकी आवाज के नमूने फोरेंसिक जांच के लिए भेजेंगे, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे कथित अश्लील वीडियो में मौजूद आवाज से मेल खाते हैं या नहीं।

सोमवार सुबह प्रज्वल को मेडिकल जांच के लिए फिर से बॉरिंग अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि सांसद सुबह 11 बजे से 11.30 बजे के बीच एसआईटी के साथ पहुंचे और दोपहर 1 बजे चले गए। उन्होंने रक्तचाप, रक्त शर्करा और हृदय संबंधी स्वास्थ्य के लिए नियमित जांच कराई। सूत्रों ने बताया कि उनकी सभी महत्वपूर्ण जांच सामान्य हैं। पता चला है कि जेडीएस नेता की फिर से नियमित मेडिकल जांच कराई गई, क्योंकि उन्हें हासन और अन्य स्थानों पर स्पॉट मजहर के लिए ले जाया जा सकता है। उनके खिलाफ दर्ज तीन एफआईआर में पीड़ितों ने एसआईटी अधिकारियों को बताया कि हासन में आरसी रोड और होलेनरसीपुर में सांसद के आधिकारिक आवासों में उनके साथ यौन शोषण किया गया। जांच के दौरान एसआईटी ने उनसे बेंगलूरु पहुंचने से पहले 34 दिनों के दौरान उनके ठिकानों के बारे में भी पूछताछ की। हालांकि, प्रज्वल ने टालमटोल भरे जवाब दिए और कहा कि उनका मोबाइल फोन चोरी हो गया था, जिसके लिए उन्होंने चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी।

गया से जीते जीतनराम मांझी

राजद के कुमार सर्वजीत को एक लाख से अधिक मतों से हराया

गया (एजेंसियां)। गया लोकसभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी हिंदुस्तानी एवं मोर्चा के संस्थापक पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने जीत हासिल कर ली है। 26 राउंड में हुई मतों की गिनती के बाद पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी राजद प्रत्याशी कुमार सर्वजीत से 102263 मतों से बढ़त हासिल कर ली। दूसरी ओर पोस्ट बैलेट की गिनती में भी पूर्व सीएम राजद प्रत्याशी से आगे चल रहे हैं। मतदान कर्मियों के द्वारा पोस्टल बैलट का एक बार फिर से मिलान किया जा रहा है। ताकि गिनती में कोई चुक न रह जाए और यह मात्र एक कोरम भर रह गया है। क्योंकि गया में लगभग 3000 पोस्टल बैलेट का ही प्रयोग किया गया था।

इस मतगणना की सबसे खास बात यह रही कि पहले राउंड से ही पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने अपने प्रतिद्वंदी राजद प्रत्याशी सह बोधगया विधायक कुमार सर्वजीत से बढ़त बनाए रखी। जैसे ही नौवें राउंड में बोधगया विधानसभा की गिनती हुई और एनडीए प्रत्याशी को 22 हजार की बढ़त मिलने के बाद राजद प्रत्याशी कुमार सर्वजीत मतगणना केंद्र से बाहर निकल गए।

हालांकि, गया लोकसभा सीट पर परिणाम आने के बाद लोग तब चौंक गए। जब तीसरे स्थान पर नोटा रहा। मतदाताओं ने नोटा पर 17177 मत मिले। वहीं, गया लोकसभा सीट पर एनडीए प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी के जीतने के बाद कार्यकर्ता जश्न में डूब गए।

गया लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी तीन बार अपना भाग्य आजमा चुके हैं। लेकिन तीनों बार उनको हार का सामना करना पड़ा। पहली बार एनडीए गठबंधन से गया लोकसभा सीट से चुनाव लड़े और एक लाख से अधिक वोट से जीत हासिल की। मालूम हो कि 2024 गया लोकसभा सीट पर 14 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे।

सुरपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के राजा वेणुगोपाल नाइक ने उपचुनाव जीता

भाजपा के नरसिम्हा नाइक को हराया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुरपुर विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में कांग्रेस के राजा वेणुगोपाल नाइक ने भाजपा उम्मीदवार नरसिम्हा नाइक को हराया। परिणाम की घोषणा मंगलवार को यादगीर में चुनाव अधिकारियों द्वारा की गई। नरसिम्हा नाइक राजा वेंकटप्पा नाइक के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी थे, जिनके निधन के कारण उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी। राजा वेणुगोपाल नाइक राजा वेंकटप्पा

नाइक के पुत्र हैं। राजा वेणुगोपाल नाइक को 1,14,886 वोट मिले, जबकि नरसिम्हा नाइक को 96,566 वोट मिले। जीत का अंतर 18,320 वोट है। डाक मतपत्र के माध्यम से 1,332 वोट डाले गए, जिनमें से राजा वेणुगोपाल नाइक को 596 वोट, नरसिम्हा नाइक को 514 वोट और नोटा को 4 वोट मिले, जबकि 216 वोट अवैध रहे। चार स्वतंत्र उम्मीदवारों में से अशोक को 1,612 वोट मिले, उसके बाद वेणुगोपाल (514 वोट), वेंकटप्पा नाइक (447), शशिकुमार (426 वोट) रहे। नोटा को 844 वोट मिले। सुरपुर विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। इस निर्वाचन क्षेत्र में 2,81,869 मतदाता हैं, जिसमें 1,41,858 पुरुष, 1,39,983 महिला और 28 अन्य शामिल हैं। इनमें से 2,14,183 ने वोट डाले। यह उपचुनाव 2024 के लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के साथ 7 मई को हुआ था।

दिवंगत राजा वेंकटप्पा नाइक और नरसिम्हा नाइक ने 2004, 2008, 2013, 2018 और 2023 में पांच बार एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ा था। राजा वेंकटप्पा नाइक ने 2013 और 2023 में जीत हासिल की। नरसिम्हा नाइक ने 2004, 2008 और 2018 में जीत हासिल की।

कराकाट में कुशवाहा की हार का कारण पवन सिंह या भाजपा? जीत के जश्न में दामन पर लगा दाग

पटना (एजेंसियां)। बिहार की काराकाट लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय उतरे भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह ने अपना काम कर दिया। वह जीतेंगे नहीं, यह राजनीति के गहरे जानकारों को पहले से पता था। यह भी पता था कि वह भाकपा माले- लिबरेशन के प्रत्याशी राजाराम सिंह को ही फायदा पहुंचाएंगे। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कोटे से महज एक लोकसभा टिकट पाकर संतोष करने वाले राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा को ही नुकसान पहुंचाएंगे, यह भी पता था। इतना कुछ राजनीति के गहरे जानकारों को पता था तो राजनीति में नए-नए उतरे पवन सिंह को किसी ने यह बताया नहीं होगा? क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भारतीय जनता पार्टी की पहली सूची में आसनसोल से प्रत्याशी बनाए जाने के बाद इसे ठुकराने वाले पवन सिंह को भाजपा के दिग्गजों ने समझाया नहीं होगा? अगर आप इन सवालों के जवाब में जाएंगे तो बिहार की 40 में से इस एक सीट को पहले ही गंवाने की भाजपा की तैयारी शायद मान जाएंगे।

बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार फैक्टर के कारण भाजपा को बहुत कुछ करना पड़ा है। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में जब चिराग पासवान ने सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड को हराने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया, तब उसके बाद दिवंगत रामविलास पासवान के बेटे को भाजपा ने क्या दिन दिखाया- किसी से छिपा नहीं है। उपेंद्र कुशवाहा पिछले साल जदयू में थे, वहां से बहुत हील-हुज्जत के बाद निकले और कुछ अंतराल के बाद एनडीए में वापस आए। वह एनडीए सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 2019 के पहले राज्यमंत्री रह चुके थे। लोकसभा चुनाव 2019 के पहले मंत्रीपद से ठीक उसी तरह इस्तीफा देकर निकल आए थे, जैसे पशुपति कुमार पारस इस बार। बस, अंतर यही था कि थोड़ा समय रहते ही कुशवाहा निकल आए थे। वह बात पुरानी हो गई, लेकिन अब काराकाट लोकसभा चुनाव परिणाम में जो सामने आया- यह याद आना ही था। चाणक्या स्कूल ऑफ पॉलिटिकल राइट्स एंड रिसर्च के अध्यक्ष सुनील कुमार सिन्हा इसके साथ ही यह भी जोड़ते हैं- "यह याद दिलाना भी जरूरी है कि भाजपा के पास 'कुशवाहा' के रूप में सम्राट चौधरी हैं, जिन्हें पार्टी ने दूसरे दल से प्रवेश कराने के कुछ समय बाद ही बहुत कुछ दे दिया। मतलब, कुशवाहा जाति के प्रतिनिधित्व का संकट भाजपा में नहीं है।

क्या खुद जान-बूझ कर एनडीए की यह सीट गंवाई गई? इस सवाल का जवाब जानने के लिए पवन सिंह की उम्मीदवारी से जुड़े पूरे प्रकरण को याद करना होगा। पवन सिंह ने आसनसोल से टिकट मिलने पर तृणमूल के शत्रुघ्न सिन्हा के खिलाफ उतरने से मना कर दिया। उसके बाद भोजपुर क्षेत्र से टिकट के लिए प्रयास किया।

भाजपा ने आरा और बक्सर की सीट नहीं दी तो काराकाट चले गए। काराकाट में भाजपा के सहयोगी उपेंद्र कुशवाहा पहले से तय थे। फिर भी पवन वहां गए। अंतिम समय तक पवन सिंह टिके रहे तो भाजपा ने उन्हें पार्टी से मुक्त करने की औपचारिकता की। लेकिन, तब तक अपने प्रचार में भाजपाई होने का जितना फायदा उन्हें लेना था- ले चुके थे। हालांकि, वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक प्रवीण बागी कहते हैं कि "उपेंद्र कुशवाहा को हराने नहीं, बल्कि खुद जीतने के आत्मविश्वास में पवन सिंह वहां गए। उन्हें लगा कि दो कुशवाहा की लड़ाई में वह अपनी राजपूत जाति समेत सामान्य वोटरों का साथ हासिल कर लेंगे। लेकिन, यह नहीं हुआ। उन्होंने उपेंद्र कुशवाहा के वोट को ही काटकर जो हासिल करना था, किया। जीत नहीं सके और उपेंद्र कुशवाहा की हार का कारण भी बन गए।

2019 में यहां जनता दल यूनाईटेड के महाबली सिंह जीते थे। मतलब, इस बार जदयू ने समन्वय के तहत अपनी यह सीट उपेंद्र कुशवाहा के लिए छोड़ी थी। पिछली बार यहां राजग प्रत्याशी महाबली सिंह को करीब चार लाख वोट मिले थे। तब महागठबंधन प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा को 3.13 लाख वोट मिले थे। इस बार राजग के लिए उपेंद्र कुशवाहा ने पहले छह चरणों में लगभग हर सीट पर चुनाव प्रचार किया और अपनी सीट को लेकर आश्वस्त भी नजर आए। उन्हें लग रहा था कि महागठबंधन प्रत्याशी के रूप में जब 3.13 लाख वोट आ सकते हैं तो राजग प्रत्याशी के रूप में जदयू को पिछली बार मिला वोट तो आएगा ही। यह हो नहीं सका। इस फेर में कुशवाहा बुरी तरह पिछड़ गए।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और काराकाट के एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा की करारी शिकस्त के बाद यह सवाल उठना लाजिमी है कि भाजपा पवन सिंह को नियंत्रित नहीं कर सकी तो क्या अब इस हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उनके लिए कुछ करेगी?

सिमुलतला आवासीय विद्यालय कक्षा 11 प्रवेश परीक्षा के लिए डमी एडमिट कार्ड जारी

पटना (एजेंसियां) सिमुलतला आवासीय विद्यालय कक्षा 11 प्रवेश परीक्षा के लिए बीएसईबी डमी एडमिट कार्ड में उम्मीदवार का नाम, जन्म तिथि, लिंग, आधार संख्या, मोबाइल नंबर, माता का नाम, पिता का नाम जैसे विवरण शामिल हैं।

सिमुलतला आवासीय विद्यालय कक्षा 11 में प्रवेश के लिए बीएसईबी एडमिट कार्ड डमी एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं, ताकि उम्मीदवार किसी भी त्रुटि या विसंगति की समीक्षा कर सकें और रिपोर्ट कर सकें।

डमी एडमिट कार्ड से संबंधित त्रुटियों की रिपोर्ट करने के लिए पोर्टल 5 जून से उपलब्ध होगा। उम्मीदवार 8 जून तक पोर्टल पर एडमिट कार्ड में त्रुटियों के बारे में रिपोर्ट कर सकते हैं। इसके बाद एडमिट कार्ड पर विवरण संपादित करने के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक परीक्षा शुल्क का भुगतान नहीं किया है, उनके पास भुगतान करने के लिए आज तक का समय है।

निर्धारित समय सीमा के भीतर परीक्षा शुल्क जमा न करने पर उनके आवेदनों को अस्वीकार कर दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित उम्मीदवार पर होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com